THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 287 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.9 2081 बुधवार, 8 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का स्मारक बनाएगी सरकार

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणव मुखर्जी का स्मारक बनाने का फैसला किया है। पूर्व राष्ट्रपति का स्मारक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय स्मृति' परिसर (राजघाट परिसर का एक हिस्सा) के भीतर एक स्थल को चिन्हित करने को मंजूरी भी दे दी है। बता दें कि, इसकी जानकारी लेखक और पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दी है। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और बाबा के लिए एक स्मारक बनाने के उनके सरकार के फैसले के लिए दिल से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की। यह और भी अधिक सराहनीय है, क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी में

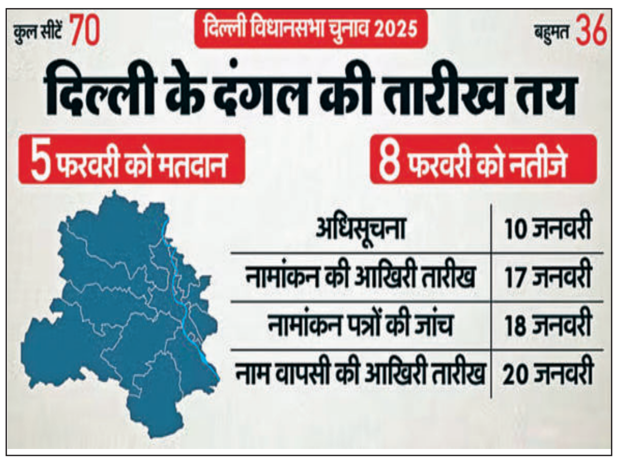

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी 2025 को मतदान होगा। 8 फरवरी 2025 को मतगणना होगी और इसी के साथ यह तय हो जाएगा कि दिल्ली में अगली सरकार किसकी बनने जा रही है?

दुनिया के देशों में तो एक-एक महीने काउंटिंग चल रही है :

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हम पर यह सवाल उठाए गए कि शाम पांच बजे के बाद कैसे मतदान का आंकड़ा बढ़ जाता है? करोड़ों वोट कैसे बढ़ जाते हैं? यह ध्यान रखना होगा कि सुबह 9:30 बजे, 11:30, दोपहर 1:30, 3:30 और शाम 5:30 बजे के बीच सेक्टर मजिस्ट्रेट मतदान का आंकड़ा इकट्ठा करते हैं। वोटिंग खत्म होने के समय फॉर्म 17-सी दिया जाता है। जब शाम 7:30 बजे तक अधिकारी तक सारी मशीनें इकट्ठा करता है, तब उसके मतदान केंद्र का अंतिम आंकड़ा पता चल पाता है, जबकि हमसे कहा जाता है कि छह बजे ही आंकड़ा बता दें। लोग ये भूल जाते हैं कि दुनिया के बड़े देशों में तो एक-एक महीना मतगणना चल रही है।

फुलप्रूफ डिवाइस :

चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि ईवीएम में अविश्वसनीयता या किसी खामी का कोई सबूत नहीं है। ईवीएम में वायरस या बग आने का कोई सवाल ही नहीं है। ईवीएम में अवैध वोट होने का सवाल ही नहीं है। कोई धांधली संभव नहीं है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अलग-अलग फैसलों में लगातार यही कह रहे हैं और क्या कहा जा सकता है? ईवीएम मतगणना के लिए फुलप्रूफ डिवाइस है। टेम्परिंग के आरोप बेबुनियाद हैं। हम अभी बोल रहे हैं क्योंकि चुनाव के समय हम नहीं बोलते।

अंतिम मतदाता सूची हो चुकी है जारी

चुनाव आयोग ने बीते सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। इस चुनाव में दो लाख के करीब मतदाता 18 से 19 वर्ष के हैं। वह पहली बार विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इस सूची में कुल एक करोड़ 55,24,858 मतदाता हैं। इसमें पुरुष मतदाता 85,49,645 हैं, जबकि 71,73,952 महिला मतदाता हैं। थर्ड जेंडर 1,261 हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची के लिए नाम प्रक्रिया के तहत जोड़े और हटाए जाते हैं। इसके लिए फॉर्म 6 और फॉर्म सात होता है। नामों के घटाने और जोड़ने की जानकारी समय-समय पर राजनीति दलों को दी जाती है। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक महीने में 29 अक्टूबर से 28 नवंबर तक 1,35,089 मतदाताओं ने फॉर्म-6 और 83,825 ने फॉर्म-8 के तहत मतदाता सूचियों में नाम जुड़वाने, पता बदलने, नाम को सूची से हटाने और आपत्तियां और सुझाव के लिए आवेदन किया।

चुनाव आयोग के संबंधित अधिकारियों ने सभी आवेदनों को 24 दिसंबर तक सुलझा दिया। इस तरह से अंतिम मतदाता सूची जारी होने तक 3,08,942 नए नाम मतदाता सूचियों में जुड़े। 1,41,613 नाम हटाए गए। इस दौरान कुल 1,67,329 मतदाता नए जुड़े।

हर आवेदन को जांचा गया :

चुनाव आयोग ने पाया की 16 दिसंबर से एक माह में 5.10 लाख नए लोगों ने अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया। ऐसा पहली बार हुआ। ऐसा तब हुआ, जबकि तय समय में तीन लाख से ज्यादा मतदाता नई सूची में जुड़ चुके थे क्योंकि ऐसा 20 दिन के भीतर हो रहा था, जब आपत्तियां, जांच का समय गुजर चुका था। यह तत्काल जांच का विषय था। सभी चुनाव पंजीकरण अधिकारियों- ईआरओ को जांच के लिए निर्देशित किया गया। हर आवेदन को जांचा गया। संबंधित अधिकारियों को सौ प्रतिशत सत्यापन के लिए कहा गया है।

शायराना अंदाज में चुनाव आयुक्त

ईवीएम को नई बैटरी डालकर सील किया जाता है

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ईवीएम में नई बैटरी डाली जाती है। उसी दिन उसे सील किया जाता है। जिस दिन मतदान होता है, उस दिन सील पोलिंग एजेंट के सामने तोड़ी जाती है। मॉक पोल किया जाता है। पोलिंग एजेंट रिकॉर्ड रखते हैं कि कौन आया, कौन गया। किसमें कितने वोट पड़े, इसकी संख्या उनको दी जाती है। काउंटिंग के दिन भी पूरी प्रक्रिया दोहराई जाती है। फॉर्म 17 सी से मिलान होता है। उसके बाद किसी भी पांच वीवीपैट से भी मिलान किया जाता है। हमारी प्रक्रिया पर कई बार सवाल उठाए गए हैं। चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि भारतीय मतदाता बेहद जागरूक हैं। मतदाता सूचियों को लेकर अब भी कहानियां चल रही हैं। करीब 70 सीटें हैं।

'सारे आरोप निराधार' वोटर लिस्ट में हेरफेर करने के आरोप पर राजीव कुमार की विपक्ष को दो टूक

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। विपक्ष लगातार विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेरफेर करने का आरोप लगा रहा है। ऐसे में वोटर लिस्ट और ईवीएम पर उठाए गए सवालों पर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि ये सारे आरोप निराधार हैं। हमेशा सूची में कुछ नामों को जोड़ा जाता है और कुछ को हटाया जाता है। वोटर हटाने पर पूरी प्रक्रिया का पालन होता है। राजनीतिक दलों की सहमति से ही वोटर लिस्ट अपडेट होती है।

✻ पारदर्शिता हमारी प्राथमिकता :

राजीव कुमार ने वोटर लिस्ट में गलत एंट्री के आरोपों पर कहा, यह सुनकर दुख होता है। कहा गया कि ये ईवीएम इलेक्शन है। वोटर लिस्ट में नाम काटने की शिकायत की गई है। धीमी मतगणना के आरोप लगाए गए हैं।

चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए गए हैं। सवालों का जवाब देना हमारी जिम्मेदारी है। पारदर्शिता हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कई तरह के आरोप लगते हैं। लोग कहते हैं कि वोटर लिस्ट से नाम कट जाता है। काउंटिंग स्लो कर दी जाती है। आज इन सभी सवालों की इज्जत करते हुए जवाब देंगे। उन्होंने आगे फिर दोहराया कि चुनाव आयोग पर कई तरह के आरोप लगते हैं। कहते हैं कि किसी विधानसभा में 50 हजार वोटर बढ़ा दिए गए। वोटर टर्नआउट पांच बजे के बाद कैसे बढ़ गया। उन्होंने कहा, मैं इसका जवाब देना चाहता हूं। लिस्ट से वोटर हटाने में पूरी प्रक्रिया का पालन होता है। इसके बारे में सभी को जानकारी मिल सकती है।

✻ शायराना अंदाज में जवाब :

कुमार ने शायराना अंदाज में कहा, सब सवाल अहमियत रखते हैं जवाब तो बनता है, आदतन कलमबंद जवाब देते रहे, आज तो रू-ब-रू भी बनता है क्या पता हम कल हो न हो, आज जवाब तो बनता है। >14

ईडी ने केटी रामाराव को पूछताछ के लिए जारी किया समन

बीआरएस नेता ने गवाही के लिए मांगा था समय

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता केटी रामाराव (केटीआर) को नया समन जारी किया। उन्हें फॉर्मूल-ई रेस मामले में 16 जनवरी को पूछताछ के लिए यह समन जारी किया गया है। राव ने मामले में गवाही देने के लिए और समय की मांग की थी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, केटीआर इस मामले में किसी भी गलत काम के आरोप से इनकार कर रहे हैं। धनशोधन का मामला दर्ज होने पर केटीआर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, इसमें भ्रष्टाचार कहां है? हमने 55 करोड़ रुपये का भुगतान किया है और फॉर्मूला-ई ने इस भुगतान को स्वीकार किया है। यह एक साधारण खाता है। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) का इंडियन ओवरसीज बैंक में खाता है और वहां से पैसे ट्रांसफर किए गए थे। केटीआर सोमवार यानी छह जनवरी को एसीबी के हैदराबाद स्थित कार्यालय पहुंचे। पूछताछ से पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके वकीलों को एसीबी कार्यालय में उनके साथ नहीं आने दिया जा रहा है। केटीआर ने कहा था, वह कानून का पालन करने वाले व्यक्ति हैं और उच्च न्यायालय और एसीबी के निर्देशों का सम्मान करते हुए पूछताछ में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं, लेकिन उनके वकीलों को उनके साथ आने की इजाजत नहीं दी जा रही है।

कोरोना जैसे एचएमपीवी वायरस के 8 केस ज्यादातर बच्चे : महाराष्ट्र में 2 बच्चे पॉजिटिव

बेंगलुरू/चेन्नई/अहमदाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना जैसे एचएमपीवी वायरस के केस बढ़कर 8 हो गए हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है। दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। केंद्र ने राज्यों को इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और सीवर एक्यूट रेस्परेट्री जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है। देश के 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह वायरस सामान्य है और इससे डरने की जरूरत नहीं है।

आतिशी बोलीं : 3 महीने में दूसरी बार सीएम आवास से निकाला

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान होने के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, आप सांसद संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आतिशी ने कहा कि कल रात केंद्र की भाजपा सरकार ने मेरे सरकारी आवास से मेरा सामान निकालकर फेंक दिया। ये तीन महीने में दूसरी बार हुआ है। इसके कुछ देर बाद पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने एक लेटर जारी कर उनके दावों को खारिज कर दिया। कहा कि आतिशी कभी मुख्यमंत्री निवास में रहने ही नहीं आईं।

पीडब्ल्यूडी ने कहा कि आतिशी से कई बार 6-फ्लैगस्टाफ रोड का पजेशन लेने को कहा गया, लेकिन वे नहीं मानीं। आतिशी को दो नए आवासों का प्रस्ताव भी दिया गया था। इनमें से एक राज निवास लेन और दूसरा दरियागंज में है। पीडब्ल्यूडी ने बताया कि नियमों के मुताबिक, जिसे आवास अलॉट किया गया है, वह अगर 'हैबिटेबिलिटी सर्टिफिकेट' जारी होने के पांच वर्किंग डे के अंदर घर का भौतिक कब्जा नहीं लेता, तो आवंटन खुद ही रद्द हो जाता है। पीडब्ल्यूडी के लेटर में मुख्यमंत्री आवास के कैग ऑडिट का भी जिक्र किया गया है। पीडब्ल्यूडी ने लिखा, सीबीआई जांच भी चल रही है। हाल ही में डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस ने बंगले के निर्माण और नवीनीकरण से जुड़े कुछ आरोपों पर तथ्यात्मक जानकारी मांगी है। पीडब्ल्यूडी इस मामले से संबंधित इन्वेंट्री को वेरिफाई कर रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली मुख्यमंत्री आवास के बारे में नरेंद्र मोदी से लेकर भाजपा के बड़े नेता तक एक ही प्रचार कर रहे हैं। कह रहे हैं कि उसमें मिनी बार बना हुआ है, उसमें सोने का टॉयलेट बना हुआ है, उसमें स्विमिंग पूल बना हुआ है। जबकि, इसी दिल्ली में प्रधानमंत्री का राजमहल है जो 2700 करोड़ रुपये में बना है।उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इस देश की जनता को, मीडिया को अपना राजमहल दिखाएं। मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि तुम्हारा झूठ कल उजागर होगा। कल 11 बजे मीडिया के साथ चलकर पहले दिल्ली सीएम के आवास को देखें और कितने करोड़ में बना है और फिर पीएम के राजभवन को देखने चलें।

संस्थान होने का क्या फायदा अगर काम करने वाले लोग ही नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों में रिक्तियों पर नकारात्मक रुख अपनाया और केंद्र को तत्काल पदों को भरने का निर्देश दिया। सीआईसी में सूचना आयुक्तों के शीघ्र चयन के लिए कहते हुए जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने केंद्र से कहा, इन पदों को जल्द से जल्द भरने की जरूरत है, अन्यथा संस्थान होने का क्या फायदा, अगर हमारे पास काम करने वाले लोग ही नहीं हैं?

पीठ ने सीआईसी और एसआईसी में केवल एक विशेष श्रेणी के उम्मीदवारों की नियुक्तियों की आलोचना की और इन आयोगों में नौकरशाहों की मौजूदगी पर न्यायिक टिप्पणी करने पर विचार किया, न कि सभी क्षेत्रों के लोगों की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान ले सकते हैं कि पूरे आयोग में केवल एक ही श्रेणी के लोग काम करते हैं। >14

कोर्ट का मेनका की याचिका पर सुनवाई से इनकार

> चुनाव याचिका दायर करने के लिए 45 दिन की सीमा को दी थी चुनौती

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने चुनाव याचिका दायर करने के लिए 45 दिन की समयसीमा को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि वह कानून बनाने का काम नहीं कर सकता और बाढ़ के लिए दरवाजा नहीं खोल सकता।

हालांकि, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मेनका गांधी की याचिका पर नोटिस जारी किया। याचिका में उन्होंने समाजवादी पार्टी के रामभुआल निषाद की लोकसभा चुनाव में जीत को चुनौती दी थी। निषाद ने 2024 के लोकसभा चुनाव में सुल्तानपुर सीट से जीत हासिल की थी। कोर्ट ने निषाद को चार हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

45 दिन की सीमा का मामला

लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार के चुनाव जीतने के बाद 45 दिन की ही समयसीमा होती है, जिसमें याचिका दायर की जा सकती है। यह नियम जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 81 में है। मेनका गांधी को निषाद से 43,174 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम इस मामले पर सुनवाई नहीं करना चाहते। हम नहीं चाहते कि हम कोई नया कानून बनाएं, क्योंकि हम ऐसे नहीं कर सकते। आप चाहते हैं कि हम 45 दिन की समयसीमा को गलत ठहराएं और इसे 60 या 90 दिन कर दें। लेकिन हम यह नहीं कर सकते।

मेनका गांधी के वकील ने क्या दलील दी :

मेनका गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि वह 1973 में हुए एक फैसले को फिर से देखने की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि उस फैसले में जो 45 दिन की समय सीमा तय की गई थी, वह गलत है और इसे फिर से देखा जाना चाहिए। लूथरा ने यह भी कहा कि यह समयसीमा किसी ऐसे व्यक्ति के लिए समस्या हो सकती है, जिसने चार आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई हो। हालांकि, बेंच ने कहा कि किसी फैसले को गलत बताने के लिए कोर्ट में सिर्फ नागरिक अपील की जा सकती है, न कि इस तरह की याचिका। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 अगस्त 2024 के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी चुनाव याचिका समयसीमा से बाहर होने के कारण खारिज कर दी गई थी।

बीपीएससी परीक्षा में अनियमितताओं से जुड़ी याचिका पर सुनवाई नहीं

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितता और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। बीपीएससी परीक्षा विवाद को लेकर लगी याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट ने कहा कि वह भावनाओं को समझती है, लेकिन याचिकाकर्ता को पहले पटना हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए।

महाराष्ट्र में चाचा-भतीजे होंगे एक, सुप्रिया सुले बनेंगी केंद्र में मंत्री!

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा सीट से चौथी बार जीती शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले क्या केंद्र में मंत्री बनेगी? राज्य की राजनीति में पवार फैमिली क एक होने की अटकलों के बीच यह सवाल चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

अजित पवार की मां आशाताई पवार ने पिछले दिनों साफ कहा था कि वह चाहती हैं कि पवार परिवार एक हो जाए। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि एनसीपी के दोनों धड़ों के साथ आने की कवायद पर्दे के पीछे जारी है। अगर यह कोशिश परवान चढ़ती है तो शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री बन सकती हैं। इतना ही नहीं उन्हें कोई बड़ा मंत्रालय भी मिल सकता है। पिछले दिनों यह चर्चा सामने आई थी। राज्य के एक बड़े उद्योगपति की इच्छा के अनुसार एक ही परिवार के दो प्रतिद्वंदी पार्टियों को जोड़ने की कवायद चल रही है। चर्चा यह भी है कि ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार की नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायुडू पर निर्भरता कम हो जाएगी, क्यों शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के पास आठ सांसद हैं, हालांकि अजित पवार की मां आशाताई पवार ने परिवार के एकजुट होने की बात कही थी तब उन्होंने कहा था कि अजित पवार जब तक बीजेपी के साथ हैं तब तक कुछ नहीं हो सकता है। सूत्र बताते हैं कि अजित पवार और शरद पवार का मिलन थोड़ा मुश्किल जरूर है लेकिन असंभव नहीं है। लोकसभा चुनावों में अजित पवार की पार्टी सिर्फ एक सीट जीत पाई थी। जबकि शरद पवार को 10 सीटों पर लड़ने के बाद आठ पर जीत मिली थी।

सुप्रिया सुले ने की थी तारीफ :

पिछले दिनों जब शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ करते हुए उन्हें देवाभाऊ लिखा गया था। उसके बाद सुप्रिया सुले ने देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की थी। सुले ने यहां तक कह दिया था कि वह इकलौते ऐसे व्यक्ति हैं तो जो राज्य में सक्रिय हैं। सुले ने कहा था कि एनसीपी के दिवंगत नेता और पूर्व गृह मंत्री आर आर पाटिल भी गढ़िचरौली जाते हैं। ऐसे में फडणवीस का गढ़चिरौली जाना एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा था कि नक्सलवाद खत्म हो। यह कौन नहीं चाहता है। राजनीतिक हलकों में सुले के इस बयान नए राजनीतिक बनने की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।

पवार के सामने है कठिन चुनौती :

अगर पवार बीजेपी के साथ आते हैं तो उनके फिर से राज्यसभा जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इतना ही नहीं विधानसभा चुनावों अजित पवार की पार्टी को अधिक सीटें मिलने के बाद शरद खेमा काफी दबाव में है। चर्चा यहां तक है कि अगर पवार कोई अच्छी स्थिति का निर्माण नहीं करते हैं तो उनकी अगुवाई वाली एनसीपी फिर से टूट सकती है।

तिब्बत में भूकंप से 95 की मौत, 130 घायल

रिक्टर स्केल पर 7.1 तीव्रता, नेपाल-भूटान समेत सिक्किम और उत्तराखंड में भी असर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के तिब्बत प्रांत में मंगलवार सुबह आए भूकंप से 95 लोगों की मौत हो गई, जबकि 130 घायल हो गए। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक सुबह 9.05 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे) आए इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिजांग में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 थी। भूकंप का असर नेपाल, भूटान सहित भारत के सिक्किम और उत्तराखंड में भी दिखा। फिलहाल भारत में इससे जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। एनसीएस ने बताया कि पहले भूकंप के तुरंत बाद इस क्षेत्र में दो और भूकंप आए थे। लोकल अधिकारी लगातार हालात का जायजा ले रहे हैं, इस वजह से हताहतों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

राज्यपाल रवि के खिलाफ डीएमके ने खोला मोर्चा

> कनिमोझी बोलीं-सीएम स्टालिन के धैर्य की भी एक सीमा

चेन्नई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में स्टालिन सरकार और राज्यपाल आरएन रवि के बीच विवाद बढ़ रहा है। राज्यपाल के विधानसभा सत्र से नाराज होकर जाने को लेकर पूरे राज्य में डीएमके ने प्रदर्शन किया। डीएमके ने राज्यपाल के अभिभाषण न पढ़ने के कदम की निंदा की।

डीएमके की उप महासचिव और लोकसभा सदस्य कनिमोझी ने कहा कि केंद्र सरकार ने आरएन रवि को तमिलनाडु का राज्यपाल डीएमके सरकार को परेशान करने और तमिलों का अपमान करने के लिए बनाया है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता स्टालिन के धैर्य की एक सीमा है। कनिमोझी ने कहा कि राज्यपाल का पद राजनीति करने के लिए नहीं है। अगर राज्यपाल विधानसभा को संबोधित करने के इच्छुक नहीं हैं तो वे छुट्टी पर जा सकते हैं। यह तीसरी बार है जब राज्यपाल ने विधानसभा का अपमान किया है। सीएन अन्नादुरई और एम करुणानिधि जैसे नेताओं द्वारा तैयार किए गए डीएमके सदस्य मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन के नेतृत्व में जल्द ही राज्यपाल की ओर से भाजपा सरकार द्वारा लगाए गए सभी अवरोधों को दूर कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे नेता स्टालिन के धैर्य की एक सीमा है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यपाल को वापस भेज दिया जाएगा।

परंपरा को तोड़ना चाहते हैं राज्यपालः भारती

डीएमके संगठन सचिव आरएस भारती ने आरोप लगाया कि राज्यपाल अभिभाषण का बहिष्कार करने का फैसला करके राज्य में पांच दशकों की परंपरा को तोड़ना चाहते हैं। वह अभिभाषण न पढ़ने के लिए बहाने बना रहे हैं।

उनके पास बहिष्कार करने का कोई सही कारण नहीं है। उन्हें जलन हो रही है क्योंकि उनकी पार्टी द्वारा शासित राज्य तमिलनाडु की तरह प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं।

भाजपा ने डीएमके को घेरा

राज्यपाज की निंदा करने पर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष और विधायक वनथी श्रीनिवासन ने डीएमके को घेरा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को कमजोर करना सत्तारूढ़ दल की आदत बन गई है। जब भी राज्यपाल विधानसभा में आते हैं, वे ऐसा नाटक करने की कोशिश करते हैं जैसे कि वह तमिलनाडु का अपमान कर रहे हों। कल राज्यपाल ने राष्ट्रगान बजाने पर जोर दिया, जिसका पालन द्रमुक के सहयोगी दलों द्वारा शासित पश्चिम बंगाल या केरल में भी किया जाता है। राज्यपाल जब भी आते हैं, राष्ट्रगान गाया जाता है। लेकिन यहां डीएमके को लगता है कि तमिलनाडु में अलग प्रक्रिया है।

बीजेपी ने फिल्म 'गुंडे' का पोस्टर जारी किया इसमें आतिशी, संजय सिंह और राघव चड्ढा

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और भाजपा में पोस्टर वॉर चल रहा है। चुनावी हिंदू वाले पोस्टर के जवाब में चुनावी मुसलमान का पोस्टर जारी किया है। इसमें अमित शाह को टोपी पहने दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में लिखा है- कभी सोचा है बीजेपी को चुनाव आते ही मुसलमानों की इतनी याद क्यों आती है। इस पोस्टर के जवाब में बीजेपी ने भी एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें संजय सिंह, आतिशी और राघव चड्ढा को गुंडे दिखाया गया है। पोस्टर में लिखा है- जब दिखने लगी अपनी हार साफ-साफ तो चुनाव अधिकारियों को धमकाने लगी आप। दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को वोटिंग होगी, नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है।

खबर जरा हटके

खदानों के बीच मिला 'डायनासोर हाईवे'

160 करोड़ साल पहले जहां से गुजरता था काफिला

डायनासोर्स की दुनिया हमेशा से इंसानों के लिए रोमांचकारी रही है और उनके बारे में कुछ नया जानने की कोशिश दुनियाभर में होती आ रही है. इसी कड़ी में विशालकाय जीवों को लेकर ब्रिटेन से एक नई जानकारी सामने आई है. रिसर्चर्स ने ऑक्सफोर्डशायर की खदानों से सैकड़ों डायनासोर फुट प्रिंट खोज निकाले हैं जो करीब 166 करोड़ साल से जमीन के भीतर दबे हुए थे. वैज्ञानिकों का मानना है कि इनके जरिए डायनासोर्स के बारे में बहुत सारी नई जानकारी सामने आने की उम्मीद है.

कैसे मिला 'डायनासोर हाईवे'

इंग्लैंड के क्वॉरी स्थित खदानों से ऑक्सफोर्ड और बर्मिंघल यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स ने डायनासोर्स के पैरों के निशान खोज निकाले हैं. टीम की ओर से 5 ऐसे रास्तों को खोजा गया है जिनसे कभी डायनासोर्स गुजरा करते थे और इसी रास्ते को अब 'डायनासोर हाईवे' कहा जा रहा है. इस रिसर्च में सामने आया कि चार ट्रैक ऐसे हैं जिनपर शाकाहारी सॉरोपॉड डायनासोर चला करते थे. साथ ही इस इलाके में सबसे लंबा ट्रैक करीब 150 मीटर का मिला है। खदानों की मिट्टी के नीचे से पांचवां ट्रैक मासाहारी डायनासोर्स मेगालोसौरस का है जिसके फुट प्रिंट में तीन पंजे शामिल हैं. रिसर्चर्स का कहना है कि यह फुट प्रिंट करीब 166 करोड़ साल पुराने हैं. साथ ही मांसाहारी और शाकाहारी डायनासोर्स के ट्रैक एक-दूसरे को क्रॉस करते हुए दिखते हैं. इससे सवाल उठता है कि क्या वे एक-दूसरे से मिलते था या आपस में उनका बर्ताव कैसा रहा होगा. क्या वह एक-दूसरे पर हमले भी करते थे। सबसे पहले खदान के इलाके में काम करने वाले लोगों को जमीन पर अलग तरह के उभार महसूस हुए और इसके बाद ही वैज्ञानिकों की टीम को यहां बुलाया गया. फिर दोनों ही यूनिवर्सिटी की 100 से ज्यादा सदस्यों वाली टीम ने एक हफ्ते तक इलाके में खुदाई की. इस तरह धीरे-धीरे डायनासोर्स के करीब 200 फुट प्रिंट खोज निकाले गए. यही नहीं, रिसर्च के मकसद से इन निशानों के दो हजारा से ज्यादा फोटो लिए गए हैं और वीडियोग्राफी भी की गई है. इसी इलाके में 1997 में करीब 40 फुट प्रिंट मिले थे और तब भी 180 मीटर लंबे ट्रैक खोजे गए थे. लेकिन तब तकनीक की कमी की वजह से उनपर गहनता से रिसर्च नहीं हो पाई थी.

दिल्ली में बजा चुनावी बिगुल, जेपी नड्डा और केजरीवाल ने की खास अपील

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख ऐलान होने के साथ ही अलग-अलग पार्टी के नेताओं के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में चुनावी बिगुल बजते ही भाजपा और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के लोगों से खास अपील की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा का स्वागत किया।

उन्होंने जनता से आग्रह किया कि दिल्ली वाले ऐसी सरकार चुने, जो जीवन स्तर में सुधार लाने, भ्रष्टाचार से लड़ने, प्रदूषण कम करने और रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करे। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मैं निर्वाचन आयोग द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत करता हूं। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार है। वह देश और प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर आगे बढ़ाने का माध्यम है। मैं दिल्ली के लोगों से ऐसी सरकार चुनने का आग्रह करता हूं जो जीवन स्तर में सुधार लाने, भ्रष्टाचार से लड़ने, प्रदूषण कम करने और रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करे। पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा सरकार दिल्ली के व्यापक विकास की दिशा में लगातार काम कर रही है और 'विकसित दिल्ली' के सपने को हकीकत में बदलने के हमारे प्रयासों को आगे बढ़ाएगी।"

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी चुनाव की तारीख की घोषणा पर एक्स पोस्ट में लिखा, "चुनाव की तारीख का ऐलान हो चुका है। सभी कार्यकर्ता पूरी ताकत और जोश के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हो जाएं। आपके जुनून के आगे इनके बड़े-बड़े तंत्र फेल हो जाते हैं। आप ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। ये चुनाव काम की राजनीति और गाली-गलौज की राजनीति के बीच होगा।

सरोगेसी कानूनों में आयु सीमा की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

केंद्र को जवाब दाखिल करने का आदेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला किया कि वह 11 फरवरी को सरोगेसी कानूनों में सरोगेट माताओं (जो दूसरों के लिए बच्चे को जन्म देती हैं) और अन्य लोगों के लिए आयु सीमा पर सुनवाई करेगा। जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने सरोगेसी विनियमन अधिनियम और सहायक प्रजनन तकनीक (विनियमन) अधिनियम, 2021 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली करीब 15 याचिकाओं पर सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार से मामले पर लिखित जवाब दाखिल करने को कहा। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि केंद्र सरकार लिखित जवाब दाखिल करेगी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करेगी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अंतरिम आदेश पारित करने की आवश्यकता है।

2021 के सरोगेसी कानूनों में क्या है आयु सीमा

2021 के सरोगेसी कानूनों में माता-पिता और सरोगेट माताओं के लिए आयु सीमा तय की गई है। कानून के मुताबिक, इच्छित माता की आयु 23 से 50 साल के बीच होनी चाहिए और इच्छित पिता की आयु 26 से 55 साल के बीच होनी चाहिए। सरोगेट मां के लिए नियम यह हैं कि वह विवाहित हो, आयु 25 से 35 के बीच हो, पहले अपना जैविक बच्चा हो और जीवन में एक बार ही सरोगेसी का काम करे। कानून में सरोगेसी को नियंत्रित करने के लिए अन्य शर्तें भी दी गई हैं।

'माताओं को शोषण से बचाने के लिए मजबूत प्रणाली की जरूरत'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरोगेट माताओं के हितों की रक्षा की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा कि भारत में वाणिज्यिक सरोगेसी पर पाबंदी होने के बावजूद सरोगेट माताओं का शोषण न हो, इसके लिए मजबूत प्रणाली की जरूरत है। कोर्ट ने कहा, इसके लिए एक डाटाबेस होना चाहिए, ताकि किसी महिला का बार-बार शोषण न हो। एक प्रणाली होनी चाहिए। कोई नहीं कर रहा कि यह बुरा विचार है। लेकिन इसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि सरोगेट माताओं को मुआवजा देने के लिए वैकल्पिक तरीके भी हो सकते हैं और एक विशेष प्राधिकृत अधिकारी द्वारा भुगतान की प्रक्रिया को नियंत्रित किया जा सकता है। एएसजी भाटी ने कहा कि मौजूदा कानून केवल आत्मीय सरोगेसी की अनुमति देते हैं।

60 की उम्र में 30 का दिखने लगा!

चर्चा में इस शख्स का मेकओवर, लोग बोले- पासपोर्ट बदलवाना पड़ेगा

बॉलीवुड का मशहूर गाना 'जाए जाए, एक बार जो जाए जवानी फिर ना आए' वायरल हो रही एक तस्वीर के बाद पूरी तरह गलत साबित होता नजर आ रहा है. यह तस्वीर एक ऐसे शख्स की है, जिसने कॉस्मेटिक सर्जरी के जरिए अपना लुक इस कदर बदल लिया कि लोग देखकर हैरान रह गए. इस चमत्कारी बदलाव के पीछे तुर्की का क्लिनिक है, जो कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए दुनियाभर में मशहूर है. इस शख्स ने अपने लुक को 40 साल पीछे ले जाकर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. क्लिनिक ने इस मेकओवर के लिए कई प्रक्रियाएं कीं, जिनमें शामिल हैं, फेसलिफ्ट,नेक लिफ्ट,अपर और लोअर आईलिड सर्जरी,हेयर ट्रांसप्लांट, राइनोप्लास्टी (नाक की सर्जरी). क्लिनिक का कहना है कि हर डिटेल पर ध्यान दिया गया ताकि परिणाम नेचुरल और आकर्षक लगें.

सोशल मीडिया पर वायरल

इस अविश्वसनीय बदलाव को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों को यकीन ही नहीं हो रहा है. इस पोस्ट पर 2,000 से ज्यादा लाइक्स और अनगिनत कमेंट्स इस पोस्ट पर आ चुके हैं. एक यूजर ने लिखा कि अब तो इसे आधार कार्ड और पासपोर्ट में नई फोटो लगानी पड़ेगी.वहीं, किसी ने कहा कि सर्जरी ने इसे पूरी तरह नया इंसान बना दिया. तुर्की आज दुनिया में प्लास्टिक सर्जरी का हब बन चुका है. हर साल लाखों लोग तुर्की का रुख करते हैं, खासतौर पर वो लोग जो अपने लुक्स को बेहतर बनाने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी कराना चाहते हैं.

दिल्ली चुनाव में 'अफजल गुरू' की एंट्री

विक्टिम कार्ड खेलना बंद करें आतिशी रमेश बिधूड़ी ने फिर पूछा सवाल

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कालकाजी सीट से भाजपा के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी की ओर से मुख्यमंत्री आतिशी के पिता के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी से राजनीतिक पारा चढ़ गया है। भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने एक बार फिर मुख्यमंत्री आतिशी को घेरा है। उन्होंने कहा कि आप विक्टिम कार्ड खेलना बंद करे। अफजल गुरू को लेकर अपना रूख पहले साफ करें। इस मामले पर पहले ही आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा को महिला विरोधी करार दिया है। दिल्ली चुनाव की तारीखों से पहले आज कालकाजी से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने कहा कि जल्द ही दिल्ली की जनता आप-दा को सत्ता से बाहर भेजने वाली है। आप विक्टिम कार्ड का इस्तेमाल कर रही है। जबकि वह जानते हैं कि उनका पर्दाफाश होने वाला है। मुख्यमंत्री मगरमच्छ के आंसू बहा रही हैं। लेकिन उन्हें पहले साफ करना चाहिए कि क्या वह अपने पिता के अफजल गुरू पर दिए गए बयान का समर्थन करती हैं। कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा ने कहा कि रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी और आतिशी के बारे में जो कहा, वह पूरी तरह अस्वीकार्य और निंदनीय है। वह पहले ही कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। अब मैं सीएम आतिशी के साथ सीधे टकराव में हूं। जब मैं विधायक थी, तब एक भाजपा विधायक ने मेरे खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, लेकिन मैं रोई नहीं। मुझे अपनी शक्तियों का पता था और मैंने उसका इस्तेमाल करके उनसे बदला लिया और सुनिश्चित किया कि वह पूरे एक साल के लिए निलंबित रहें। वह एक निर्वाचित विधायक हैं और जब अरविंद केजरीवाल ने उन्हें टीसीएम (अस्थायी सीएम) कहा, तो वह अपमानित महसूस करने लगीं और रो पड़ीं। अरविंद केजरीवाल ने भी रमेश बिधूड़ी की तरह उनका अपमान किया है।

सीआरपीएफ जवान ने जम्मू-कश्मीर में की आत्महत्या

अपनी सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली, जांच शुरू

जम्मू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सीआरपीएफ के एक सहायक उप-निरीक्षक ने अपनी सेवा राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि बताया कि बिहार के रहने वाले राजनाथ प्रसाद (55) ने कटड़ा में माता वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले ताराकोट मार्ग पर एक अस्थायी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पिकेट के अंदर खुद को सीने पर गोली मार ली। उनके साथी कर्मचारियों ने गोली की आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें मृत पाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि प्रसाद ने आत्महत्या क्यों की।

भिखारी को दिल दे बैठी 6 बच्चों की मां

घर-परिवार छोड़ हुई फरार, पति ने दर्ज कराई एफआईआर

हरदोई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई में 6 बच्चों की मां कथित तौर पर एक भिखारी के साथ भाग गई. महिला अपने बच्चों और पति को छोड़कर गई है. जिस भिखारी के साथ महिला भागी है वह उसके घर पर भीख मांगने आता था और हाथ देखकर भविष्य भी बताता था. इसी दौरान दोनों में प्यार हो गया. महिला के पति का आरोप है कि उसकी पत्नी भिखारी के साथ फरार होने के साथ-साथ घर में रखे पैसे भी लेकर चली गई है. फिलहाल, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दोनों की तलाश में जुट गई है।

पूरा मामला हरदोई जिले के हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र का है, जहां 36 साल की एक महिला को घर पर भीख मांगने आने वाले भिखारी से प्यार हो गया. आखिर में उसी के साथ फरार हो गई. महिला के भागने के बाद उसके पति ने पुलिस में केस दर्ज कराया और पत्नी को वापस लाने की गुहार लगाई. अब पुलिस भिखारी की तलाश में जुटी है. पीड़ित पति राजू ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके 6 बच्चे हैं और उसकी पत्नी को भिखारी भगाकर ले गया है. पीड़ित ने बताया कि हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र का रहने वाला नन्हे पंडित अक्सर उसके घर पर भीख मांगने आता था और हाथ वगैरह भी देख लेता था. पति के मुताबिक, उसकी पत्नी अक्सर भिखारी से बातें किया करती थी. 3 जनवरी को वह घर से सांडी बाजार में सब्जी और कपड़े खरीदने की बात कहकर निकली लेकिन फिर वापस नहीं आई। बकौल राजू- पत्नी घर में रखे 1 लाख 60 हजार रुपये लेकर भी गई है. ये रुपये भैंस और मिट्टी बेचकर जमा किए थे. नन्हे बहला-फुसलाकर पत्नी को अपने साथ ले गया है. उसकी पहले से नीयत खराब थी. पुलिस से गुजारिश है कि पत्नी को जल्द से जल्द खोजा जाए।

सलमान खान की बढ़ाई गई सुरक्षा

गैलेक्सी की बालकनी में लगाए गए बुलेटप्रूफ ग्लास

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिल रही धमकियों के बीच सलमान खान की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि किस तरह से सुपरस्टार दबंग के घर, गैलेक्सी अपार्टमेंट की खिड़कियों की सुरक्षा करते हुए कर्मचारी दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है की सलमान खान की घर की बालकनी में सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। बालकनी को बुलेटप्रूफ ग्लास से सुरक्षित किया गया है।

7 जनवरी 2025 को सलमान खान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर कुछ कर्मचारियों को काम करते साफ देखा जा सकता है। कैसे यह सभी सलमान की सुरक्षा के लिए घर की बालकनी में बुलेटप्रूफ ग्लास लगाते दिखाई दे रहे हैं। बालकनी को चारों तरफ से नीले बुलेटप्रूफ ग्लास से ढका हुआ देखा जा सकता है। सुरक्षा चिंताओं के बीच सलमान खान भारी सुरक्षा घेरे में सार्वजनिक रूप से दिखाई दे रहे हैं। सुपरस्टार, हाल ही में गुजरात के जामनगर गए थे, जहां उन्होंने अंबानी परिवार के घर पर दोस्तों और परिवार के साथ शानदार तरीके से अपना 59वां जन्मदिन मनाया गया। सलमान यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनका काम प्रभावित ना हो।

वकील ने अदालत में दाखिल की याचिका

एचएमपीवी का संज्ञान लेने और सरकार को निर्देश देने का आग्रह

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट के नागपुर बेंच में मंगलवार को एक वकील ने याचिका दायर की। याचिका में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) पर चिंताओं का संज्ञान लेने और महाराष्ट्र सरकार को सक्रिय कदम उठाने के लिए निर्देश देने का आग्रह किया गया। याचिका में वकील श्रीरंग भंडारकर ने कहा कि हाईकोर्ट ने 2020 में कोविड-19 महामारी का संज्ञान लिया था।

एचएमपीवी को लेकर वैश्विक और क्षेत्रीय चिंताओं के बीच उसी तरह के कदम उठाने की आवश्यकता है। हाईकोर्ट इस याचिका पर 10 जनवरी को सुनवाई कर सकता है। अगस्त 2020 में नागपुर पीठ ने महामारी का संज्ञान लिया था और राज्य सरकार को कई निर्देश दिए थे।

याचिका में कहा गया, एचएमपीवी के रिपोर्ट किए गए मामलों में हाल में वृद्धि सतर्कता, तैयारी और सक्रिय सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की जरूरत को रेखांकित करती है।

पीड़ितों को न्याय न दिला पाने के कारण आप नेता ने खुद को दी सजा

बैठक में अपने ऊपर बरसाए कोड़े

सूरत, 7 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल इटालिया ने एक सार्वजनिक बैठक में खुद को बेल्ट से मारा। इटालिया ने बताया कि यह भाजपा शासित राज्य में हुए विभिन्न अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने में विफल रहने का प्रायश्चित है। आप नेता ने कहा कि यह लोगों को जगाने का एक तरीका है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस घटना का वीडियो भी साझा किया।

सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए गोपाल इटालिया ने अचानक अपने पैंट से बेल्ट निकाल लिए और खुद को उससे मारने लगे। हालांकि, पार्टी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव ने उनसे बेल्ट ले लिया और नीचे गिरा दिया। इस दौरान उन्होंने अमरेली में एक भाजपा नेता को बदनाम करने के मामले में एक पाटिदार महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। आप नेता गोपाल इटालिया ने कहा कि वे पीड़ितों के लिए कानूनी, सामाजिक और राजनीतिक लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन भाजपा के शासन में भ्रष्ट अधिकारी और नेता ने न्याय को लोगों के लिए मुश्किल बना दिया है।

आप नेता ने साझा किए वीडियो

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए गोपाल इटालिया ने कहा, गुजरात में एक मासूम लड़की का जुलूस निकाला गया और उसे बेल्ट से पीटा गया। मैं उस लड़की को न्याय न देला पाने की सजा खुद को दे रहा हूं। इसके अलावा लाठा घटना, पेपर लीक घटना, मोर्बी घटना, गेम जोन दुर्घटना, हिरण की घटना, दाहोद दुष्कर्म और जसदान दुष्कर्म भी हुए। मैंने गुंडो, शराब तस्करों, भू-माफिया, दुष्कर्मियों और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, लेकिन आज तक न्याय न मिल पाने की मैं अपने आप को दे रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं गुजरात की आत्मा को जगाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि बेल्ट की थाप गुजरात की सोई हुई आत्मा को जगा देगी और लोग हजारों पीड़ितों को न्याय दिलाएंगे। बता दें कि इससे पहले तमिलनाडु में भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध की बढ़ती घटनाओं के विरोध में खुद को कोड़े मारे थे।

सालों से बंद पड़ा स्कूल देखने घुसे लड़के, नजर आया खुफिया दरवाजा

अंदर थी ऐसी चीज, डर के मारे भागे!

शहरों में अक्सर कई इमारतें ऐसी मिल जाती हैं जो अलग-अलग कारणों से बंद हो जाती हैं, वहां कोई काम नहीं होता. समय के साथ ये इमारतें उजाड़ और भुतही लगने लगती हैं. लोग उसमें जाना भी छोड़ देते हैं. ऐसी इमारतों को देखने, उसे महसूस करने और दूसरों को दिखाने अर्बन एक्सप्लोरर जाते हैं. अर्बन एक्सप्लोरर वो लोग होते हैं जो शहरों की बंद पड़ी इमारतों के अंदर घुसते हैं और उसे एक्प्लोर करते हैं, उसके इतिहास को जानने की कोशिश करते हैं और इस बात की भी जांच करते हैं कि क्या वहां पर कोई भूत-प्रेत का साया भी है या नहीं. हाल ही में ऐसे कुछ अर्बन एक्सप्लोरर एक बंद पड़े स्कूल में घुसे. अंदर देखते-देखते उन्हें एक खुफिया दरवाजा मिला. जैसे ही वो उसके अंदर गए, डर के मारे वो लोग वहां से भाग निकले.

इंस्टाग्राम यूजर रॉटिंग मिडवेस्ट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें उनकी टीम एक सालों से बंद पड़े स्कूल में घुसते हैं. वीडियो कहां का है ये तो नहीं पता, पर वो काफी हैरान करने वाला है. लड़के बताते हैं कि वो कहीं घूमने निकले थे, जब उन्हें ये खाली पड़ा स्कूल नजर आया. अंदर जाकर उन्हें स्कूल का एक हिस्सा दिखा, जो कुर्सियों और मेज से बंद कर दिया गया. उसे हटाकर वो उस हिस्से में चले गए. उस हिस्से में अंदर जाकर कैंटीन दिख रही थी. उसी हिस्से में लड़कों को छत पर एक खुला हिस्सा नजर आया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 8 जनवरी, 2025 3

सुविचार: सुबह की नींद इंसान के इरादों को क़मज़ोर कर देती है मंज़िलों को हासिल करने वाले कभी देर तक सोया नहीं करते।

नागार्जुन सागर बांध को मजबूत करने के उपाय जारी : उत्तम

मंत्री ने नागार्जुन सागर परियोजना पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना सरकार नागार्जुन सागर बांध को मजबूत करने के उपायों को लागू कर रही है जबकि इसके आयाकट का विस्तार कर रही है। उन्होंने मंगलवार को जलासौधा में आयोजित नागार्जुन सागर परियोजना पर एक समीक्षा बैठक के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को एनएसपी और इसके नहर नेटवर्क के मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने नलगोंडा जिला कलेक्टर से जिले में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने का भी आग्रह किया। समय पर पूरा होने के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने कहा कि भूमि अधिग्रहण को परियोजना की प्रगति में बाधा नहीं बनना चाहिए और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता माना जाना चाहिए।

उत्तम कुमार रेड्डी ने यह भी बताया कि लगभग 334 लिफ्ट सिंचाई योजनाएं हैं, जो पूरी तरह से चालू हैं या आंशिक रूप से कार्यात्मक हैं, जिनका संयुक्त अयाकट 469,138 एकड़ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन सभी परियोजनाओं को उनकी पूरी क्षमता तक बहाल करने को प्राथमिकता दें, जिसमें फंड आवंटन और कार्यान्वयन के मामले में छोटी लिफ्ट सिंचाई योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि, जहां प्रमुख सिंचाई योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण पूंजी निवेश और आवर्ती लागत की आवश्यकता होती है, वहीं छोटी योजनाओं के लिए तुलनात्मक रूप से कम धन और रखरखाव लागत की आवश्यकता होती है, जबकि बेहतर लागत-लाभ अनुपात प्रदान करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों की सेवा करने में छोटी योजनाएं अधिक प्रभावी हैं और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 469,138 एकड़ के अयाकट को प्राप्त करने के लिए आवश्यक मरम्मत और संबंधित कार्यों को प्राथमिकता देकर सुनिश्चित करें कि वे पूरी तरह से कार्यात्मक हैं। बैठक में पूर्व मंत्री के. जन रेड्डी, नलगोंडा के सांसद के. रघुवीर रेड्डी, विधायक जयवीर रेड्डी, सिंचाई विभाग के प्रधान सचिव राहुल बोज्जा, विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल, आर एंड आर आयुक्त विनय कृष्ण रेड्डी, ईएनसी अनिल, ईएनसी (ओ एंड एम) विजय भास्कर रेड्डी, सलाहकार पेंटा रेड्डी, डिप्टी ईएनसी के. श्रीनिवास, नलगोंडा सीई अजय कुमार, एसई के. श्रीधर और अन्य अधिकारी शामिल हुए। मंत्री ने अधिकारियों को नेल्लिकल लिफ्ट सिंचाई योजना के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया, जो नागार्जुन सागर जलाशय से पानी प्राप्त करती है। 664.80 करोड़ रुपये की अनुमानित इस योजना का लक्ष्य लगभग 24,624 एकड़ में सिंचाई प्रदान करना है। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को परियोजना को दो चरणों में विभाजित करने और आगामी खरीफ सीजन तक 7,600 एकड़ सिंचाई के लिए चरण-I के पूरा होने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यह भी निर्णय लिया गया कि उच्च स्तरीय नहर और निम्न स्तरीय नहर के बीच एक संपर्क नहर का निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जाएगा, जो नलगोंडा ज़िले के मेदावार्म, पोथुनूर, संगाराम, पेद्दावूरा और थुगाथुर्थी जैसे तालाबों से होकर गुजरेगी। 0-15,000 किमी तक फैली और 62.26 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए आवश्यक 65.02 एकड़ भूमि में से 43.31 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया है। मंत्री ने अधिकारियों को निविदाएं जारी करने और परियोजना को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सरकार एएमआर एसएलबीसी परियोजना के तहत निम्न स्तरीय नहर की वितरिकाओं के लिए सीमेंट कंक्रीट (सीसी) लाइनिंग का भी कार्य करेगी। कटाव, गाद जमा होने और वनस्पति वृद्धि के कारण पानी प्रभावी रूप से अंतिम छोर के क्षेत्रों तक नहीं पहुंच रहा है, जिससे दरारें और जलभराव हो रहा है। इन मुद्दों के समाधान और नहर की हाइड्रोलिक दक्षता में सुधार करने के लिए, 42.26 करोड़ रुपये की लागत से 90.43 किलोमीटर की कुल नहर लंबाई को कवर करते हुए, डी1 से डी27 तक वितरिकाओं पर 60 मिमी मोटाई की सीसी लाइनिंग लागू की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द काम शुरू करने के लिए मंजूरी प्राप्त करने का निर्देश दिया। मंत्री ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए अनुमलवारीगुडेम गांव के पास शशिलेरु वागु में एक चेक डैम के निर्माण को मंजूरी दी और अधिकारियों को 39 आईडीसी लिफ्टों की मरम्मत और पुनरुद्धार के लिए अनुमान तैयार करने का निर्देश दिया।

मेट्रो डीपीआर मार्च के अंत तक पूरी हो जानी चाहिए : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने मेट्रो विस्तार, रेडियल सड़क निर्माण की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को फ्यूचर सिटी, शमीरपेट और मेडचल मेट्रो लाइनों के लिए विस्तृत योजनाओं (डीपीआर) को मार्च के अंत तक पूरा करने का निर्देश दिया है। सीएम ने सुझाव दिया कि तीनों महानगरों की डीपीआर को केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद अप्रैल के अंत तक टेंडर मंगाए जाएं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार शाम अपने आवास पर हैदराबाद शहर में मेट्रो विस्तार, रेडियल सड़कों के निर्माण और एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण पर समीक्षा की। सीएम ने सुझाव दिया कि राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट-फ्यूचर सिटी मेट्रो (40 किमी), जेबीएस-समीरपेट मेट्रो (22 किमी) और पैराडाइज-मेडचल मेट्रो (23 किमी) लाइनों के संबंध में भूमि अधिग्रहण तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। एलिवेटेड कॉरिडोर के मामले में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। एलाइनमेंट बनाते समय मैदानी स्तर पर ही व्यापक परीक्षण किया जाना चाहिए। सीएम ने सुझाव दिया कि मेडचल रोड पर एनएच रूट पर मौजूदा तीन फ्लाईओवर को ध्यान में रखते हुए मेट्रो लाइन बनाई जानी चाहिए। सीएम ने अधिकारियों को एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि शमीरपेट और मेडचल मेट्रो एक ही स्थान पर शुरू हों। वहां उन्नत सुविधाएं होनी चाहिए और भविष्य की जरूरतों के लिए एक विशाल जंक्शन स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे जंक्शन का विकास ऐसा होना चाहिए ताकि वहां सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं और उन इलाकों के लोगों को शहर आने की जरूरत न पड़े। सीएम ने जंक्शन के लिए पूरी योजना तैयार करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि रेडियल सड़कों का निर्माण हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) के तहत किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, राज्य सरकार के सलाहकार (बुनियादी बुनियादी ढांचे) श्रीनिवास राजू, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजित रेड्डी, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव दानकिशोर, हैदराबाद मेट्रो रेल के एमडी एनवीएस रेड्डी, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, प्रमुख कार्यक्रम आयुक्त शशांक और अन्य ने भाग लिया।

बीआरएस ने चोप्पाडांडी में कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया

करीमनगर, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को राज्य सरकार द्वारा रैतु भरोसा के तहत 15,000 रुपये प्रति एकड़ देने के वादे के बजाय केवल 12,000 रुपये देने के फैसले के खिलाफ चोप्पाडांडी में विरोध प्रदर्शन किया। चोप्पाडांडी प्रभारी और पूर्व विधायक सनके रविशंकर के नेतृत्व में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने मुख्य सड़क पर बैठकर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारे लगाए। रविशंकर ने मांग की कि रेवंत रेड्डी को रैतु भरोसा के तहत प्रति एकड़ 15,000 रुपये देने के अपने वादे से मुकर कर कृषक समुदाय के साथ विश्वासघात करने के लिए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

एचएमपीवी पर जागरूकता अभियान आयोजित

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र ने परिसर में मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में आज जागरूकता अभियान शुरू किया।

कुलपति प्रो.बी जे राव ने विश्वविद्यालय समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इस संबंध में एक पोस्टर जारी किया और विश्वविद्यालय समुदाय को इस संबंध में सभी संभावित एहतियाती उपाय करने की सलाह दी।

डॉ. देवेश निगम, रजिस्ट्रार ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य केंद्र को सभी हितधारकों को लक्षणों और बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत कराते हुए परिसर में संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया।

केटीआर फॉर्मूला ई मामले से भागने की कोशिश कर रहे हैं : कांग्रेस

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने बीआरएस विधायक के.टी. रामाराव की आपराधिक याचिका को खारिज करने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है, जिन्होंने बीआरएस शासन के दौरान आयोजित फॉर्मूला ई रेस से संबंधित धन के कथित दुरूपयोग को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की थी। कांग्रेस नेताओं ने फॉर्मूला ई कार रेस मामले में केटीआर के रुख की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह जांच का सामना करने के बजाय मामले से भागने की कोशिश कर रहे हैं। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव (जिन्होंने मंगलवार को कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया) ने सवाल उठाया कि केटी रामाराव अदालत क्यों गए, जबकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया था। उन्होंने सुझाव दिया, हम चाहते हैं कि केटीआर फॉर्मूला रेस मामले का सामना करें। उन्हें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच में सहयोग करना चाहिए और जांच एजेंसी के समक्ष पेश होना चाहिए।

मंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी तेलंगाना के राजनीतिक मानचित्र से पहले ही गायब हो चुकी है और पार्टी का सत्ता में वापस आना एक सपना बनकर रह जाएगा। कांग्रेस एमएलसी बालमूर वेंकट ने आरोप लगाया कि संभावना है कि केटीआर दूसरे देशों में भाग सकते हैं और एसीबी अधिकारियों को उनका पासपोर्ट जब्त कर लेना चाहिए। कांग्रेस एमएलसी ने कहा, अगर केटीआर ने कुछ भी गलत नहीं किया है, तो बीआरएस विधायकों को सोचना चाहिए कि उनके पास कानूनी टीम क्यों है।

जनता का 55 करोड़ रुपये का पैसा सरकारी संपत्ति है। एक जिम्मेदार विधायक के तौर पर केटी रामाराव को साबित करना चाहिए कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। इस बीच, सरकारी सचेतक आदी श्रीनिवास ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला केटी रामाराव के मुंह पर तमाचा है और बीआरएस को डर है कि केटीआर जल्द ही जेल जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव केटी रामाराव पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

जब बीआरएस पार्टी सत्ता में थी, तब तत्कालीन टीपीसीसी अध्यक्ष और वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ सौ से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। क्या वे सभी मामले सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए दर्ज किए गए थे।

नकीरेकल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक अन्य कांग्रेस विधायक वेमुला वीरेशम ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बारे में गैरजिम्मेदाराना तरीके से बोल रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि केटीआर का जेल जाना तय है। वेमुला वीरेशम ने कहा, कैबिनेट की मंजूरी के बिना मौखिक रूप से 55 करोड़ रुपये कैसे हस्तांतरित किए जा सकते हैं। यह स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है कि केटीआर ने गलती की है और वह जांच एजेंसियों से बचने की कोशिश कर रहे हैं।

मेरी वापसी असफलताओं से ज़्यादा शक्तिशाली होगी : केटीआर

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक सनसनीखेज ट्वीट पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी वापसी उन असफलताओं से ज़्यादा शक्तिशाली होगी जिनका वे सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं जो कह रहा हूं उसे लिख लें! मेरी वापसी किसी भी असफलता से ज़्यादा शक्तिशाली होगी। झूठ मुझे तोड़ नहीं सकता। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरों द्वारा की गई टिप्पणियों से वे पीछे नहीं हटेंगे। केटीआर ने कहा कि उनके राजनीतिक विरोधियों की हरकतें उनके नज़रिए को धुंधला नहीं कर सकतीं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों से वे चुप नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि आज की बाधाएं कल की सफलता का मार्ग प्रशस्त करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ सच्चाई सामने आएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे न्यायपालिका का सम्मान करते हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि न्याय की जीत होगी। उन्होंने कहा कि सच्चाई के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी और कहा कि दुनिया को जल्द ही यह पता चल जाएगा। केटीआर ने ये टिप्पणियां तेलंगाना उच्च न्यायालय में मिले झटके के बाद की हैं। उन्होंने फॉर्मूला ई कार रेस मामले में एसीबी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग करते हुए एक क्वैश याचिका दायर की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसे खारिज कर दिया।

इलेक्ट्रीशियन की करंट लगने से मौत

भूपालपल्ली, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोथापल्ली गांव में मंगलवार सुबह बिजली की मोटर की मरम्मत करते समय 50 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन की करंट लगने से मौत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, नालुका रवि कोथापल्ली गांव के मोरंचा वागु में एक मोटर की मरम्मत करने गया था और जब वह मोटर की मरम्मत कर रहा था, तो उसे बिजली का झटका लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

नाम में बदलाव

मैं, अधोहस्ताक्षरकर्ता **के. चिन्नम्मडु** (पुराना नाम) धर्मपत्नी कंदीबोर्रा अप्पल नायुडू, अक्कीवरम विलेज एंड पोस्ट, डेन्कडा मंडल, विजयनगरम जिला-535216, आं.प्र. निवासी ने, मेरा नाम बदलकर **कंदीबोर्रा चिन्नम्मडु** (नया नाम) किया है तथा अबसे मुझे सभी उध्देश्यों के लिए, कंदीबोर्रा चिन्नम्मडु धर्मपत्नी कंदीबोर्रा अप्पला नायुडू के नाम से जाना जाएगा।

वैकुंठ एकादशी के लिए मंदिरों में तैयारी शुरू

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों के मंदिरों ने 10 जनवरी को वैकुंठ एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और धार्मिक श्रद्धा के साथ विशेष अनुष्ठान आयोजित करने की तैयारी शुरू कर दी है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा हिमायतनगर और जुबली हिल्स स्थित प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिरों में विस्तृत व्यवस्था की जा रही है। टीटीडी का मुख्य प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि दोनों मंदिरों में आने वाले 25,000 से 35,000 भक्तों को बिना किसी परेशानी के वैकुंठद्वार दर्शन का अवसर मिले। दोनों टीटीडी मंदिरों में पीने के पानी और प्रसाद के सुचारू वितरण के लिए पर्याप्त काउंटर जैसी गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने के प्रयास जारी हैं।

श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर, यादगिरिगुट्टा और महा राजगोपुरम में मुख्य दर्शन कार्यक्रम में भी आवश्यक व्यवस्थाएं चल रही हैं। इसी तरह, चिलकुर बालाजी मंदिर, बिड़ला मंदिर, अलवाल में बालाजी मंदिर और अन्य विष्णु मंदिरों को वैकुंठ एकादशी से पहले सजाया जा रहा है।

हरे कृष्ण आंदोलन (एचकेएम) ने बंजारा हिल्स स्थित हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर में वैकुंठ एकादशी के भव्य समारोह के सुचारू संचालन के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए हैं। विशेष वैकुंठ द्वारम दर्शन शुक्रवार को सुबह 5 बजे से शुरू होगा और शाम तक जारी रहेगा।

एचकेएम ने वैकुंठ एकादशी के अवसर पर भक्ति कार्यक्रमों, अनुष्ठानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला भी आयोजित की है। सिकंदराबाद और अबिड्स में दो प्रमुख इस्कॉन मंदिरों में भक्तों के लिए उचित सुविधाएं और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्था भी की जा रही है।

दो महीने के बच्चे को रेलवे ट्रैक पर छोड़ा

पेड्डापल्ली, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को पेद्दापल्ली के पास रेलवे ट्रैक पर दो महीने का बच्चा लावारिस हालत में मिला। बच्चे को लेवल क्रॉस गेट के पास पटरियों के बीच में छोड़ दिया गया था। स्थानीय लोगों ने बच्चे को पाया और पुलिस को सूचना दी। रामागुंडम रेलवे सीआई बी नरेश गौड़ और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बच्चे को मेडिकल जांच के लिए पेड्डापल्ली सरकारी अस्पताल पहुंचाया। बच्चे की हालत स्थिर है। पुलिस जांच कर रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया, जो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनके पार्टी कार्यालय पर हमले के विरोध में गांधी भवन में प्रदर्शन कर रहे थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं को उस समय हिरासत में ले लिया गया जब वे गांधी भवन के सामने प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। गांधी भवन में बड़ी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ताओं को भवन में घुसने से रोक दिया और उन्हें शहर के विभिन्न पुलिस थानों में स्थानांतरित कर दिया।

भाजपा युवा मोर्चा के नेता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में एकत्र हुए और गांधी भवन का घेराव करने की कोशिश की। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए और भाजपा प्रदेश कार्यालय पर हमले की निंदा की। उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय पर पथराव भी किया और कांग्रेस नेताओं के फ्लेक्स फाड़ दिए।

भाजपा कार्यकर्ता सुबह-सुबह भाजपा कार्यालय पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले का जवाब दे रहे थे। पुलिस को भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस कार्यालय से दूर रखने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जब भगवा पार्टी के नेताओं ने जगह खाली करने से इनकार कर दिया तो पुलिस को स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

हरि ॐ हरि ॐ

प्रथम पुण्यतिथि

स्व.श्री भीमसिंहजी राठौड़ (कुशीप)

पूर्व अध्यक्ष श्री राजस्थानी राजपूत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना)

सुपुत्र : स्व. श्री जीवराजसिंहजी राठौड़

स्वर्गवास: 08.01.2024

यादों में केवल आप हो, नयनों में पावन स्वरूप।
श्रद्धा सुमन समर्पित मन से, शब्द नहीं अनुरूप।।

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता: गिरधारीसिंहजी (काकोसा), भीकसिंह, उत्तमसिंह, छतरसिंह, जबरसिंह, विजयसिंह, अर्जुनसिंह, दीपसिंह, मदनसिंह, महेन्द्रसिंह (भाई), हडमतसिंह, महावीरसिंह (पुत्र), नरपतसिंह, वागसिंह (भतीजा), गणपतसिंह, सूरजपालसिंह, कल्याणसिंह, गजेन्द्रसिंह, श्रवणसिंह, भवानीसिंह, नेपालसिंह, गोपालसिंह, श्यामसिंह, कीर्तीवानसिंह (अनुज पुत्र), अभिमन्यु, भान्नु, प्रथम, अनिरुध (अनुज पौत्र) एवं समस्त मूपा राठौड़ परिवार कुशीप

निवास: 5-1-97, 99 पुरानी घासमण्डी, सिकंदराबाद

सम्पर्क: 9440558320, 7032711997, 8341357773

P.Solankey

क्या गवर्नमेंट डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं?

इलाहाबाद एचसी ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को यह निर्देश दिया है कि वह राज्य संचालित विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में नियुक्त चिकित्सकों द्वारा निजी नर्सिंग होम में प्रैक्टिस करने के मामले की जांच करे। यह आदेश अदालत ने 2 जनवरी 2025 को दिया। अदालत ने प्रमुख सचिव (चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य) को यह सूचित करने का निर्देश भी दिया कि क्या प्रयागराज स्थित मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ। अरविंद गुप्ता को एक निजी नर्सिंग होम में 'प्रैक्टिस' करने का अधिकार है या नहीं। यह आदेश डॉ। अरविंद गुप्ता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें उन्होंने खुद को और अपनी कार्यशैली को लेकर लगाए गए आरोपों का खंडन किया। याचिका में डॉ। गुप्ता के खिलाफ आरोप लगाए गए थे कि उन्होंने प्रयागराज के एक निजी नर्सिंग होम 'फीनिक्स अस्पताल' में मरीजों का गलत इलाज किया। शिकायतकर्ता, रूपेश चंद्र श्रीवास्तव ने उपभोक्ता फोरम में इस मामले की शिकायत की थी। श्रीवास्तव का आरोप था कि डॉ। गुप्ता ने उनके और उनकी पत्नी का गलत इलाज किया। हालांकि, डॉ। गुप्ता के वकील ने कहा कि जिला उपभोक्ता फोरम ने इस मामले में कोई आदेश पारित नहीं किया और यह मामला सीधे राज्य उपभोक्ता फोरम के पास गया। यह मामला मात्र 1,890 रुपये से जुड़ा है और राज्य उपभोक्ता फोरम में संज्ञेय अपराध नहीं है।

निजी प्रैक्टिस के अधिकार को लेकर सवाल

अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में नियुक्त प्रोफेसरों और चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस के अधिकार को लेकर सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि यह महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या डॉ। अरविंद गुप्ता जैसे सरकारी सेवा में कार्यरत चिकित्सक एक निजी नर्सिंग होम में इलाज कर सकते हैं या नहीं। अदालत ने यूपी सरकार से यह जांच करने को कहा कि क्या अन्य राज्य संचालित मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सक भी निजी नर्सिंग होम में प्रैक्टिस कर रहे हैं? अदालत ने यह भी आदेश दिया कि याचिकाकर्ता के वकील अगली सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट करें कि डॉ। गुप्ता ने फीनिक्स अस्पताल में शिकायतकर्ता का इलाज कैसे किया। मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी 2025 को होगी।

थाना प्रभारी पर एक लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप, डीआईजी ने दिए जांच के आदेश

आजमगढ़ , 5 जनवरी (एजेंसियां)। आजमगढ़ के अहरौला थाना क्षेत्र के मड़ना गांव में एक नवनिर्मित दीवार को तोड़े जाने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में कई दिन पहले निर्माण की गई दीवार के टूटे होने के दृश्य नजर आ रहे हैं। रामसूचित मौर्य अहिरौला थाने के चौकीदार हैं, इनका जमीनी विवाद बगल के रमेश गौड़ के परिवार से बताया गया है। पीड़ित के अनुसार एसडीएम के निर्देश पर राजस्व टीम के द्वारा ज़मीन की माप की गई थी। चिन्हित जमीन पर रामसूचित मौर्य व भाई राम सम्हार मौर्य के 29 दिसंबर को पुलिस बल की मौजूदगी दीवार बनवाई गई थी। इसे दोपहर में विपक्षियों द्वारा गिरा दिया गया। दीवार गिराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित का आरोप है पुलिस को फोन करते रहे लेकिन पुलिस जब दीवार पूरी तरह से गिरा दी गई तो उसके बाद खाना पूर्ति करने पहुंची। विरोध करने पर दबंगों ने राम सूचित मौर्य, इनकी पत्नी सुनरी देवी, सुनीता को ईंट पत्थर से हमला करर घायल कर दिया। पीड़ितों का आरोप है कि यह सब पुलिस की मिली भगत से विपक्षियों ने किया है।

मानवता शर्मसार, पोस्टमार्टम हाउस के बाहर शव को जमीन पर घसीटने का वीडियो वायरल

झांसी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के झांसी में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां पोस्टमार्टम हाउस के बाहर एक शव के साथ अमानवीयता हुई है। एक वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि 2 लोग एक शव के पैर में कपड़ा बांधकर उसे घसीटते हुए ले जा रहे हैं। 9 सेकेंड के वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि शव के पैरों पर कपड़ा बंधा हुआ है और दो लोग उस कपड़े के सहारे शव को जमीन पर घसीटते नजर आ रहे हैं। बता दें कि पोस्टमार्टम कराने की एक प्रक्रिया है। इसके लिए पुलिस व्यवस्था में शव को सीलबंद कर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया जाता है और पोस्टमार्टम के बाद शव को सीलबंद कर पुलिस के सुपुर्द या परिजनों के सुपुर्द किया जाता है। इस वीडियो को देखने के बाद हर किसी के होश उड़ गए। सभी का कहना है कि शव के साथ कोई इस तरह की अमानवीयता कैसे कर सकता है? शव को भी सम्मान के साथ अंतिम प्रक्रिया तक पहुंचने का हक होना चाहिए। लेकिन वीडियो में लोग जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं,

सपा सांसद से 1.60 करोड़ की ठगी: जिस जमीन पर लिया कर्ज उसे ही बेच दिया, टैक्स भी नहीं चुकाया

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ से सपा सांसद व लखनऊ पब्लिक स्कूल (एलपीएस) के प्रबंधक डॉ. एसपी सिंह से आलमबाग के आनंद नगर निवासी भूमिका कक्कड़ ने जमीन और दो दुकानों के नाम पर 1.60 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर आलमबाग पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। एसपी सिंह के मुताबिक आनंद नगर में स्कूल की एक शाखा है। इससे सटी जमीन पर भूमिका कक्कड़ व उसके चाचा विनोद कुमार की हिस्सेदारी थी। जमीन पर भूमिका और उसकी बहन शिल्पी की दुकानें भी बनी थीं। जमीन व दुकानों का सौदा 2.80 करोड़ में तय हुआ था। भुगतान करने पर तीनों ने उनके नाम रजिस्ट्री कर दी थी। भूमिका को अपने हिस्से के 1.60 करोड़ मिले थे। उसने दो दुकानें खाली करने के लिए एक माह का समय मांगा था। इस बीच पीड़ित को पता चला कि भूमिका की जमीन का 24 हजार रुपये कर बकाया था। ऐसे में जमीन व उससे सटे स्कूल के हिस्से को भी नगर निगम ने सील कर दिया था। पीड़ित ने जब कर चुकाया तो पता चला कि भूमिका ने जमीन पर 2019 में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया होम फाइनेंस शाखा स्टेशन रोड से कर्ज भी लिया था। इसकी जानकारी किस्त न भरने पर बैंक कर्मियों के आने पर हुई। जब आरोपी से पूछताछ करनी चाही तो भूमिका फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगी। इंस्पेक्टर कपिल गौतम के मुताबिक मामले की तफ्तीश चल रही है।

किशोरी को साउंड बॉक्स में बंद किया

आरोपी युवक ने जड़ी कीलें, मां ने कहा- रेप किया जान से मारने की धमकी दी; एफआईआर दर्ज

उन्नाव, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उन्नाव में 17 साल की लड़की से छेड़खानी हुई। विरोध करने पर लड़की को स्पीकर के साउंड बॉक्स में बंद कर दिया। चारों तरफ कीलें ठोक दीं। उसकी चीख सुनकर लोग पहुंच गए। बॉक्स से कीलें निकालीं। लड़की तब तक बेहोश हो गई थी। उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए। घटना उस वक्त हुई, जब लड़की सहेली के घर जा रही थी। आरोपी ने उसे बहला कर स्पीकर बनाने वाली फैक्ट्री में ले गया और यह हरकत की। आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। लड़की की मां ने रेप का आरोप लगाया। कहा- आरोपी ने बेटी के साथ रेप किया। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी। मामला बालूघाट चौकी इलाके की है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम लड़की घर से जा रही थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला युवक उसे बहलाकर कारखाने में ले गया। किशोरी आरोपी को जानती थी, इसलिए बिना किसी शक के अंदर चली गई। आसपास के लोगों ने लड़की को कारखाने में जाते हुए देख लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, थोड़ी देर में लड़की के चीखने की आवाज आई। हम लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। खुद को फंसता देख आरोपी घबरा गया। वह फरार हो गया। देखा तो किशोरी साउंड बॉक्स में बंद थी। आरोपी ने ऊपर से लोहे की कीलें जड़ दी थीं। हम लोगों ने बॉक्स से कीली निकालीं। लड़की बॉक्स में बेहोश पड़ी थी। उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया है। लड़की के घरवालों और पुलिस को सूचना दी गई। मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। एफआईआर में मां ने आरोप लगाया है कि आरोपी पड़ोस में ही रहता है। बेटी उसे जानती थी। इस भरोसे का फायदा उठाकर बेटी को कारखाने में ले गया। उसके साथ दुष्कर्म किया। बचने के लिए चीखी चिल्लाई तो मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। यह बात किसी को पता न चले, इसलिए मारने की नीयत से उसने बेटी को साउंड बंद कर कीलें ठोंक दीं। समय पर लोग न पहुंचे तो बेटी की मौत हो जाती। इंस्पेक्टर गंगा घाट अनुराग सिंह ने बताया- आरोपी और लड़की एक-दूसरे के परिचित हैं। आरोपी के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की कोशिश, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी फरार है। उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

जिम-पूल और योगा सेंटर में तैनात होंगी महिला ट्रेनर प्रशासन ने दिए निर्देश

गौतमबुद्ध नगर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने महिला आयोगी की सिफारिश पर बड़ा कदम उठाया है। प्रशासन की तरफ जारी निर्देश के अनुसार, नोएडा समेत पूर जिले में जिम, स्विमिंग पूल और योग केंद्रों के लिए महिला ट्रेनर को को नियुक्त किया जाएगा। प्रशासन ने महिला ट्रेनर की नियुक्ति को अनिवार्य कर दिया है। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की एक सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए, नोएडा प्रशासन ने शहर के सभी जिम, स्वीमिंग पूल और योग केंद्रों के लिए महिला ट्रेनर को नियुक्त करना अनिवार्य कर दिया है जो वहां पहले से कार्यरत पुरुष ट्रेनर के साथ काम करेंगी। इसको लेकर जिला प्रशासन ने खेल विभाग को निर्देश जारी किया है। वहीं महिला आयोग की तरफ से सरकार को जो प्रस्ताव दिया गया था, उनमें स्कूल बसों में महिला कर्मचारी, डांस ट्रेनर के रूप में महिलाएं, बुटीक में दर्जी और कपड़े बेचने वाली दुकानों में महिलाएं शामिल हैं। आयोग पहले ही कह चुका है कि ये कार्यस्थल के साथ-साथ महिलाओं को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक हैं।

भीषण शीतलहरी में लोग सुबह-सुबह घरों से निकले, भूकंप के झटके से डर गए

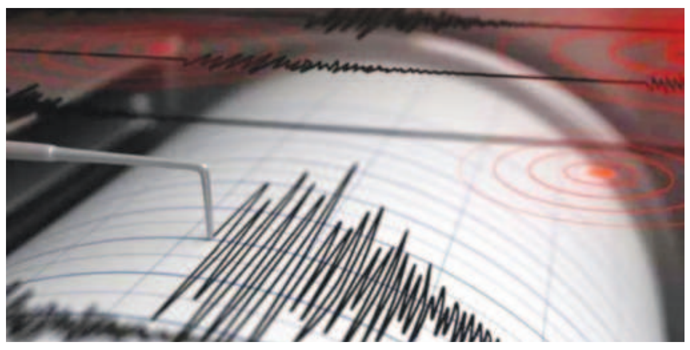

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां लोग भूकंप का झटका महसूस कर घरों से बाहर निकल भागे। पटना समेत कई जिलों में लोगों ने यह झटका ज्यादा महसूस किया। आज सुबह करीब 6:38 के करीब लोगों को भूकंप के झटका महसूस हुआ। इस दौरान लोग काफी डर गए। भूकंप का झटका महसूस होते ही अधिकतर लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। पटना में भूकंप का झटका करीब 30 सेकंड तक महसूस किया गया। पटना के अलावा मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, सीवान, समस्तीपुर, मुंगेर, किशनगंज, वैशाली समेत अन्य शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

मधुबनी संवाददाता के अनुसार, सुबह होने के कारण भूकंप को ज्यादातर लोग समझ नहीं पाए लेकिन जो जाग गए थे या बिछावन हिलने से जागे, वह तुरंत घर से बाहर भागे। महिलाओं में काफी डर समाया हुआ है। भूकंप के आधे घंटे बाद भी लोग घर से बाहर हैं। लोगों को घरों के अंदर अपने बिछावन के ऊपर टंगा पंखा झूलते देखा, जिससे डर समाया हुआ है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, तिब्बत के जिजांग इलाके में जमीन के अंदर करीब 10 किमी भूकंप का केंद्र था। इस समय मंगलवार सुबह 6:35 बजे था। इसके बाद नेपाल और बिहार में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि बिहार में अब तक कहीं से कोई नुकसान की खबर नहीं आई है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। इधर, पटना के गर्दनीबाग निवासी सुनील वर्मा में बताया कि सुबह परिवार के साथ चाय पी रहा था अचानक कंपन महसूस हुई। छत की ओर देखा तो पंखे को हिलते हुए पाया। इसके बाद फौरन घर से बाहर निकलकर सड़क पर गया। हाड़ कंपा देने वाली ठंड में भी कई लोग सुबह सुबह अपने घरों से बाहर निकले दिखे। इस सभी ने भूकंप के झटके महसूस किए थे।

दरभंगा में 15 सेकेंड तक हिलती रही धरती

दरभंगा जिले में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए है। बताया जाता है कि लगभग 15 सेकेंड तक धरती हिली है। अहले सुबह कई लोगों भूकंप के झटके महसूस हुए तो लोग अपने घर से बाहर निकल एक दूसरे को बताने के लिए सोर मचाने लगे। झटके महसूस करने वाले दीपक चौधरी ने बताया कि उन्हें सुबह सुबह तेजी से झटके महसूस हुए तो उन्होंने अपने घर मे सो रहे लोगों को जगाते हुए घर से बाहर निकल आए। इसी दौरान बाहर कुछ लोग भी निकल कर भूकम्प के झटके महसूस होने की बात कर रहे थे। तब जाकर उनकी भी आशंका खत्म हो सकी।

सीएम योगी मिल्कीपुर में एक बार फिर भरेंगे हुंकार, सभा को करेंगे संबोधित; 7 मंत्रियों का चक्रव्यूह भी किया तैयार

अयोध्या, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या को समाहित किए फैजाबाद संसदीय क्षेत्र की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उप चुनाव की तिथि भले ही अभी घोषित नहीं हुई, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव की घोषणा से पहले ही मिल्कीपुर को मथ लेना चाह रहे हैं। इसी क्रम में वह बुधवार को पांचवीं बार मिल्कीपुर आएंगे। वह हरिंग्टनगंज बाजार में पलिया चौराहे के निकट मैदान में दोपहर 12 बजे सभा करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने सात मंत्रियों का चक्रव्यूह भी तैयार कर दिया, जिसे भेदने के लिए सपा को भी एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यहां का दायित्व संभाल रहे मंत्रीगण भी मिल्कीपुर में अलग-अलग वर्गों के लोगों को साधने में जुटे हैं। इससे पहले सीएम शनिवार को भी यहां आए थे। उन्होंने कृषि विवि के सभागार में सांगठनिक समीक्षा की थी, जिसमें सीएम ने मंडल, शक्ति केंद्रों और बूथ इकाइयों में ज्यादा से ज्यादा मत प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा का मंत्र भी दिया था। प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, खेल मंत्री गिरीशचंद्र यादव, खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर भी मिल्कीपुर में अलग-अलग वर्गों के लोगों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि उप चुनाव की तैयारी में कहीं भी कोई सुराख न रहे। संगठन की ओर से विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह और अवनीश पटेल भी मिल्कीपुर में लगातार पसीना बहा रहे हैं। सोमवार को मंडलायुक्त गौरव दयाल व पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने सभास्थल का निरीक्षण किया। वहीं सभा के संयोजक व पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल कहते हैं, मिल्कीपुर भाजपा के अभेद्य दुर्ग के रूप में स्थापित हो चुका है।

मंत्री ने की तैयारी बैठक

संवाद सूत्र, मिल्कीपुर (अयोध्या)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बुधवार को होने वाली सभा को लेकर खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने भाजपा पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और कोटेदारों के साथ बैठक की। राज्य मंत्री ने कहा कि सबका लक्ष्य भाजपा को मजबूत करना है। उन्होंने ग्राम प्रधानों, कोटेदारों और ग्रामीणों से सभा में सम्मिलित होने का आह्वान किया। बैठक में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, उपाध्यक्ष कृष्णकुमार पांडे खुन्नू, जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा, बब्लू पासी, श्यामनारायण पाठक, बब्बू पांडे आदि उपस्थित रहे।

सुबह-सुबह एनकाउंटर, पुलिस ने दो डकैतों को मार गिराया; दारोगा बुरी तरह घायल

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के फुलवारीशरीफ के हिंदू निगम इलाके में सुबह-सुबह डकैतों व पुलिस के बीच मुठभेड़ में दो डकैत मारे गए। वहीं डकैतों की गोली से एक दारोगा घायल हो गए। घायल दारोगा को पटना एम्स में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। घायल दारोगा की पहचान गौरीचक थाना में पदस्थापित विवेक कुमार के रूप में हुई है। वहीं दो डकैतों की पहचान नालंदा निवासी मेमो और विवेक के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान आधा दर्जन की संख्या में रहे डकैत भाग निकले। बताया जाता है कि डकैतों को जब पुलिस ने घेराबंदी की तो ये लोग पुलिस पर अंधाधुंध गोलियां चलाने लगे। डकैतों के द्वारा करीब 12 से 13 राउंड गोली पुलिस पर चलाई गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दो डकैतों को मार गिराया। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया, जो गोली लगने से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, चार अपराधी भागने में सफल हो गए। घटनास्थल से पुलिस ने बड़ी संख्या में गोलियों के खोखे और कई पिस्तौल बरामद किए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सिटी एसपी पश्चिम सरथ आरएस मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।उन्होंने बताया कि फरार अपराधियों की तलाश के लिए सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। पटना पश्चिम के एसपी सारथ आरएस ने कहा कि हमें पटना में कुछ स्थानों पर डकैती और ऐसी आपराधिक गतिविधियों की रिपोर्ट मिली थी और इसके लिए, हमने एक विशेष टीम का गठन किया था। कल, फुलवारीशरीफ में एक गिरोह के साथ हमारी मुठभेड़ हुई थी। उन्होंने हम पर गोलियां चलाईं और एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गया। उसका फिलहाल एम्स में इलाज चल रहा है। दो अपराधियों को भी गोली मार दी गई और उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य अपराधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जो नालंदा का रहने वाला है ऐसी आपराधिक गतिविधियों की किसी भी संभावना को खत्म करने के लिए जांच और तलाशी अभियान जारी है।

100 एनएसजी कमांडो ने संभाली महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था, स्पॉटर्स की 30 टीमें भी सक्रिय

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभनगर। महाकुंभ मेले में देश-विदेश से करीब 45 करोड़ (अनुमानित संख्या) श्रद्धालु, पर्यटक, स्नानार्थी, कल्पवासी तथा वीआइपी आने हैं। इनकी सुरक्षा को लेकर कई स्तर पर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। महाकुंभ की सुरक्षा में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) के 100 कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया है। एनएसजी की दो टीमें और आनी हैं। अत्याधुनिक हथियारों व संसाधनों से लैस एनएसजी के जवान महाकुंभ की सुरक्षा मजबूत करेंगे। इनके पास हेलीकॉप्टर भी है, जिससे किसी आपात स्थिति में तुरंत मदद को पहुंच सकेंगे। महाकुंभ में आतंकी गतिविधियों को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आतंकियों से निपटने में दक्ष एनएसजी की टीम को भी मेला क्षेत्र में लगाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि एनएसजी की दो टीमें आ गई हैं। दोनों टीमों में 50-50 कमांडो हैं। शेष दो टीमें भी जल्दी आ जाएंगी। एनएसजी के कमांडो ने संगम क्षेत्र, बड़े हनुमान मंदिर, अरैल, अखाड़ा, कल्पवासी और दूसरे प्रमुख स्थलों की निगरानी तेज कर दी है। महाकुंभ में एनएसजी की दो टीमें हेलीकॉप्टर के साथ आ गई हैं। इससे मेला क्षेत्र का सुरक्षा घेरा और मजबूत हुआ है। महाकुंभ मेला क्षेत्र की सुरक्षा में स्पाटर्स (खोजी या गुप्तचर) भी लगाए जा रहे हैं, जो संदिग्ध आतंकी को देखते ही उसे दबोच लेंगे। पूरे मेला क्षेत्र में स्पाटर्स की 30 टीमें तैनात की जा रही हैं। करीब 18 टीमें सक्रिय हो चुकी हैं। अभी तक जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से स्पाटर्स यहां पहुंचकर आतंकियों से जुड़े संदिग्ध व्यक्तियों की टोह लेने लगे हैं। अधिकारियों के अनुसार, ये स्पॉटर्स आतंकियों को जानने-पहचानने में माहिर होते हैं। उनके पास आतंकियों और उनके संगठनों से जुड़े लोगों को पूरा ब्यौरा भी इनके पास होता है।महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 70 से अधिक जिलों की फोर्स तैनात कर दी गई है। 15 हजार सिविल पुलिस के जवान महाकुंभ नगर के चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 400 महिला सुरक्षाकर्मी भी तैनात की गई हैं।

यूपी में एचएमपीवी वायरस की तैयारी को लेकर हेल्थ मिनिस्टर बोले- पैनिक करने की जरूरत नहीं

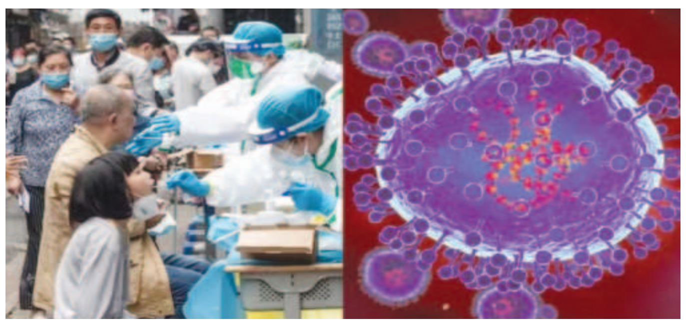

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कोविड महामारी के बाद देश में अब चीन से आए एक और एचएमपीवी वायरस का खतरा मंडरा रहा है। देश में एचएमपीवी के तीन मामले सामने आ चुके हैं, जिसे लेकर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार भी अलर्ट हो गई है। सीएम योगी ने इस वायरस से निपटने के लिए आज एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। जिसमें राज्य की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि सरकार पूरी तरह तैयार है किसी तरह का पैनिक नहीं है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एचएमपीवी वायरस को लेकर सरकार की तैयारियों पर जानकारी देते हुए कहा कि हम लोग एचएमपीवी वायरस को लेकर पूरी सतर्कता से आगे बढ़ रहे हैं। आज एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है कोई पैनिक जैसी स्थिति नहीं है। हर तरह की स्थिति से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है।

सीएम योगी की अध्यक्षता में बैठक

मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्ष में लखनऊ में एचएमपीवी वायरस को लेकर उच्चस्तरीय बैठक बुराई गई है। इस बैठक में स्वास्थ्य व अन्य विभागों के अधिकारी हिस्सा लेंगे और एचएमपीवी वायरस की रोकथाम पर मंथन करेंगे। इसके साथ ही स्वास्थ्य की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की जाएगी। सीएम योगी अधिकारियों को इस बीमारी से निपटने के लिए जरूरी दिशा निर्देश देंगे। बता दें कि एचएमपीवी वायरस की वजह से चीन में हालात काफी ख़राब हो गए हैं। वहीं पिछले दो दिनों में देश में भी एचएमपीवी के मामले सामने आए हैं, जिसके बाद से हड़कंप मच गया है। अभी तक जितने भी मामले सामने आए है उनमें सभी बच्चे हैं जिनकी उम्र 14 साल से कम है। ये बीमारी ज़्यादातर बच्चों और बुजुर्गों को अपना शिकार बनाती है। लोग इसकी तुलना कोविड 19 से कर रहे हैं जिसके बाद दहशत का माहौल बना हुआ है। हालांकि एक्सपर्ट का मानना है कि इस वायरस को लेकर ज्यादा घबराने की ज़रूरत नहीं है। कोविड प्रोटोकॉल फॉलो कर इससे बचा जा सकता है।

जेल में बंद अविवाहित युवती 25 दिन में हो गई गर्भवती, मचा हड़कंप

बस्ती, 5 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के बस्ती जनपद जेल से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां जेल में बंद अविवाहित युवती के 25 दिन में गर्भवती होने की पुष्टि हुई है। जिसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

प्रशासन की तरफ से गर्भवती महिला कैदी के देखरेख के लिए डॉक्टरों की टीम गठित कर दी गई है। सवाल ये हैं कि 25 दिन पहले ही जेल में निरुद्ध की युवती प्रेग्नेंट कैसे हो गई। इतना ही नहीं जब महिला कैदी को जेल में लाया जा रहा था तो मेडिकल टेस्ट में इस बात की जानकारी डॉक्टरों की टीम को क्यों नहीं हो पाई।

युवती को भूत-प्रेत के चक्कर में हुई मारपीट में गैर इरादतन हत्या के मामले में जिला कारागार में बंद किया गया था। जेल लाने से पहले उसकी मेडिकल जांच कराई गई थी, जिसमें युवती के गर्भवती होने की पुष्टि नहीं हुई थी। जेल अधीक्षक की सूचना पर सीएमओ ने मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच कराई। जांच में पता चला कि 22 वर्षीय युवती तीन महीने 12 दिन की गर्भवती है। इस बात की जानकारी लगने के बाद जेल में उसकी देखभाल के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक सप्ताह उसकी जांच और काउंसिलिंग के लिए डॉक्टर की व्यवस्था की गई है।

महिला कैदी ने गर्भवती होने की बात छिपाई

दरअसल बस्ती के कलवारी थाना क्षेत्र में गैर इरादतन हत्या के एक मामले में इस युवती के खिलाफ नामजद रिपोर्ट हुई थी। उसे 20 नवंबर 2024 को जेल भेजा गया। जेल अधीक्षक अंकेक्षिता श्रीवास्तव ने बताया कि युवती ने पेट में दर्द की शिकायत की तो जेल अस्पताल के डॉक्टर से जांच कराई गई।

जांच में संदेह होने पर उसे ओपेक हॉस्पिटल कैली भेजा गया। वहां अल्ट्रासाउंड जांच में युवती तीन माह 12 दिन की गर्भवती पाई गई।

लुधियाना में मंदिर में चोरी: मूर्तियां खंडित की, 40 किलो सोने-चांदी के आभूषण चुराए दो बदमाशों ने की वारदात

लुधियाना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। लुधियाना में माता के मंदिर में चोरी की घटना हुई है। सुनेत रणधीर सिंह नगर स्थित श्री प्राचीन शीतला माता मंदिर में चोरों ने आधी रात गेट का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने मंदिर से माता के आभूषण, मंदिर की समस्त चांदी और नकदी चोरी की है। इसके अलावा मूर्तियों को भी खंडित किया है। चोर मंगलवार-बुधवार आधी रात मंदिर में घुसे थे। मंदिर में सभी मूर्तियों के चांदी के मुकुट और अन्य आभूषण चोरी किए गए हैं। इसके अलावा माता की मूर्ति, शिवलिंग, गणेश जी की मूर्ति को खंडित किया है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि आधी रात दो नकाबपोश चोर मंदिर में घुसे थे। चोरों के पास लोहे की रॉड थी। लोहे की रॉड से चोरों ने मंदिर के गेट का ताला तोड़ा और जूतों के साथ मंदिर में दाखिल हुए। पुजारी के अनुसार चोरों ने मंदिर के 19 किलो चांदी का छत्तर, माता की सोने की नथ और करीब 40 किलो चांदी अन्य आभूषण चोरी किए हैं।

बाघिन और उसके बच्चों का रास्ता रोकने वाले मामले पर एचसी सख्त

राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस

नागपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में उमरेड-पावनी-करहंडला अभयारण्य में पर्यटकों द्वारा एक बाघिन और उसके पांच शावकों का रास्ता रोकने के मामले को बॉम्बे हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। अदालत की नागपुर बेंच ने राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नितिन सांबरे और न्यायमूर्ति वृषाली जोशी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दायर करने का आदेश दिया। साथ ही राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को दो दिन के भीतर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा है, जिसमें यह बताया जाए कि अब तक क्या कार्रवाई की गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। अदालत अब इस मामले में बुधवार को सुनवाई करेगी। यह घटना 31 दिसंबर 2024 की है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक पर्यटक वाहनों ने 31 दिसंबर को 'एफ2' नाम की बाघिन और उसके पांच शावकों को काफी देर तक घेरे रखा और उसकी फोटो ले रहे थे।

वन विभाग भी जांच में जुटा

घटना उमरेड-पवानी-करहंडला अभयारण्य के कुछ वन क्षेत्र में गोथनगांव सफारी रूट पर हुई। अखबारों में छपी खबर के आधार पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के प्रशासनिक जज नितिन सांबरे ने खुद जनहित याचिका दायर करने का आदेश दिय। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को इस संबंध में बुधवार तक अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा। मामले में नागपुर वन विभाग भी एक आंतरिक जांच करने में जुटा है।

इन लोगों को किया निलंबित

महाराष्ट्र वन विभाग ने सोमवार को इस घटना में शामिल चार जिप्सी चालकों और गाइड्स को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है और उनकी गाड़ियों पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, प्रकृति गाइड्स पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, इन पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के तहत मामला भी दर्ज किया गया है।

घटनाओं को रोकने के लिए बनाई गई समिति

पेंच टाइगर रिजर्व (नागपुर) के उप निदेशक प्रभु नाथ शुक्ला ने बताया कि पर्यटकों ने अभयारण्य के नियमों का उल्लंघन किया, जब उन्होंने बाघिन एफ-2 और उसके शावकों के रास्ते में कई सफारी वाहनों को घेर लिया। इस घटना में शामिल पर्यटकों को भविष्य में अभयारण्य में आने से हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा, एक समिति भी बनाई गई है, जो भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय सुझाएगी। उन्होंने कहा कि फील्ड अधिकारियों और कर्मचारियों को सफारी मार्गों पर नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं और प्रकृति गाइड्स और ड्राइवरों के लिए विशेष बैठकें और कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, ताकि इकोटूरिज्म के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाई जा सके।

खदान में पानी भरने से तीन मजदूर मरे, दस निकाले गए ; रेस्क्यू जारी

उमरांग्स, 7 जनवरी (एजेंसियां)। असम के दीमा हासाओ जिले के उमरांग्स कोयला खदान में पानी भरने से बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक खदान में पानी भरने से करीब 27 मजदूर फंस गए थे। वहीं इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं खदान में फंसे तीन मजदूरों की मौत हो गई है। वहीं घटनास्थल पर सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। खादान से निकाल गए मजदूरों के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। तीन मजदूरों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं खदान में फंसे मजदूरों को निकाले जाने का काम जारी है। श्रमिकों की पहचान नेपाल के गंगा बहादुर श्रेष्ठ, दरांग के हुसैन अली, जाकिर हुसैन और मुस्तफा अली, कोकराझार के सरपा बर्मन और खुची मोहन रॉय, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी के संजीत सरकार, दिमा हसाओ और सोनितपीर के लिदान मागर के रूप में हुई है। घटना उमरांग्स में असम खदान के ब्लॉक 19 में हुई। खदान में फंसने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। तीनों श्रमिकों की पहचान दरंग के दलगांव के हुसैन अली, मुस्तफा अली और जाकिर हुसैन के रूप में की गई। कोयला खदान के अंदर अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। लोगों को निकालने के लिए घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक, बीते दिन सुबह मजदूर करीब सुबह 7 बजे खदान में गए थे। वहीं कुछ ही देर बाद खदान पानी से भर गई। जिसके बाद उसमें काम करने वाले मजदूर फंस गए। हालांकि खदान में फंसे मजदूरों की संख्या के मारे स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि करीब 27 मजदूर खदान में फंसे थे। जिनमें से रेस्क्यू के दौरान 17 मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं इस घटना पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मैं भगवान से सभी लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं। साथ ही घटनास्थल पर कई अधिकारी पहुंचे हैं।

हवा में बंद हो गया एअर इंडिया के विमान का इंजन

अटक गई थी यात्रियों की सांसें करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

बेंगलुरु, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में विमान से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या हर साल बढ़ती चली जा रही है। हालांकि, बीते कुछ समय से विमानों में तकनीकी समस्या की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इसका ताजा उदाहरण आया है कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से जहां रविवार को एअर इंडिया के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया के विमान का इंजन हवा में बंद हो गया जिस कारण यात्रियों की सांसें अटक गईं। इंजन के बाद होने के बाद इस विमान को आपात स्थिति में बेंगलुरु में लैंड कराया गया। आइए जानते हैं इस पूरी घटना के बारे में विस्तार से।

सभी यात्री सुरक्षित

दरअसल, बीते रविवार को एअर इंडिया के एक विमान के एक इंजन ने हवा में ही काम करना बंद कर दिया। इसके बाद इस विमान को आपात स्थिति में बेंगलुरु में केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयरपोर्ट के सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

एयरपोर्ट सूत्रों ने दी जानकारी

सूत्रों के मुताबिक, एअर इंडिया का उड़ान-2820 बेंगलुरु में केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। हालांकि, विमान बेंगलुरु का चक्कर लगाने के एक घंटे बाद वापस लौट आया। एयरपोर्ट के सूत्रों के मुताबिक, अभी तक इस घटना को लेकर तकनीकी विवरण सामने नहीं आया है लेकिन विमान को आपात स्थिति में उतारना पड़ा।

केरल में तुर्की के विमान की लैंडिंग

दूसरी ओर मंगलवार को तुर्की के इस्तांबुल से कोलंबो जा रहे टर्किश एयरलाइंस के एक विमान का रूट बदलकर इसे केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतारा गया है। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में खराब मौसम होने के कारण इस विमान का मार्ग बदला गया है। एक अधिकारी के मुताबिक, विमान में चालक दल के 10 सदस्यों सहित 299 यात्री सवार हैं। सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं।

मुंबई में सालों से छिप कर रह रहे थे अवैध बांग्लादेशी नागरिक, 36 लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। देश भर में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ करवाई चल रही है। कुछ इसी तरह से मुंबई के पूर्वी उपनगर के मुस्लिम बहुल इलाके गोवंडी, शिवाजी नगर, मानखुर्द देवनार, चुनाभट्टी और घाटकोपर से पिछले 15 दिनों में 36 बांग्लादेशी घुसपैठियों को मुंबई पुलिस में गिरफ्तार किया है। डीसीपी नवनाथ ढवले ने बताया कि इनमें से कई घुसपैठिये 10 से 15 साल से मुंबई में रह रहे थे।

गिरफ्तार की है यह आरोपी डेली वेजेस पर काम करते थे कुछ कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते थे कुछ पेड़ छटाई का काम करते थे। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि उनके पास से बर्थ सर्टिफिकेट ,आधार कार्ड और दूसरे डॉक्यूमेंट बरामद जो हुए हुए हैं वो फर्जी दस्तावेज के सहारे बनवाये गए थे। जांच में पुलिस में पाया कि उनके पास से मिले सारे डॉक्यूमेंट फर्जी है, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

सीएम के पास बहुत जिम्मेदारी, लेकिन वो बर्फ हटा रहे

महबूबा मुफ्ती का उमर अब्दुल्ला पर तंज

जम्मू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर में जमकर बर्फबारी हो रही है, जिसके कारण वहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लेकिन इस कड़ाके की ठंड का असर राजनीतिक गलियारों में बिल्कुल भी नही है। यही कारण है कि पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती सरकार पर जमकर हमला बोल रही हैं। उन्होंने सीएम उमर अब्दुल्ला पर तंज कसते हुए कहा कि उनके पास बहुत काम हैं, लेकिन वे उन्हें करने के बजाय सड़कों से बर्फ हटा रहे हैं। पूर्व सीएम मुफ्ती ने कहा कि मुफ्ती मोहम्मद सैयद के कार्यकाल के दौरान कई काम किए गए। जम्मू-कश्मीर के लिए उन्होंने बहुत सी परियोजनाओं को शुरू किया। इसके साथ ही कई योजनाएं पूरी भी की हैं। लेकिन मौजूदा सरकार में एक भी काम नहीहो रहे हैं।

सीएम अब्दुल्ला पर महबूबा का तंज

महबूबा मुफ्ती ने सीएम उमर अब्दुल्ला पर तंज कसते हुए कहा कि, बतौर सीएम बहुत काम होते हैं। जो एक मुख्यमंत्री को करने होते हैं। इस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री काम करने के बजाय सड़कों से बर्फ हटा रहे हैं। मुफ्ती ने कहा कि इन्होंने पहले कहा था कि यहां डिजिटल मीटर नहीं लगाए जाएंगे। लेकिन अब खुद ही कह रहे हैं कि पूर्ण डिजिटल मीटर लगाने के बाद मुफ्त बिजली देने पर विचार किया जाएगा। उन्हें खुद नहीं पता की क्या करना है और क्या नहीं। इस पर उन्हें अपना फैसला स्पष्ट करना चाहिए। आखिर क्या होने वाला है।

बर्फबारी के दौरान सड़कों पर निकले थे सीएम

बर्फबारी के दौरान सड़कों पर निकले थे सीएमजम्मू-कश्मीर सीजन की पहली बर्फबारी के दौरान कई जगहों पर जाम लगा हुआ था। इसके कारण कई पर्यटक फंस गए थे। इस दौरान सीएम खुद सड़कों पर निकले थे।जिसके बाद उन्होंने जनता से अपील की थी। भारी बर्फबारी के कारण बाहर न निकले। इसके साथ ही उन्होंने बर्फ हटाने को लेकर भी अपडेट किया था। सीएम उमर अब्दुल्ला के इसी आदेश पर मुफ्ती ने तंज कसा है।

धर्मांतरण के लिए 6 लाख रुपए और नौकरी, हिंदू जागरण मंच ने किया पर्दाफाश

इंदौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में धर्मांतरण का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हिंदू जागरण मंच के सदस्यों ने रात के समय एक दंपति को रंगे हाथों पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। यह मामला मजदूर परिवार की महिला गौरीबाई की शिकायत पर दर्ज किया गया, जिसमें उसने आरोप लगाया कि दंपति उसे और उसके परिवार को ईसाई धर्म अपनाने के लिए रुपए और नौकरी का लालच दे रहे थे। हिंदू जागरण मंच के संयोजक राजकुमार टेटवाल और मानसिंह राजावत को स्कीम नंबर 136 में धर्मांतरण गतिविधि की सूचना मिली थी। वहां पहुंचने पर उन्होंने मजदूर परिवार से बात की और जॉनी नामक व्यक्ति और उसकी पत्नी शैली को पकड़ लिया। मानसिंह राजावत ने बताया कि दंपति को पुलिस को सौंप दिया है। जॉनी और शैली ने पूछताछ के दौरान खुद को केरल का निवासी बताया और यह स्वीकार किया कि वे धर्मांतरण का काम करते हैं। हिंदू जागरण मंच के संयोजक राजकुमार ने बताया कि दंपति ने मजदूर परिवार को 6 लाख रुपए और नौकरी का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया था।

गैस लीक होने से घर में हुआ भीषण धमाका, वॉशरूम में बैठा शख्स चौथी मंजिल से नीचे गिरा, 6 लोग झुलसे

सूरत, 7 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक घर में गैस लीक होने की वजह से भीषण धमाका हो गया, जिसमें एक ही परिवार के 5 लोग झुलस गए। ये धमाका इतनी जोरदार था कि एक शख्स चौथी मंजिल के वॉशरूम में बैठा था लेकिन धमाके की वजह से दीवार टूट गई और वह तीसरी मंजिल पर आकर गिरा। सूरत में आज सुबह आग की चपेट में आने से एक ही परिवार के 5 लोग और ऊपरी मंजिल पर रहने वाला एक शख्स झुलस गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि वॉशरूम और घर का स्लैब भी टूट गया। इसके कारण ऊपरी मंजिल पर वॉशरूम में बैठा शख्स नीचे आकर गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। सभी घायलों को इलाज के लिए सूरत के सरकारी अस्पताल और बाद में निजी अस्पताल पहुंचाया गया। दरअसल सूरत में घरेलू गैस सिलेंडर से गैस के रिसाव की वजह से ये हादसा हुआ। सुबह 6 बजे के करीब सूरत के पुणा इलाके की राधाकृष्ण सोसायटी में बड़ा धमाका हुआ। धमाके के कारण घर में आग भी लग गई। धमाका इतना जबरदस्त था कि घर के पीछे की दीवार से लेकर घर का स्लैब ओर दरवाजे तक टूट गए। स्लैब टूट जाने से ऊपरी मंजिल पर सुबह वॉशरूम गया शख्स नीचे आकर गिरा। इस दौरान फौरन दमकल विभाग को जानकारी दी गई। दमकल की टीम ने आग पर काबू पाकर सभी घायलों को सरकारी अस्पताल भेज दिया। परिवार की मांग पर बाद में सभी घायलों को निजी अस्पताल ले जाया गया। सूरत के पुणा फायर स्टेशन इंचार्ज भूपेंद्र सिंह राज ने बताया कि घर में रखी गैस की बोतल लीकेज होने की वजह से आग लगी है। सुबह हरिकृष्ण सोसायटी की तीसरी मंजिल पर घर के अंदर गैस लीकेज हुई थी।

ये हादसा उस वक्त हुआ, जब घर के किसी सदस्य ने लाइट जलाई होगी। ये हादसा फ्लैश फायर की वजह से हुआ होगा। फ्लैश फायर में गैस की बोतल फटती नहीं है लेकिन बोतल के पाइप से गैस रिसाव होने से पूरे घर में ये फैल गई। किसी ने घर में लाइट जलाई होगी या माचिस जलाई हो, इस वजह से स्पार्क हुआ होगा। उसी कारण धमाका हुआ है। घर के सभी सदस्य (3 बच्चे और माता पिता) और चौथी मंजिल पर वॉशरूम में बैठा शख्स घायल हो गया है।

एमपी में फर्जी सिपाही ने लगाया 34 लाख का चूना, आधी कीमत में मकान और दुकान दिलाने का किया वादा

उज्जैन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस का एक फर्जी आरक्षक बनकर जालसाज ने कई लोगों के साथ 34 लाख रुपये की ठगी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने खुद को प्राधिकरण अधिकारियों से अच्छे संबंध बता कर आधी कीमत में मकान व दुकान दिलाने का वादा किया। इसके बाद लोगों से रुपए लेकर उनके साथ ठगी की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा कर दिया है। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि राघवी थाना पुलिस को शिकायत मिली थी कि जगोटी का रहने वाले विशाल नामक युवक खुद को शाजापुर पुलिस का जवान बताकर प्राधिकरण की कॉलोनी में आधी कीमत में मकान और दुकान दिलाने का वादा कर रहा है। इसके एवज में वह लोगों से रुपयों की वसूली भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भूपेश, शुभम गुप्ता, कृष्णकांत शर्मा कमल प्रजापत, लखन सिंह चौधरी, लक्ष्मण शर्मा, जागृति, विक्रम पटेल, लेखराज, विकास पटेल, अमित पोरवाल आदि लोगों ने शिकायत की है। जब पुलिस ने मामले की जांच की तो विशाल उर्फ लखन के खिलाफ शिकायत सही पाई गई। इसी के चलते पुलिस ने आरोपी विशाल को गिरफ्तार कर लिया। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लोगों के साथ ठगी

करने का खुलासा हुआ है। आरोपी पीड़ित लोगों से कहता था कि उसकी प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से अच्छी सांठगांठ है। इसी का सहारा लेकर वह ठगी की वारदात को अंजाम देता था। राघवी थाना प्रभारी वीरेंद्र बंदेवार ने बताया कि आरोपी विशाल ने कई लोगों के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक 34 लाख रुपए की ठगी की वारदात का पता चल चुका है, जबकि जांच में रकम और भी बढ़ाने की संभावना है। पुलिस कप्तान ने बताया कि आरोपी विशाल ने मध्य प्रदेश पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को अपने विश्वास में लेता था। उसने अपनी पोस्टिंग शाजापुर में बता रखी थी। इसके अलावा उसके पास से वर्दी भी बरामद हुई है। उसने फर्जी परिचय पत्र भी बना रखा था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव: आप और कांग्रेस की जंग पर इंडिया चिंतित

संजय राउत बोले- मर्यादा में रहें, जनता देख रही है

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आम आदमी पार्टी के खिलाफ माहौल बनाने में जुटी हैं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन में लड़ी थी। अब विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ उतरने पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं को भाजपा की जीत का डर सताने लगा है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच छिड़ी जंग पर चिंता जताई है।

संजय राउत ने दी नसीहत

संजय राउत ने कहा कि इससे सिर्फ भाजपा को फायदा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि लड़ाई दिल्ली और पूरे देश में भाजपा के खिलाफ होनी चाहिए। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ा था। अब विधानसभा चुनाव में जो माहौल बना है, ऐसा लगता है कि वह दोनों भाजपा को फायदा पहुंचाने जा रहे हैं। देश और दिल्ली में हमारी लड़ाई भाजपा के खिलाफ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने झगड़ा जिस लेवल पर चल रहा है, वह देश की जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि जब हम अगले लोकसभा में एक साथ लड़ने जाएंगे, तो लोग हमारे बर्ताव के बारे में सवाल करेंगे।

राउत बोले- मर्यादा में रहें

संजय राउत ने कहा कि 'आम आदमी पार्टी और कांग्रेस जो इंडिया ब्लॉक के सदस्य हैं, वह यहां लड़ रहे हैं। हम यहां अपनी ताकत क्यों खर्च करें। चुनाव से पहले अखाड़ा चल रहा है। अखाड़े में सब पहलवाल एक-दूसरे के कपड़े फाड़ रहे हैं, ये ठीक नहीं है।' उन्होंने कहा, 'अरविंद केजरीवाल को जनता ने चुनकर 10 साल मुख्यमंत्री बनाया है, आप उन पर देशद्रोही का टैग लगाना चाहते हैं। आप एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ें, लेकिन मर्यादा और संयम के तहत रहना चाहिए, क्योंकि कभी न कभी एक साथ आना ही है।'

कांग्रेस ने लगाए थे आरोप

आपको बता दें कि कांग्रेस नेता अलका लांबा ने मंगलवार को कहा था कि दिल्ली में केंद्र सरकार और आम आदमी पार्टी के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी है। उन्होंने कहा कि जनता ने एक दशक का कार्यकाल देख लिया है और अब वह कांग्रेस के लिए वोट करेगी। भाजपा पर हमला बोलते हुए अलका ने कहा था कि उनके पास कोई एजेंडा नहीं है और वह केवल पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ते हैं।

मंत्री मुंडे के समर्थक का हवा में गोलियां चलाते वीडियो वायरल पुलिस रद्द कराएगी शस्त्र लाइसेंस

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड में सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले ने महाराष्ट्र की सियासत को गर्म कर रखा है। अब एनसीपी नेता और मंत्री धनंजय मुंडे के एक समर्थक का हवा में गोलियां चलाते वीडियो वायरल हुआ है। इसके बाद पुलिस ने उसका शस्त्र लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की गई। महाराष्ट्र के बीड में सरपंच की हत्या के मामले में एनसीपी धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड का नाम सामने आ रहा है। कराड को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। अब पुलिस ने धनंजय मुंडे के एक और समर्थक पर शिकंजा कसा है। पुलिस ने बताया कि बीड के परली निवासी कैलास फड को पिछले महीने शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसका बंदूक लहराने और हवा में गोलियां चलाने का वीडियो वायरल हुआ। इस मामले में जांच के दौरान पता चला कि वीडियो को 2023 में दिवाली पर बनाया गया था। हाल ही में एक कार्यकर्ता ने मुंडे के साथ फड की एक तस्वीर सोशल प्लेटफार्म पर पोस्ट की थी। पुलिस ने बताया कि हमने फड और दो अन्य व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस रद्द करने के लिए जिला कलेक्टर को प्रस्ताव भेजा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सोने की अनोखी तस्करी

कस्टम विभाग ने शक के आधार पर की जांच, उड़ गए होश

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट पर सोने की अनोखी तस्करी अब सामने आई है। दरअसल तस्करों द्वारा एयरपोर्ट पर तस्करी के जरिए सोने-चांदी व हीरे के सामने व कई बार नशे के सामान लाया और ले जाया जाता है। इस बार भी तस्करों ने तस्करी का अनोखा तरीका निकाला और आईजीआई एयरपोर्ट पर सोने की अनोखी तस्करी की कोशिश की, जिसे नाकाम कर दिया गया है। दरअसल नई दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर 6 जनवरी 2025 को कस्टम अधिकारियों ने एक तस्करी का मामला पकड़ा, जिसमें एक भारतीय यात्री कपड़ों के बटनों में सोना छिपाकर ला रहा था। यह यात्री सऊदी अरब के जेद्दा से फ्लाइट संख्या एसवी-756 के जरिए दिल्ली पहुंचा था।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी

इस दौरान जब यात्री एयरपोर्ट पर ग्रीन चैनल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान कस्टम अधिकारियों ने यात्री पर शक के आधार पर उसे रोक लिया। इसके बाद जब उसके सामान की तलाशी ली गई और स्कैनिंग की गई तो सारा राज बाहर आ गया। जांच में चंदी की परत चढ़ी अंगूठियां मिलीं, जो असर में 24 कैरेट सोने की थीं। इन अंगूठियों को कपड़ों के बटन का रूप देकर छिपाया गया था। तस्करी के जरिए भारत लाए जा रहे सोने का वजन 379 ग्राम निकला, जिसकी कुल कीमत 29 लाख रुपये आंकी गई है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की घटना देखने को मिली है। आए दिन सोने-चांदी समेत नशे के सामान को एयरपोर्ट पर जब्त किया जाता है।

दिल्ली में गैंगवार

बता दें कि राजधानी दिल्ली में बीते दिनों गैंगवार देखने को मिली थी। गैंगवॉर की ये घटना दिल्ली के संगम विहार इलाके से सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, संगम विहार में बीती रात हुई गैंगवॉर में तीन लोग घायल हो गए हैं। इनमें से 2 लोग बुरी तरह से घायल हैं। घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वहां उनका इलाज किया जा रहा है। राजधानी दिल्ली के संगम विहार में हुए गैंगवार में नासिर नाम के एक युवक को गोली मार दी गई है। जानकारी के मुताबिक, गोली नासिर की गर्दन में लगी है। आरोपी जब नासिर के दूसरे साथी को मारने जा रहे थे तो नासिर के परिवार के लोगों ने दोनों हमलावरों को घेर लिया। परिजन और दूसरे लोगों ने हमलावर साहिल और राहुल से पिस्टल छीन ली। दोनों पर पत्थर व पत्थर की पटिया से हमला कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 8 जनवरी - 2025

तेजस्वी के लिए ओजस्वी की तलाश

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को लगने लगा है कि पार्टी की मजबूती के लिए उसके कील-टांके ठीक करना जरूरी हो गया है। इसलिए सुप्रीमो लालू यादव पार्टी के लिए नया प्रदेश अध्यक्ष तलाशने में जुट गए हैं। इसके लिए वे अपने बेटे तेजस्वी की तरह कोई ओजस्वी चेहरा तलाश रहे हैं जो पार्टी को नए सिरे से धार दे सके। युवा, रोजगार, पलायन को चुनावी मुद्दा बनाने वाले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अब हर महत्वपूर्ण पद पर अपने जैसा ही युवा नेता के हाथ में बागडोर देना चाहते हैं। राजद के लोगों में ही चर्चा होने लगी है कि आगामी विधानसभा चुनाव के पहले आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बदले किसी युवा चेहरे पर दांव लगाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को बदलने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। पिछले दिनों जब चार विधान सभा उप चुनाव का परिणाम आया तो वह पार्टी के पक्ष में नहीं गया। उसे तीन विधान सभा की जीती हुई सीटों को भी गंवाना पड़ा था। सबसे बड़ा कारण तो रामगढ़ विधान सभा उप चुनाव बन गया, जहां खुद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह अपना गढ़ नहीं बचा पाए थे। माना जा रहा है कि अब उनकी उम्र भी हो गई है। यह उम्र नीति निर्धारण का तो हो सकता है पर नीति को लागू करवाने के लिए जितने श्रम की जरूरत होती है वह अब उनमें नहीं बची है। ऐसे में युवा नेतृत्व के लिए प्रदेश अध्यक्ष का पद भी नया और युवा हो। लगभग अस्सी साल के हो चुके जगदानंद सिंह बहुत ही अनुशासन प्रिय नेता हैं। उनका व्यवहार एक ब्यूरोक्रेट की तरह होता है जिससे कार्यकर्ता को उनसे मिलना बड़ा मुश्किल हो जाता है। इस तरह की शिकायतें आलाकमान तक पहुंचा दी गई हैं। राजद नेतृत्व अब इस यक्ष प्रश्न पर मंथन कर रहा है कि किसके हाथ प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर थमाई जाए। इस पद के लिए कई नाम चर्चा में हैं। दलित चेहरा में दो नाम हैं। एक तो पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम जो उत्तर बिहार के मजबूत नेता हैं। दलित में दूसरा नाम पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत का चल रहा है। इनकी पकड़ दक्षिण बिहार पर अच्छी मानी जाती है। मुस्लिम कार्ड के लिए इसराइल मंसूरी का नाम भी उछाला जा रहा है। तर्क दिया जा रहा है कि गत उपचुनाव में मुस्लिम मतों में काफी विभाजन हुआ। जदयू, जनसुराज और एआईएमआईएम के उम्मीदवारों ने भी काफी मुस्लिम मत काटे। इसलिए इजराइल मंसूरी एक महत्वपूर्ण नाम माने जा रहे हैं। पिछड़ा वोट बैंक को रिझाने के लिए पूर्व मंत्री आलोक मेहता के नाम की भी चर्चा की जा रही है। 18 जनवरी को राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक प्रस्तावित है। संभव है कि इसी बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव का प्रस्ताव आ जाए। कहा तो यह जा रहा है कि स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद को लेकर भी चर्चा हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि स्वास्थ्य कारणों से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को मदद के लिए एक कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी प्रस्ताव आ सकता है। उसमें भी ध्यान दिया जाएगा कि वह भी युवा और ऊर्जावान हो।

‘आप’ का क्या होगा जनाबेआली ...

राधा रमण

दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने घोषणा कर दी है कि दिल्ली में मतदान 5 फरवरी को और नतीजे 8 फरवरी को घोषित किये जाएंगे। हालांकि इससे पहले ही दिल्ली की सियासत में आरोप- प्रत्यारोप और गाली- गलौच का दौर शुरू हो गया है। लगातार तीन बार से सत्ता का सुख भोग रही आम आदमी पार्टी इस बार चौतरफा घिरती नजर आ रही है। दिल्ली विपक्ष के अनर्गल बोल कहीं 'आप' के लिए मददगार न बन जाएं। दिल्ली देश की राजधानी है और यहां के लोग शालीनता पसंद हैं। बहरहाल, इस आलेख में हम आम आदमी पार्टी पर बात करेंगे।

महज 12 साल पुरानी आम आदमी पार्टी (आप) एक बार फिर इतिहास रचने की राह पर है। 26 नवंबर 2012 को प्रख्यात समाजसेवी अन्ना हजारे के इण्डिया अगेंस्ट करप्शन की कोख से निकली इस पार्टी ने एक साल बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में 28 सीटें जीतकर न सिर्फ सरकार बनाई बल्कि देश की सबसे पुरानी पार्टी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को घुटनों के बल चलने को मजबूर कर दिया था। और तो और, तीन बार की मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। हैरत तो तब हुई कि जिस कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़कर आम आदमी पार्टी विजेता बनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से दूर रखने के लिए उसी कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को मुख्यमंत्री पद के लिए बिना शर्त समर्थन दे दिया। तब भाजपा को 32, कांग्रेस को 8 और आम आदमी पार्टी को 28 सीटों पर विजय मिली थी।

राजनीतिक प्रेक्षक कहते हैं कि उसी समर्पण अथवा समर्थन के कारण पिछले 12 साल से कांग्रेस एक अदद सीट के लिए दिल्ली में तरस रही है। हालांकि कांग्रेस के समर्थन से मुख्यमंत्री बने आम आदमी पार्टी के मुखिया (संयोजक) अरविन्द केजरीवाल ने नाटकीय तरीके से कांग्रेस और भाजपा को कोसते हुए 49 दिन बाद ही अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया। तब स्वयं केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के लोग उन्हें काम नहीं करने दे रहे। जान-बूझकर अड़ंगा लगा रहे हैं। तब उन्होंने यह भी कहा था कि 'उनकी अपनी कोई विचारधारा नहीं है। अगर वामपंथी पार्टियां जनता की भलाई का काम करेंगी तो वह वामपंथी हो जाएंगे। इसी तरह अगर दक्षिणपंथी पार्टी जनता की भलाई करेगी तो वह दक्षिणपंथी हो जाएंगे। उन्हें तो बस जनता से मतलब है। आम आदमी पार्टी का गठन जनता ने, जनता की भलाई के लिए किया है। मुझे न तो बड़ा बंगला चाहिए न बड़ी गाड़ी। मैं तो केवल आम आदमी हूं और आम आदमी की भलाई चाहता हूं। मुझे पद का भी कोई लालच नहीं है।'

जनता को और क्या चाहिए था? वह झांसे में आ गई। झूम उठी। इस बीच अरविंद केजरीवाल की सरकार ने मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी की घोषणा करके जनता के दिलों में अपनी जगह बना ली थी। उन्होंने मुफ्त चिकित्सा और सरकारी स्कूलों में उच्चकोटि की शिक्षा का वादा करके जनता को सम्मोहित कर दिया था। नतीजतन बाद के चुनाव में आम आदमी पार्टी का चुनाव चिह्न 'झाड़ू' लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा। 2015 में जब चुनाव के परिणाम आये तो दिल्ली विधानसभा की कुल 70 सीटों में से 67 पर आम आदमी पार्टी ने विजय पताका फहरा ली थी। भारतीय जनता पार्टी 32 से सिमटकर 3 पर आ गई थी और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था। देश की राजधानी दिल्ली के राजनीतिक पंडित हक्का-बक्का थे। यह देश की राजनीति में अभूतपूर्व था। उसके बाद यानी पिछली बार 2020 के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें अपने नाम की और महज 8 सीटों से भाजपा को संतोष करना पड़ा। वह भी तब जब भाजपा के सारे केंद्रीय मंत्री यहां तक की गृह मंत्री अमित शाह भी वोट के लिए गली-गली घूम रहे थे। सांसदों –विधायकों और कार्यकर्ताओं का क्या कहना। वह तो कई माह तक दिल्ली में डेरा डाले रहे।

लेकिन यह अचानक नहीं हुआ। आम आदमी से जुड़े लोग पढ़े- लिखे और अपने फन के माहिर लोग थे। इसमें अन्ना हजारे के आह्वान पर कई लोगों ने तो विदेश की अपनी मोटी तनख्वाह की नौकरी छोड़ दी थी और देश में भ्रष्टाचारमुक्त शासन की नींव रखने के लिए आये थे। स्वयं अरविंद केजरीवाल मैग्सेसे पुरस्कार से नवाजे जा चुके थे। मनीष सिसोदिया एक न्यूज चैनल में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे। पूर्व क़ानून मंत्री शांतिभूषण थे, उनके बेटे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण थे, मशहूर कवि कुमार विश्वास थे, समाजवादी पृष्ठभूमि के प्रोफेसर आनन्द कुमार थे, सामाजिक कार्यकर्ता योगेन्द्र यादव थे। कितने का नाम लिखें, और भी कई नामी-गिरामी लोग थे। इसके अलावा गरीब परिवार की राखी बिड़लान समेत आम लोग तो बहुतायत संख्या में थे ही। इसलिए इन लोगों पर किसी तरह के शक की गुंजाइश तो बिलकुल भी नहीं थी। सबकुछ फूलप्रूफ था।

जनता मुफ्त के झांसे में जकड़ चुकी थी। उसे लगने लगा था कि अब रामराज्य आने ही वाला है। लोगबाग इस तथ्य को भूल गए कि राजनीति में 'एक हाथ से ले और दूसरे हाथ से दे' का चलन है। कोई भी सियासी दल जनता को मुफ्त में कुछ नहीं देता है। घोड़ा घास से यारी करेगा तो खाएगा क्या? कुख्यात ठग मिथिलेश श्रीवास्तव ऊर्फ नटवरलाल ने एक साक्षात्कार में कहा था कि दुनिया में जबतक लालची लोग रहेंगे ठग भूखा नहीं रहेगा। मुझे कहने दीजिए कि आज देश की सियासत में यही हो रहा है।

बहरहाल, दूसरी बार दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने अपने पुराने साथियों प्रोफेसर आनन्द कुमार, योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास आदि कई लोगों से किनारा कर लिया। एक चुनाव हारने के बाद वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष और नवीन जयहिंद आदि लोग भी पार्टी छोड़कर चल दिए। ये सभी लोग आम आदमी पार्टी के शिल्पी थे। उसके बाद आम आदमी पार्टी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सरीखी बनकर रह गई और अरविंद केजरीवाल उसके सीईओ (चीफ एक्जक्यूटिव ऑफिसर)। जनता के हित में लोकलुभावन घोषणाएं की जाती रहीं। बेशक, इन वर्षों में दिल्ली के सरकारी स्कूलों की दशा में व्यापक सुधार हुआ है। महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा जारी है। 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिल रही है, लेकिन मुफ्त होने के बावजूद दिल्ली में पानी का संकट बरकरार है। केजरीवाल तो महिलाओं को दिल्ली मेट्रो में भी मुफ्त सफर कराना चाहते थे, लेकिन केंद्र सरकार और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के हाथ पीछे खींच लेने के कारण यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। मेट्रो रेल के निर्माण और परिचालन में तीनों की ही भागीदारी है।

इस बीच आम आदमी पार्टी ने चंडीगढ़ नगर निगम और पंजाब विधानसभा का चुनाव भी जीत लिया है। उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी मिल चुका है। इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा किसी पार्टी को नहीं मिला है। लेकिन तस्वीर का स्याह पहलू यह है कि पार्टी के शीर्ष नेता स्वयं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह शराब के ठेके के आवंटन मामले में जेल हो आये हैं। ये नेता फिलहाल जमानत पर हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दबाव में केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से न चाहते हुए भी इस्तीफ़ा देना पड़ा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आतिशी मर्लेना काबिज हैं। वह अपने को 'खड़ाऊं' मुख्यमंत्री बताती हैं और कहती फिरती हैं कि चुनाव में बहुमत मिलने के बाद वह मुख्यमंत्री पद अरविंद केजरीवाल के लिए छोड़ देंगी। इस बीच पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से केजरीवाल के सीएम रहते सरेआम मारपीट की घटना को दिल्ली की जनता देख चुकी है। मारपीट करनेवाला कोई और नहीं बल्कि केजरीवाल का निजी सचिव था। क्या केजरीवाल की सहमति के बिना यह संभव था? आम आदमी पार्टी और खुद वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी ने स्वाति को भ्रष्ट कहा था। लोग तो पूछेंगे कि आम आदमी पार्टी में सिर्फ स्वाति ही भ्रष्ट हैं या कोई और भ्रष्ट है? अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन, संजय सिंह, अमानुल्लाह खान पर तो भ्रष्टाचार के मुकदमें लंबित हैं। स्वाति मालीवाल के खिलाफ क्या है? उधर, स्वाति मालीवाल भी आनेवाले चुनाव में आम आदमी पार्टी से अपने अपमान का बदला चुका लेना चाहती हैं। पद तथा पार्टी भी नहीं छोड़ रही हैं और पार्टी की कब्र भी मजे से खोद रही हैं। भाजपा और कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल की घेराबंदी कर दी है।

परीक्षा के दौरान माता-पिता की भूमिका

विजय गर्ग

माता-पिता और बच्चों के बीच हर समय बातचीत होना बहुत जरूरी है। माता-पिता के पास जीवन के अनुभवों के साथ-साथ अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की योजनाएं भी होती हैं। ये दोनों बातें हर गरीब और अमीर माता-पिता में देखी जाती हैं। अलग बात यह है कि वे इन चीजों को अपने तरीके से करते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता के पास अपने बच्चों को देने के लिए समय नहीं है, वहीं भारी-भरकम सिलेबस के कारण बच्चे थके हुए नजर आते हैं। परीक्षाओं कानजदीक आते ही शिक्षक बच्चों को अधिक अंक लाने के लिए प्रोत्साहित कर उन पर दबाव बनाने लगते हैं। समय-समय पर अभिभावकों को बच्चों की रिपोर्ट से अवगत कराने से बच्चे की शिक्षा की स्थिति पहले ही साफ हो जाती है। स्पष्ट शब्दों में, स्कूल स्टाफ अपना हिस्सा लेता है या अपनी आय का आधा बोझ साझा करता है। कुछ निजी स्कूलों में स्कूल प्रबंधन बच्चों को अतिरिक्त समय देकर भी तैयारी कराना चाहता है, लेकिन बच्चों के समय से पहले या बाद में चले जाने की समस्या सामने आती है।ट्यूशन पढ़ने जाने के समय में तालमेल न होने के 5 कारण, ज्यादातर माता-पिता सहमत नहीं दरअसल, जैसे-जैसे परीक्षाएं नजदीक आती हैं ये सारी चीजें बच्चों पर मानसिक दबाव डालती हैं, जबकि अब समय है बच्चों को मानसिक दबाव में आने से बचाने का। माता-पिता चाहे कामकाजी हों या घर पर रहते हों, उनके बच्चों को इस समय बहुत कुछ चाहिए। माता-पिता चलते-चलते भी बच्चों से एक ही बात कहते हैं- पढ़ाई करो और परीक्षा की तैयारी करो। ले लोगे तो कुछ बन जायेगाबाद में पढ़ाई की जिम्मेदारी पिता ही संभालते हैं या फिर डरा-धमकाकर बच्चे में डर पैदा किया जाता है। बच्चे के स्कूल से घर लौटने, फिर घर से ट्यूशन और ट्यूशन से घर लौटने तक माता-पिता की ज़िम्मेदारी बोझिल होती है, जबकि जिन चीज़ों में बच्चे को माता-पिता की ज़रूरत होती है, उन्हें नज़रअंदाज कर दिया जाता है। जैसे-जैसे परीक्षाएं नजदीक आती हैं, माता-पिता को बच्चों के प्रति सौहार्दपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए और उनसे हल्के-फुल्के माहौल में बात करनी चाहिए। उनकी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश कर रहा हूं: करणसाथ ही, बच्चा पढ़ाई के प्रति किस तरह की मानसिकता रखता है, क्या वह अपने भविष्य को लेकर गंभीर है या नहीं, अधिक अंक आने पर वह क्या करने की सोचता है या कम अंक आने से वह निराश है और क्या वह कुछ गलत भी नहीं कर रहा है? एक कदम उठाने के बारे में सोच रहा हूँ. माता-पिता के लिए बच्चे के दिमाग का अध्ययन करना बहुत जरूरी है। विदेश में पढ़ाई के मुद्दे पर बच्चे, शिक्षक और माता-पिता इन चिंताओं से सुरक्षित रहते हैं क्योंकि बच्चे की रुचि के अनुसार उन्हें उसी क्षेत्र में भेजा जाता है, लेकिन हमारे माता-पिता की अपनी रुचि होती है।अपनी शिक्षा पूरी न कर पाने के कारण वे चाहते हैं कि उनका बच्चा उनका सपना पूरा करे, भले ही बच्चे को इसमें कोई रुचि न हो। माता-पिता, चाहे माता-पिता दोनों कामकाजी हों या कम पढ़े-लिखे हों या अधिक पढ़े-लिखे हों, उन्हें हर समय बस की भूमिका में नहीं रहना चाहिए, उन्हें केवल अच्छे माता-पिता बनना चाहिए, जब बच्चे को कोई समस्या हो तो वह एक दोस्त की तरह माता-पिता को बता सके। . प्रतिष्ठित स्कूलों में दाखिला दिलाना, ऊंची स्कूल फीस देना, अच्छी यूनिफॉर्म खरीदना और महंगी ट्यूशन खाना सिर्फ माता-पिता की जिम्मेदारी नहीं है।हो गया होता स्कूल में शिक्षक क्या पढ़ाते हैं, बच्चा अच्छा कर रहा है या नहीं, क्लास टेस्ट में अच्छा कर रहा है या नहीं, वह अपने कपड़े कैसे संभालता है, ये छोटी-छोटी बातें उसकी रुचि के बारे में बता सकती हैं खासकर परीक्षा के समय माता-पिता को अपने बच्चों को अच्छे से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

वन सिविल कोड एकता के लिए मील का पत्थर

डॉ उमेश प्रताप वत्स

हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण प्रदेशों में विधानसभा के चुनाव सम्पन्न हुए। हरियाणा को इसलिए महत्वपूर्ण कहा गया कि यहाँ पिछले दो प्लान से भाजपा की सरकार सत्तारुढ़ थी। जब से हरियाणा का निर्माण हुआ है कोई भी पार्टी तीसरी बार चुनाव जीतकर सत्ता में वापसी नहीं कर सकी किंतु सभी सर्वे, सभी क्यासों को धता बताते हुए हरियाणा की भाजपा अथवा हरियाणा की जनता ने यह करिश्मा भी करके दिखा दिया और भाजपा की सत्ता तीसरी बार न केवल विजयी होकर अपितु पहले से भी अधिक सीटें लेकर अद्भुत ढंग से पुनः सत्तारुढ होकर यह चमत्कारित रिकॉर्ड भी अपने नाम बना चुकी है। जम्मू कश्मीर को महतवपूर्ण इसलिए बताया कि हरियाणा में तो देश भर की निगाहें लगी हुई थी किन्तु धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में तो पूरे विश्व की निगाहें इसकी ओर लगी हुई थी। भाजपा ने वहां की परिस्थितियों के अनुसार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा नैशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के बाद सर्वाधिक सीटें लाने वाली पार्टी बनी। भाजपा जम्मू-कश्मीर में सरकार तो नहीं बना पाई किन्तु हार के बाद जीत का अद्भुत कार्य करने में सफल रही क्योंकि जिस प्रदेश में आजादी के बाद से ही भारतीय संविधान की अनदेखी की गई और जिन पार्टियों ने धारा 370 समाप्त करने के मुद्दे पर चुनाव लड़ा उन्हें उसी संविधान को हाथ में लेकर मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद की शपथ लेनी पड़ी। यह केवल भाजपा की ही नही अपितु पुरे भारत की जीत है। आज प्रत्येक भारतीय गर्व के साथ कह सकता है कि देश की आजादी के बाद पहली बार पूरे देश में एक देश एक संविधान लागू हुआ है। एक देश एक संविधान के बाद अब राष्ट्र वन नेशन वन कोमन सिविल कोड की ओर बढ़ रहा है तथा इसके बाद वन नेशन वन इलेक्शन के प्रति भी प्रतिबद्ध है। आज देश में वन नेशन वन कोमन सिविल कोड की सभी राजनैतिक गलियारों में चर्चा हो रही है। देश के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि हम शीघ्र ही वन नैशन वन इलेक्शन पर कानून लेकर आ रहे है। इस घोषणा के बाद विरोधी दलों में खलबली मची हुई है जो कि स्वभाविक है। कई दशकों से राजनैतिक पटल पर उथल-पुथल करने वाले पुराने नेता निसंदेह भाजपा की नीतियों का सार्वजनिक रूप से विरोध करें किंतु जानते वे भी है कि भाजपा की इन्हीं नीतियों की सफलता के कारण जनता उन्हें बार-बार स्वीकार कर रही है। उल्लेखनीय है जब भाजपा दो सीटें लेकर अपने शैशवकाल में राजनैतिक पगडंडियों पर चलने का प्रयास कर रही थी तब भाजपा ने जनता के समक्ष तीन संकल्प लिये थे। पहला संकल्प था कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण, दूसरा एक देश एक विधान एक निशान को लागू करने के लिए जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाना और तीसरा संकल्प था समान आचार संहिता लागू करना जो कि वर्तमान में वन नैशन वन कोमन सिविल कोड के नाम से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि जब नवनिर्मित भाजपा द्वारा ये तीनों संकल्प लिए गये थे तो सत्ताधारी पार्टियों द्वारा भाजपा का मजाक बनाया जाता था कि, ₹ये तीनों संकल्प अकल्पनीय, असंभव और हास्यास्पद हैं। भाजपा लोगों का मूर्ख बना रही है। बाबरी मस्जिद की जगह ना ही कभी राम मंदिर बन सकता और ना ही कभी जम्मू कश्मीर से धारा 370 हट सकती और समान आचार संहिता तो सपना ही रह जायेगा।₹ मंदिर के लिए तो कहते थे कि मंदिर वहीं बनायेंगे पर तारीख नहीं बतायेंगे। खैर! जनता का विश्वास जीतते हुए भाजपा राजनैतिक पिच पर शतक, दोहरा शतक व तीहरा शतक लगाती हुई निरंतर आगे बढ़ती रही। उसकी नीतियां, उसके सपने व उसके संकल्प उसे मजबूत करते गये और एक दिन जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए मंदिर से भी पहले 5 अगस्त 2019 को संविधान में संशोधन करके जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35A को हटाकर पूरे विश्व को आश्चर्य में डाल दिया था और 5 अगस्त 2020 को राम मंदिर निर्माण के लिए पहले 9 शिलाओं का पूजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन करने के साथ-साथ रामजन्मभूमि परिसर में पारिजात का पौधा भी लगाया। फिर 22 जनवरी 2024 को जन-जन के हृदय में बसे भगवान श्रीराम के मंदिर का 496 वर्षों के संघर्ष के बाद भव्य निर्माण एवं रामलला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर विश्वपटल पर इतिहास रचने का अद्भुत कार्य किया। इन दोनों महत्वपूर्ण संकल्पों के पूरा होने पर भाजपा ने भारत के लोगों के दिलों में अपना गहरा संबंध बना लिया जो किसी भी परिस्थिति में अडिग व अटल साबित हो रहा है। जनता को भाजपा पर विश्वास हो चला है कि यह पार्टी जनहित व राष्ट्र हित में किसी भी हद तक जा सकती है। इसी विश्वास को बनाये रखते हुए भाजपा अपने तीसरे संकल्प समान आचार संहिता की ओर बढ़ चली है। पहले अनेक विरोधों के बाद सीएए लागू कर अपना इरादा स्पष्ट कर दिया है। अब शीघ्र ही एनआरसी लागू होने वाला है। भाजपा ने तीन तलाक, बाल विवाह, बहुविवाह व हलाला जैसी सामाजिक महामारियों को उजागर कर मुल्ला-मौलाना की नाक पर चोट की है तो वक्फ बोर्ड का मुद्दा उठाकर अवैध कब्जाधारियों को समाज में नंगा करने का प्रयास भी किया है। धीरे-धीरे मुस्लिम समाज को भी लगने लगा है कि हमारे समाज में शरियत के नाम पर व मुस्लिम पर्सनल लॉ के नाम पर फैल रही कुरीतियां हमारे विकास में बाधक है। इससे सरकार के लिए वन नैशन वन कोमन सिविल कोड लागू करने में ओर भी आसानी होगी। भारत में शताब्दियों तक मोदी युग को राष्ट्रहित, जनहित में कठोर एवं दूरगामी निर्णय लेने वाला युग माना जाता रहेगा। जिस तरह भारतीय जनता पार्टी के तीन संकल्पों को पूरा करने में नरेन्द्र मोदी जी जान से जुटे हैं, उसी तरह वन नैशन वन इलैक्शन को लेकर भी उन्होंने अपना होमवर्क पूरा कर लिया है।

उल्लेखनीय है कि देश में प्रति वर्ष कहीं न कहीं इलैक्शन चलते ही रहते हैं। देश की बहुत सी ऊर्जा व धन इन इलैक्शनों में खर्च होता है। यदि इस पर भी नियंत्रण करके देशभर में सभी तरह के इलैक्शन एक साथ होने लग जाये तो देश की विकास गति कई गुणा बढ़ सकती है किंतु यह बहुत मुश्किल है और यह भी सत्य है कि मोदी जी की डायरी में मुश्किल व असंभव जैसे शब्द नहीं मिलते। उनके अनुसार दृढ़ इच्छा शक्ति से सबकुछ संभव है। यह भी सच है कि प्रतिवर्ष चुनाव होने के कारण भ्रष्टाचार भी चरम सीमा पर पहुंच जाता है। अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल व उत्तर-प्रदेश में कहीं दीवारों के अंदर से अरबों रुपयों की बरसात हो रही है और कहीं फर्श तोड़कर तहखानों से करोड़ों रुपये निकाले जा रहे हैं और कहीं कमरों में नोटों की गड्डियां ठूँस - ठूँसकर भरी मिल रही है।

चुनावों में धनबल प्रयोग होने के कारण भ्रष्टाचार का यह सारा धन अगल-अलग हथकंडों से एकत्र किया जाता है।

ह्यूमन मेटान्यूमो वायरसः फिर से चिंता में डूबी दुनिया

प्रियंका सौरभ

ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस, न्यूमोविरिडे परिवार का हिस्सा है, यह एक श्वसन वायरस है जो हल्की सर्दी से लेकर निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस जैसे गंभीर फेफड़ों के संक्रमण तक की बीमारियों का कारण बनता है। हालाँकि फ्लू या रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस की तुलना में कम पहचाना जाने वाला, ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस दुनिया भर में श्वसन सम्बंधी बीमारियों का एक महत्त्वपूर्ण कारण है, खासकर सर्दियों और वसंत के दौरान। यह वायरस विशेष रूप से कमज़ोर आबादी जैसे कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा करता है। यह वायरस उनके लिए बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकता है, इसलिए जागरूकता बढ़ाना और निवारक क़दम उठाना महत्त्वपूर्ण है। शिशु और छोटे बच्चे विशेष रूप से ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी गंभीर श्वसन स्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं। बड़े वयस्क 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति, साथ ही अस्थमा या सीओपीडी जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों में जटिलताएँ होने की संभावना अधिक होती है। गर्भावस्था के दौरान एचएमपीवी के कारण श्वसन सम्बंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जो माँ और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती हैं। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमज़ोर होती है, चाहे वे किसी चिकित्सा स्थिति या कीमोथेरेपी जैसे उपचार के कारण हों, उनमें गंभीर लक्षण होने का जोखिम अधिक होता है। चीन में एचएमपीवी के हाल ही में हुए प्रकोप ने इस वायरस की संभावित गंभीरता को उजागर किया है, खासकर कमज़ोर समूहों में। ज़्यादातर संक्रमण 14 साल से कम उम्र के बच्चों में हुआ, जिनमें से कई मामलों में उनकी गंभीरता के कारण अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ी। लक्षणों में लगातार खांसी और बुखार से लेकर ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी अधिक गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं। अन्य श्वसन सम्बंधी बीमारियों से इसकी समानता निदान और उपचार को जटिल बनाती है। इसके प्रसार को रोकने के लिए, चीन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाथ धोने, मास्क पहनने और समय पर जाँच जैसे निवारक उपायों पर ज़ोर दिया हैं। वयस्कों में एचएमपीवी के लक्षण अक्सर सामान्य सर्दी या फ्लू जैसे होते हैं। इनमें,लगातार खांसी, अक्सर बलगम उत्पादन शामिल हैं। नाक बंद होना या नाक बहना, बुखार, आमतौर पर हल्का से मध्यम थकान और शरीर में सामान्य दर्द, गले में खराश, गंभीर मामलों में सांस लेने में तकलीफ़ शामिल हैं। बच्चों में गंभीर लक्षण होने की संभावना अधिक होती है. ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अत्यधिक संक्रामक है और विभिन्न माध्यमों से फैलता है। वायरस तब फैल सकता है जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता, छींकता या बात करता है, जिससे श्वसन की बूंदें हवा में फैलती हैं। वायरस संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क के माध्यम से फैल सकता है, खासकर अगर कोई उनके चेहरे, आंखों या मुंह को छूता है। वायरस सतहों पर बना रह सकता है और दूषित वस्तुओं जैसे कि दरवाजे की कुंडी या मोबाइल डिवाइस को छूने से संक्रमण का ख़तरा बढ़ जाता है। छोटे श्वसन कण हवा में निलंबित रह सकते हैं, खासकर भीड़भाड़ वाली या खराब हवादार जगहों पर। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के लक्षण अन्य श्वसन संक्रमणों से मिलते-जुलते हैं, जिससे सटीक निदान विशिष्ट प्रयोगशाला परीक्षणों पर निर्भर करता है।

यह आणविक परीक्षण उच्च सटीकता के साथ वायरस की आनुवंशिक सामग्री का पता लगाता है और इसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के निदान के लिए स्वर्ण मानक माना जाता है। रैपिड एंटीजन टेस्ट जल्दी परिणाम देते हैं लेकिन पीसीआर टेस्ट की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं। अधिकांश लोग बिना किसी जटिलता के लगभग 7 से 10 दिनों में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से ठीक हो जाते हैं। हालाँकि, कुछ समूहों को गंभीर जटिलताओं का अधिक जोखिम होता है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस वायरल निमोनिया का कारण बन सकता है, जिसके गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने और गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। शिशुओं और छोटे बच्चों को अक्सर वायुमार्ग में सूजन और रुकावट का अनुभव होता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई और घरघराहट होती है।

मुर्गा लड़ाई और टीवी सेठ

रामविलास जांगिड़

चार अलग-अलग व्यापारियों के मुर्गों की लड़ाई एक बड़े टीवी न्यूज़ चैनल पर हो रही थी। फालतू लोग उत्सुकता और उत्तेजना से इस चुनावी मुर्गा लड़ाई को देखने के लिए रोज न्यूज़ चैनल देखते थे। चैनल-चैनल ये मुर्गा लड़ाई जारी रहती। यह सिर्फ मुर्गों की लड़ाई नहीं थी बल्कि, चुनावी व्यापारियों के बीच झूठ, मक्कारी, बेईमानी और अहंकार का ही खेल था। ये लड़ाई निश्चित समय पर रोज शाम 4 से 7 के बजे हुआ करती। हमेशा की तरह आज भी चार अलग-अलग व्यापारियों ने अपने-अपने मुर्गों की ताकत का दावा ठोक डाला। हर व्यापारी अपने मुर्गे को सबसे झूठा, मक्कार और चालाक बताता। ये व्यापारी थे- गठबंधानी, जो अपने काले और चमकीले मुर्गे कालू को लेकर आया था। पलटूराम, जिसका सफेद और लंबी चोंच वाला मुर्गा चांद था। दलदली, जिसके पास हल्के भूरे रंग का सूरज नाम का मुर्गा था; और रबड़दली, जो लाल पंखों वाले खूबसूरत मुर्गे लालू को लेकर आया था। न्यूज़ चैनल पर चारों मुर्गों को गोल घेरे के भीतर लाया गया। लोग रजाई में दुबककर लड़ाई की शुरुआत से ही मजे लेने शुरू कर देते थे। टीवी माता की हसीन एंकरी बाई अपनी रंगीन मुस्कुराहट के साथ ही मुर्गों को टीवी स्क्रीन पर खुला छोड़ देती। अक्सर मुर्गे टीवी की स्क्रीन फाड़कर बाहर निकल जाया करते थे। बाहर निकल कर वहीं दर्शकों के सामने ही अंडे दे दिया करते। इससे देश में भुखमरी की समस्या का समाधान हो जाता। प्रायः कालू और चांद एक-दूसरे के सामने खड़े हो जाते। कालू अपनी चोंच में झूठ की तोप लेकर हमला किया करता, लेकिन चांद बेईमानी की फुर्ती से बचते हुए पोस्टर दिखाकर वार करता। वहीं दूसरी ओर सूरज और लालू की लड़ाई लैपटॉप और मोबाइल दिखाकर होती। लालू अपनी जालसाजी के लिए जाना जाता, लेकिन सूरज की मक्कारी उसे चौंका डालती। लड़ाई जैसे-जैसे आगे बढ़ती, टीवी दर्शकों का उत्साह बढ़ता जाता। दर्शक चीखते चिल्लाते। वे अपने-अपने पसंदीदा मुर्गे-मुर्गियों का हौसला बढ़ाते। चुनावी व्यापारी अपना जोश दिखाते। मुर्गों की लड़ाई में सिर्फ ताकत ही नहीं, बल्कि उनकी मक्कारी और झूठबाजी भी देखी जाती है। कालू ने चांद को दबाने की कोशिश की, लेकिन चांद ने अपनी जालसाजी से बचते हुए न्यूज़ चैनल के स्टूडियो में उसे चारों ओर दौड़ाया। उधर, सूरज ने लालू के पैरों पर वार कर उसे गिराने की कोशिश की। लालू ने अपनी लंबी गर्दन से वार कर सूरज को कैमरामैन की ओर पटक दिया। इससे कैमरामैन लहू-लुहान हुआ और डॉक्टर लोगों को एक नया धंधा मिला। देश के सभी पति-पत्नी आपस में लड़ते हुए न्यूज़ चैनलों की ऐसी लड़ाई के मजे लेते। टीवी की इस मुर्गा लड़ाई में कभी भी कोई मुर्गा नहीं जीत पाया। सभी मुर्गे आपस में एक दूसरे से पंजा लड़ाते और हाथापाई करते। वे अपने-अपने व्यापारियों के हितों के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर हो जाते।

कुंभ मेले का चीन से कनेक्शन, मोहिनी के पीछे क्यों दौड़ने लगे थे भगवान शिव ?

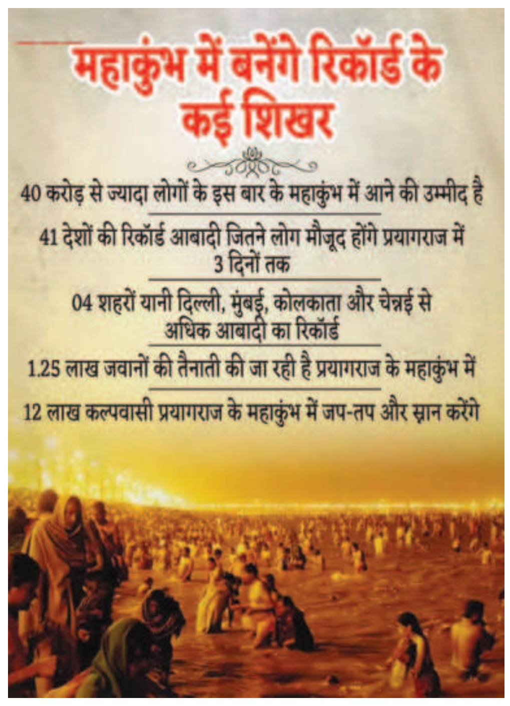

महाकुंभ की कथा अजब है। कुंभ पर्व के आयोजन को लेकर एक प्रचलित कथा यह है कि देवों और दानवों के बीच समुद्र मंथन से हासिल अमृत को लेकर छीना-झपटी में कुंभ से अमृत की चार बूंदें धरती पर आ गिरी थीं, तभी से प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में कुंभ मेले का आयोजन होने लगा। भागवत पुराण के अनुसार, महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण जब इंद्र समेत सभी देवता कमजोर पड़े तो दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें हरा दिया।

तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हे सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करने सलाह दी। इसके बाद सभी देवताओं और दैत्यों ने मिलकर समुद्र मंथन किया। जब कुंभ यानी घड़े में भरा अमृत निकला तो देवताओं के इशारे से इंद्र का बेटा जयंत कौवे का रूप धारण कर अमृत कलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के आदेशानुसार दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयंत का पीछा किया और रास्ते में ही जयंत को पकड़ लिया। इसके बाद अमृत कुंभ के लिए देवताओं और दानवों में 1 दिन तक युद्ध चलता रहा।

जब मोहिनी रूप धारण करके भगवान विष्णु ने किया 'खेल'

पदम़पुराण के अनुसार, मोहिनी भगवान विष्णु का एकमात्र स्त्री अवतार है। इसमें उन्हें ऐसे स्त्री रूप में दिखाया गया है जो सभी को मोहित कर ले। उसके मोह में वशीभूत होकर कोई भी सब भूल जाता है। इस अवतार का जिक्र महाभारत में भी है। समुद्र मंथन के समय जब देवताओं व असुरों को सागर से अमृत मिल चुका था, तब देवताओं को यह डर था कि असुर कहीं अमृत पीकर अमर न हो जाएं। तब वे भगवान विष्णु के पास गए। भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लेकर अमृत देवताओं को पिलाया व असुरों को मोहित कर अमर होने से रोका।

ऐसे हुआ था समुंद्र मंथन, अमृत कलश लेकर भागे

समुद्र मंथन के दौरान अंतिम रत्न अमृत कलश लेकर भगवान विष्णु धन्वंतरि के रूप में प्रकट हुए। असुर भगवान धन्वंतरि से अमृत कलश लेकर भाग गए तो विष्णु ने धन्वंतरि के रूप को त्यागकर एक नारी का रूप लिया। जो इतनी सुंदर थी कि उस नारी का नाम मोहिनी रखा गया। मोहिनी ने असुरों से अमृत लिया और देवताओं के पास गईं। उन्होंने असुरों को अपनी ओर मोहित कर लिया और देवताओं को अमृत पिलाने लगीं।

विष्णु की माया समझने वाले असुर का सिर काटा, बने राहु-केतु

मोहिनी रूपी विष्णु की चाल स्वरभानु नाम का दानव समझ गया और वह देवता के वेश में अमृत पीने चला गया। मोहिनी को जब ये बात पता चली तो उन्होंने स्वरभानु का सिर सुदर्शन चक्र से काट दिया किंतु तब तक उसके गले से अमृत की घूंट नीचे चली गई और वह अमर हो गया और राहु के नाम से उसका सिर और केतु के नाम से उसका धड़ प्रसिद्ध हुआ।

कुंभ की जगह महाकुंभ का आयोजन क्यों

ऐसा कहा जाता है कि इस युद्ध के दौरान प्रथ्वी के चार स्थानों पर अमृत कलश की कुछ बूंदे गिरी थी। जिनमें से पहली बूंद प्रयागराज में, दूसरी हरिद्वार में, तीसरी बूंद उज्जैन और चौथी नासिक में गिरी थी। यही वजह है कि इन्हीं चार जगहों पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। कुंभ का अर्थ है 'अमृत' कलश। ऐसा माना जाता है कि देवताओं के 12 दिन, पृथ्वी पर 12 साल के बराबर होते हैं। इसलिए हर 12 साल में महाकुंभ होता है।

मोहिनी के रूप पर आसक्त क्यों हुए थे भगवान शंकर

श्रीमद्भागवत में भगवान विष्णु के मोहिनी रूप और भगवान शंकर का उस पर आसक्त होने के बारे में जिक्र है। इसमें लिखा गया है-

आत्मानं मोचयित्वाङ्ग सुरर्षभभजान्तरात।
प्रादवत्सापृथु श्रोणी माया देवविनिम्र्मता।।30।।
तस्यासौ पदवीं रूद्रो विष्णोरद्भुत कम्मर्णः।
प्रत्यपदत्तकामेन वैदिणेव निर्निर्जितः।।31।।
तस्यानुधावती रेतश्चल्कन्दार्माघरेतसः।
शुष्मिणो यूथपस्येव वासितामनु धावतः।।32।।

अर्थात हे महाराज! तब देवों में श्रेष्ठ शंकर के दोनों बाहुओं के बीच से अपने को छुड़ाकर वह भगवान विष्णु की बनाई मोहिनी भाग चली। अपने वैरी कामदेव से मानो परास्त होकर महादेव भी विचित्र चरित्र वाले विष्णु के मायामय मोहिनी रूप के पीछे-पीछे दौड़ने लगे। पीछा करते-करते ऋतुमती हथिनी के अनुगामी हाथी की तरह अमोघवीर्य महादेव अपने काम पर नियंत्रण खो बैठे।

में कहा गया है कि इतिहास में कुंभ मेले की शुरुआत का प्राचीनतम वर्णन सातवीं सदी में सम्राट हर्षवर्धन के समय मिलता है। उस वक्त भारत आए चीन के प्रसिद्ध तीर्थयात्री ह्वेनसांग के बारे में कहा जाता है कि वह प्रयाग के कुंभ में शामिल हुए थे। इसी प्रयागराज में हर्ष ने धर्म परिषदों का भी आयोजन किया था। वहीं, आदि गुरु शंकराचार्य को बाकायदा इसकी शुरुआत का श्रेय दिया जाता है। जिन्होंने पूरे भारत में सनातन धर्म को फिर से स्थापित करने के लिए कुंभ मेले के आयोजन की शुरुआत की थी।

कुंभ में सूर्य, चंद्र, गुरु और शनि की भूमिका अहम

सारे ग्रहों में से सूर्य, चंद्र, गुरु और शनि की भूमिका कुंभ में अहम मानी जाती है। जब अमृत कलश को लेकर देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध चल रहा था तब कलश की खींचतान में चंद्रमा ने अमृत को बहने से बचाया, गुरु ने कलश को छुपाया था। वहीं, सूर्य देव ने कलश को फूटने से बचाया और शनि ने इंद्र के गुस्से से रक्षा की। इसीलिए, जब इन ग्र्हों का योग संयोग एक राशि में होता है तब कुंभ मेले का आयोजन होता है।

कुंभ से महाकुंभ तक पहुंचने में 144 साल लगे

हर तीसरे वर्ष कुंभ का आयोजन होता है। गुरु ग्रह एक राशि में एक साल तक रहता है और हर राशि में जाने में लगभग 12 वर्षों का समय लग जाता है। इसीलिए हर 12 साल बाद उसी स्थान पर कुंभ का आयोजन किया जाता है। निर्धारित चार स्थानों में अलग-अलग स्थान पर हर तीन साल में कुंभ लगता है। प्रयाग के कुंभ का विशेष महत्व है। 144 वर्ष बाद यहां पर महाकुंभ का आयोजन होता है।

पहले होता है शाही स्नान, तब आम लोग लगाते हैं डुबकी

कुंभ मेले में पहले स्नान का नेतृत्व संतों द्वारा किया जाता है, जिसे कुंभ के शाही स्नान के रूप में जाना जाता है और यह सुबह 3 बजे शुरू होता है। संतों के शाही स्नान के बाद आम लोगों को पवित्र नदी में स्नान करने की अनुमति मिलती है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह माना जाता है कि जो इन पवित्र नदियों के जल में डुबकी लगाते हैं, वे अनंत काल तक पाप मुक्त भी हो जाते हैं और उन्हें मोक्ष मिल जाता है।

यूनेस्को की सूची में शामिल है कुंभ मेला

दुनिया की सबसे बड़ी सभा कुंभ मेले को यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' में शामिल किया गया है। कुंभ मेला उन तिथियों पर लगता है जब अमृत पवित्र कलश से इन नदियों में गिरा था। हर साल तिथियों की गणना बृहस्पति, सूर्य और चंद्रमा की राशि के पदों के संयोजन के अनुसार की जाती है।

इस बार महाकुंभ में अनूठी पहल, 2 माह कन्याएं करेंगी गंगा आरती, शंखनाद व पूजा करेंगी महिलाएं

तीर्थनगरी प्रयागराज में इस साल महाकुंभ का आयोजन होने वाला है। महाकुंभ का यह धार्मिक आयोजन 13 जनवरी 2025 से शुरु हो जाएगा। इसके लिए भव्य रुप से तैयारियां की गई है। साधु-संतों की अगवानी का कार्यक्रम शुरु हो चुका है। जहां इस बार प्रयागराज महाकुंभ दिव्य, भव्य, सुरक्षित, डिजिटल, स्वच्छ और ग्रीन होगा, तो वहीं दूसरी तरफ यह नारी सशक्तिकरण की भी अनूठी मिसाल भी बनेगा।

दरअसल, प्रयागराज में संगम किनारे प्रतिदिन होने वाली जय त्रिवेणी जय प्रयागराज आरती समिति की तरफ से इस बार महाकुंभ के दो महीनों में कन्याएं गंगा आरती संपन्न कराएंगी। इसके साथ ही इस बार पूजा, डमरू और शंखनाद महिलाओं द्वारा किया जाएगा। वहीं प्लेटफार्म पर चढ़कर आरती के पात्र को हाथ में लेकर सभी रस्में भी अदा करेंगी।

'जय त्रिवेणी जय प्रयागराज आरती समिति' की पहल

पूरी दुनिया में यह पहला ऐसा मौका होगा, जब की बड़े पैमाने पर ऐसी पहल की जाएगी और बड़े पैमाने पर नियमित होने वाली आरती को कन्या संपन्न करेंगी। इससे दुनिया को एक विशेष संदेश भी मिलेगा।

आरती समिति के सदस्य ने दी जानकारी

जय त्रिवेणी जय प्रयाग आरती समिति के सदस्य कृष्ण दत्त तिवारी ने आईएएनएस को बताया कि, इतने सालों के बाद प्रयागराज की पावन नगरी में इस एक बार फिर महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर एक अनोखी पहल के माध्यम से नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और महिलाओं व पुरुषों के बीच समानता का भाव स्थापित करने के उद्देश्य से इस बार दुनिया को एक संदेश देना चाहते हैं।

महिला बटुकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

महाकुंभ की तैयारियों संगम नगरी में गंगा आरती को लेकर खास तैयारी की जा रही है। महाकुंभ की तैयारियों में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और अन्य राज्यों से महिला बटुकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, उन्हें गंगा आरती के विशेष मंत्र और पूजा विधियों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कि वे गंगा आरती में पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ भाग लें।

महाकुंभ मेला आने वाले 5 करोड़ भक्त करेंगे मां विंध्यवासिनी का दर्शन

प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेला 2025 की तैयारी की जा रही है। महाकुंभ मेले में 45 करोड़ भक्तों के आने की संभावना है। वहीं, मिर्जापुर में 5 करोड़ भक्तों के आने का अनुमान है। अगर आप भी प्रयागराज से मिर्जापुर दर्शन करने के लिए आ रहे हैं, तो बेहद कम खर्च में त्रिकोण यात्रा कर सकते हैं।

आप ट्रेन या बस किसी भी माध्यम से मिर्जापुर आ सकते हैं। यहां पर आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी के साथ ही मां सरस्वती की अवतार अष्टभुजा व महाकाली की अवतार कालीखोह के दर्शन कर सकेंगे। मां के त्रिकोण यात्रा में यह तीनों मंदिर प्रमुख हैं।

प्रयागराज से मिर्जापुर में स्थित जगत जननी मां विंध्यवासिनी धाम की दूरी 95 किलोमीटर दूर है। प्रयागराज से मिर्जापुर आने के लिए बस और रेल की सुविधा है। बस से आप आसानी से विंध्याचल रोडवेज स्टेशन आ सकते हैं।

जहां बस का किराया 149 रुपये हैं। बस स्टैंड से महज 10 रुपए देकर आप मां विंध्यवासिनी धाम आ सकते हैं। मां विंध्यवासिनी धाम से 20 रुपये देकर अष्टभुजा और 30 रुपये देकर कालीखोह मंदिर पहुंच जाएंगे। सड़क मार्ग से भक्त नैनी वाया मेजा होते हुए या वाराणसी वाया गोपीगंज से होकर आ सकते हैं।

इतना है होटल का किराया

अगर कोई भक्त मां विंध्यवासिनी धाम में रुककर दर्शन करना चाह रहे हैं तो 1000 से 1200 रुपए के बीच में होटल मिल जाएगा। वहीं, महज 100 रुपए थाली में भोजन उपलब्ध है। एक भक्त पर अनुमानित 1000 रुपए खर्च आएगा। मां के दर्शन के साथ ही भक्त कई फॉल व झरने घूम सकते हैं। मिर्जापुर से दर्शनार्थी आसानी से बस के माध्यम से लगभग ढाई घंटे में वाराणसी पहुंच जाएंगे।

सुबह उठकर सबसे पहले करें ये 3 आसान काम

तुमने अपने घर के बड़ों से अकसर सुना होगा कि सुबह जल्दी उठना चाहिए। इसके पीछे जितने आध्यात्मिक कारण हैं उतने ही स्वास्थ्य से जुड़े भी मायने मिलते हैं। इसलिए सुबह जल्दी उठने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि इससे शारीरिक लाभ मिलते हैं। पॉजिटिव, शांति दिमाग व अच्छे विचार मिलते हैं। शारीरिक व ज्योतिष की दृष्टि से बहुत अच्छा माना जाता है। इसमें जल्दी उठने वाले लोगों को कई तरह के फायदे होते हैं। साथ ही आपके जीवन में आने वाली बाधाएं भी इससे दूर होती है व खुशहाली आती है।

इस मंत्र का जप करें

प्रतिदिन सुबह जल्दी उठकर 'कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती, करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते करदर्शनम' मंत्र का जाप करें। जब आप इस मंत्र का जाप करें तो अपनी दोनों हथेलियों को देखना चाहिए। इसके बाद दोनों हथेलियों को अपने चेहरे पर फेरते हुए भगवान को शुक्रिया करें। इससे आपकी जिंदगी में चमत्कारी बदलाव देखने के मिल सकते हैं।

सुबह जल्दी उठकर करें इष्ट देव का ध्यान

सुबह जल्दी उठकर अपने इष्टदेव का ध्यान करें और उनसे अपने अच्छे जीवन का आशीर्वाद लें। इस प्रक्रिया को करने से आपका तनाव दूर होता है और मन में शांति बनी रहती है। आपका मन एकाग्र रहता है।

सुबह जल्दी उठकर करें पूजा

सुबह जल्दी उठने से आपकी जिंदगी में ताजगी बनी रहती है। वहीं अगर आप सुबह जल्दी उठकर भगवान का पूजन करने से मानसिक मजबूती मिलती है। पूजा के बाद घर के बड़ों का आर्शीवाद अवश्य लेना चाहिए। इससे आपके जीवन में आई सभी परेशानियां दूर हो सकती है।

महाभारतः वो कौन सी बेशकीमती मछली, जिसकी आंख पर अर्जुन ने स्वयंवर में लगाया था निशाना

क्या आपको मालूम है कि द्रौपदी के स्वयंवर के लिए पांचाल के राजा द्रुपद ने मत्स्य यंत्र में जो बेशकीमती मछली लगवाई थी, वो कौन सी मछली है, इसे दुनिया की बेशकीमती मछलियों में गिना ही नहीं जाना बल्कि ये सौभाग्य की भी प्रतीक होती है। इसी घूमती हुई मछली की आंख पर सटीक निशाना लगाकर अर्जुन ने स्वयंवर में द्रौपदी का वरण कर लिया था।

द्रौपदी के स्वयंवर के दौरान एक पानी के एक बर्तन के ऊपर घूम रही थी। प्रतियोगियों को नीचे पानी में मछली के प्रतिबिंब को देखकर निशाना लगाना था। अर्जुन ने सफलतापूर्वक निशाना मारा, जिससे द्रौपदी का विवाह हो गया। इस संदर्भ में इस्तेमाल की गई मछली को मत्स्य यंत्र कहा जाता है, जो तीरंदाजी में कौशल और सटीकता का प्रतीक है।

भारतीय संस्कृति में ये समृद्धि का प्रतीक

ये फिश अपने चमकदार रंगों और सुंदरता के लिए जानी जाती है। खासकर एशियाई संस्कृतियों में, इसे सौभाग्य, समृद्धि और सफलता का प्रतीक माना जाता है। भारत में कुछ लोग इसे लक्ष्मी का प्रतीक भी मानते हैं। महाभारत में इस मछली को सुनहरी मछली कहा गया है यानि गोल्डेन फिश। वैसे भारतीय मिथॉलॉजी में गोल्डेन फिश का खास महत्व है। गोल्डेन फिश को दुनिया में खास और बेशकीमती फिश में गिना जाता है, इसकी कुछ खास और दुर्लभ किस्मों की कीमत लाखों डॉलर तक हो सकती है। भारत में ये मछली अपनी खासियतों के अनुसार हजारों से लेकर लाखों तक बिकती है।

इसे स्वयंवर में क्यों चुना गया

द्रौपदी के स्वयंवर के लिए गोल्डेन मछली को कौशल और सटीकता के कारण चुना गया था। मछली की आंख, जो लक्ष्य थी, को पानी के बर्तन के ऊपर रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों को इसके प्रतिबिंब के आधार पर सावधानीपूर्वक निशाना लगाना था। इस मछली की आंख काफी छोटी होती है।

पौराणिक कथाओं में इसका महत्व

गोल्डेन फिश भारतीय पौराणिक कथाओं में खास महत्व रखती है, उसको अक्सर दैवीय सुरक्षा और मार्गदर्शन से जोड़ा जाता है। विष्णु का मत्स्य अवतार सुनहरी मछली ही बताई जाती है। मत्स्य को प्रथम मनुष्य मनु को एक बड़ी बाढ़ से बचाने के लिए जाना जाता है, जिसने उनकी नाव को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। ये मछलियां गंगा और यमुना नदियों से भी जुड़ी हैं, जो जीवन देने वाले जल का प्रतीक हैं।

चीनी संस्कृति में इसे क्यों तवज्जो

चीनी संस्कृति में, सुनहरी मछली बहुतायत और उर्वरता का प्रतीक है। सुनहरी मछली की जोड़ी (जिसे अक्सर कार्प के रूप में दर्शाया जाता है) खुशी और समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है, जिसका उपयोग अक्सर शादी समारोहों में जोड़ों को एक साथ फलदायी जीवन की कामना करने के लिए किया जाता है।

कई लोक कथाओं में गोल्डेन फिश के बारे में कहानियां हैं जो उन लोगों की इच्छाएं पूरी करती हैं जो इसके जीवन को बचाते हैं।

लक्ष्मी की प्रतीक

देवी लक्ष्मी, जो धन और समृद्धि का प्रतीक हैं, उन्हें अक्सर सुनहरी मछली से जुड़ी होती हैं। ऐसा माना जाता है कि अपने घर में सुनहरी मछली रखने से धन और प्रचुरता का आशीर्वाद मिल सकता है, जो सौभाग्य के प्रतीक के रूप में उनकी भूमिका को मजबूत करता है।

सुनहरी मछली हिंदू अनुष्ठानों और त्योहारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दिवाली जैसे उत्सवों के दौरान, नदियों या तालाबों में सुनहरी मछली छोड़ना देवताओं को अर्पित किया जाना माना जाता है, जो नकारात्मक ऊर्जाओं की रिहाई और सकारात्मक बदलावों का स्वागत करने का प्रतीक है।

पोषक तत्वों से भरपूर

ये मछली पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जिसमें आयोडीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, डीएचए, ईपीए, आयरन, टॉरिन, मैग्नीशियम, फ्लोराइड और सेलेनियम शामिल हैं। ये मछली मुख्य रूप से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में पाई जाती है। हालांकि बढ़ते प्रदूषण के स्तर ने इन मछलियों को गहरे पानी में धकेल दिया है, जिससे उन्हें पकड़ना मुश्किल हो गया है और अब वो बाजार में दुर्लभ हो रही हैं।

कितने साल जिंदा रहती हैं

ये 20 से 40 साल तक जिंदा रहती हैं। करीब 4 से 16 इंच तक की हो सकती हैं। यह मछली अपनी बड़ी आंखों और सूंघने तथा सुनने की बेहतरीन इंद्रियों के लिए जानी जाती है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार , दुनिया की सबसे लंबी पालतू गोल्डफिश 18.7 इंच की है। दुनिया भर में लोग कभी-कभी विशालकाय गोल्डफिश पकड़ते हैं, जो हमारे द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली छोटी मछलियों से बिलकुल अलग होती है।

हंसा बनकर हंसाया, नेगेटिव रोल में छा गईं सुप्रिया पाठक, परिवार फिल्मों में है सक्रिय

सुप्रिया पाठक की मां दीना पाठक जानी-मानी फिल्म-थिएटर आर्टिस्ट रहीं, वहीं पिता बलदेव पाठक, राजेश खन्ना और दिलीप कुमार जैसे कलाकारों के ड्रेसमेकर रहे। इस तरह से सुप्रिया का पालन-पोषण फिल्मों से संबंध रखने वाले परिवार में हुआ। मां से प्रेरणा लेकर सुप्रिया ने थिएटर से एक्टिंग की शुरुआत की, बाद में वह फिल्मों और टीवी सीरियल्स में नजर आईं।

शुरुआती दौर में किए लीक से हटकर किरदार

फिल्मों और टीवी सीरियल में जब सुप्रिया पाठक ने अभिनय करना शुरू किया तो उन्होंने लीक से हटकर रोल ही निभाए। वह 'विजेता' 'बाजार' 'मासूम' और 'मिर्च मसाला' जैसी फिल्मों का हिस्सा बनीं। टीवी पर भी सुप्रिया पाठक ने 'इधर-उधर' जैसे सीरियल में अभिनय किया, इसमें उनका किरदार एक मॉर्डन लड़की का रहा। इसके अलावा वह कई और टीवी सीरियल्स का हिस्सा बनीं।

हंसा का किरदार बन गया पहचान

सुप्रिया पाठक को फिल्मों में निभाए गए किरदारों के लिए खूब तारीफ, अवॉर्ड्स मिले। मगर एक किरदार उनकी पहचान बन गया है। यह किरदार है हंसा का, कॉमिक सीरियल 'खिचड़ी' में उन्होंने यह किरदार निभाया। आज भी दर्शक सुप्रिया को इसी नाम से पुकारते हैं। यह एक सीधा-साधा लेकिन थोड़ा नासमझ किस्म का किरदार है। सुप्रिया ने भी हंसा के किरदार को बहुत ही बेहतरीन ढंग से निभाया है।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में किया नेगेटिव रोल

हंसा के किरदार में जहां सुप्रिया पाठक ने दर्शकों खूब हंसाया, वहीं साल 2013 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में दीपिका पादुकोण के किरदार की मां धनकोर बा का किरदार निभाया। फिल्म में यह एक नेगेटिव कैरेक्टर था। इस किरदार के जरिए सुप्रिया दर्शकों को हैरान करने में कामयाब रहीं।

परिवार में मौजूद हैं कई एक्टर्स

सुप्रिया के माता-पिता तो फिल्मों से संबंध रखते ही थे, उनकी बहन रतना पाठक शाह हैं, जो एक नामी बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं। वहीं सुप्रिया के पति पंकज कपूर हैं, वो भी बॉलीवुड के उम्दा और जाने-माने एक्टर हैं। पंकज की सुप्रिया से दूसरी शादी है। इन दोनों उम्दा कलाकारों के अलावा सुप्रिया के परिवार के कई सदस्य फिल्मों में अभिनय करते हैं। जैसे पंकज कपूर की पूर्व पत्नी नीलिमा से शाहिद कपूर हुए हैं। शाहिद और सुप्रिया का रिश्ता बहुत ही प्यारा है। शाहिद, सुप्रिया पाठक का बहुत सम्मान करते हैं। इसके अलावा सुप्रिया की बहन रतना पाठक के पति नसीरुद्दीन शाह हैं। सुप्रिया और पंकज कपूर की बेटी सना कपूर ने भी फिल्मों में अभिनय किया है। इनका एक बेटा भी है, जिसका नाम रूहान है।

करोड़ों की संपत्ति की मालकिन हैं धनश्री वर्मा, जानें तलाक हुआ तो युजवेंद्र चहल पत्नी को देंगे कितनी प्रापर्टी?

मशहूर भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। खबरों की मानें तो चहल पत्नी धनश्री वर्मा संग तलाक लेने जा रहे हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम से भी एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। जिसके बाद से कपल के तलाक की खबरों ने तूल पकड़ ली है।

तलाक की खबरों के बाद से क्रिकेटर की पत्नी धनश्री वर्मा को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा प्रोफेशन से एक डेंटिस्ट हैं। साथ ही उन्हें डांस का भी बहुत शौक है। चहल संग शादी के बाद उन्हें खूब फेम भी मिला और कई डांस रियलिटी शोज में भी उन्हें देखा गया।

युजवेंद्र चहल संग तलाक की खबरों के बाद से धनश्री वर्मा की नेटवर्थ को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। चलिए आपको बताते हैं कि कितनी संपत्ति की मालकिन हैं धनश्री वर्मा।

दुबई में जन्मी धनश्री वर्मा ने शुरुआत में डेंटिस्ट में अपना करियर बनाया और 2014 में अपनी डिग्री हासिल की। हालांकि, डांस के प्रति उनके जुनून ने उन्हें खूब प्रसिद्धि दिलाई, जहां वह एक सफल कोरियोग्राफर बन गईं। सोशल मीडिया पर उनके डांस के दीवानों की संख्या भी करोड़ों में है।

धनश्री वर्मा के नेटवर्थ

2025 में धनश्री की अनुमानित कुल संपत्ति लगभग $3 मिलियन यानी कि 24 करोड़ रुपये है। वह कोरियोग्राफी, ब्रांड एंडोर्समेंट और उनकी सोशल मीडिया के जरिए खूब पैसा करोड़ों रुपये कमाती हैं।

रियलिटी शो में आईं नजर

धनश्री ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' में एक कंटेस्टेंट के रूप में देखा गया। उन्होंने अपने टैलेंट के साथ अपनी खास पहचान बनाई है। डांस के अलावा, वह एक सफल बिजनेसवुमन भी हैं। अपनी कोरियोग्राफी सेवाओं, ऑनलाइन डांस क्लास और टॉप ब्रांडों के साथ सहयोग के माध्यम से एक ब्रांड को बना रही हैं।

युजवेंद्र चहल देंगे धनश्री को कितनी प्रॉपर्टी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का तलाक होता है तो अदालत के फैसलों और आपसी समझौतों के आधार पर क्रिकेटर को अपनी वार्षिक आय का 20% से 30% गुजारा भत्ता के रूप में उन्हें धनश्री को देना पड़ेगा।

ऑस्कर दावेदारी लिस्ट में पांच भारतीय फिल्में 300 से ज्यादा फिल्मों से मुकाबला

फिल्म 'लापता लेडीज' बेशक ऑस्कर की रेस से बाहर है, लेकिन भारतीय फिल्मों के लिए इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड में उम्मीद की किरण अभी बाकी है। 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह को अब सिर्फ दो महीने बाकी हैं, अब अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने इस साल के ऑस्कर के लिए एलिजिबल 323 फीचर फिल्मों की सूची जारी की है। इनमें से 207 फिल्में प्रतिष्ठित पुरस्कारों में बेस्ट पिक्चर कैटेगरी की पात्रता जरूरतों पर खरी उतरी हैं, दिलचस्प बात ये है कि दावेदार फिल्मों में पांच भारतीय फिल्में भी शामिल हैं, जो 207 फिल्मों की सूची में जगह बनाने में कामयाब रही हैं।

इस दिन वोटिंग शुरू होगी

सूची में दावेदार इन भारतीय फिल्मों में कंगुवा (तमिल), द गोट लाइफ (हिंदी), संतोष (हिंदी), स्वातंत्र्य वीर सावरकर (हिंदी), ऑल वी इमैजिन एज लाइट (मलयालम-हिंदी) और गर्ल्स विल बी गर्ल्स (हिंदी-इंग्लिश) के नाम हैं। इन फिल्मों नामांकन के लिए वोटिंग कल, बुधवार 8 जनवरी, 2025 से शुरू होगी और 12 जनवरी, 2025 तक ही जा सकेगी, अकादमी 17 जनवरी, 2025 को अंतिम नामांकन का एलान करेगी।

किसे मिलेगा नामांकन

मनोबाला विजयबालन ने एक्स पर पोस्ट साझा कर 'कंगुवा' के लिस्ट में जगह बनाने की बात साझा की है। उन्होंने लिखा है, 'कंगुवा' ने ऑस्कर 2025 में एंट्री की। भारतीय दर्शकों बेसब्री से यह इंतजार कर रहे हैं कि क्या कोई भारतीय फिल्म नामांकन हासिल कर पाती है।

कब होगा ऑस्कर का आयोजन?

फिल्म कंगुवा को करीब 350 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म औंधे मुंह गिरी। अब ऑस्कर में यह फिल्म दुनियाभर से 323 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। इस फिल्म में सूर्य (सूर्या) मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा फिल्म में बॉबी देओल और दिशा पाटनी जैसे सितारे भी हैं। यह फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। बात करें ऑस्कर की तो इनका आयोजन 2 मार्च 2025 को लॉस एंजेलिस में होगा।

'बच्चे भी नहीं मानते गोविंदा की सलाह', पत्नी सुनीता आहूजा ने बताया, डेविड धवन संग क्यों खराब हुए थे रिश्ते

गोविंदा 90 के दशक में मेकर्स के लिए बैंककेबल स्टार हुआ करते थे. उस दौर में उन्होंने सुपरहिट फिल्मों की लाइन लगा दी थी. गोविंदा ने करियर की सबसे ज्यादा सफल फिल्में डायरेक्टर डेविड धवन के साथ दी हैं. दोनों की 'साजन चले ससुराल', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'हीरो नंबर 1', 'राजा बाबू' जैसी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस बड़ी सफल साबित हुईं. हाल ही में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने बताया कि एक्टर और डेविड धवन के बीच रिश्ते कैसे खराब हुए थे. उनका कहना है कि गोविंदा आज भी 90 के दशक में अटके हुए हैं, यहां तक कि उनके बच्चे भी उनकी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते हैं.

इंटरव्यू में सुनीता आहूजा ने कहा, 'मैं हमेशा कहती हूं कि डेविड धवन मेरे पिता जैसे हैं. उनके साथ मेरी बहुत अच्छी बॉन्डिंग थी. लेकिन क्या होता है कि उस समय, एक्टर्स के पास बहुत सारे चमचे होते थे और वे गलतफहमियां पैदा करते थे. डेविड और गोविंदा की पार्टनरशिप देखकर लोग जलते थे. जब आप अपने आस-पास निगेटिव लोगों को रखते हैं, तो उनकी निगेटिविटी आप पर भी असर डालती है.'

क्यों टूटी डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी?

सुनीता ने कहा कि फिल्ममेकर डेविड धवन ने गोविंदा से कभी कुछ गलत नहीं कहा, बल्कि उन्हें बदलते समय के साथ ढलने की सलाह दी थी. सुनीता ने बताया. 'डेविड ने कुछ भी गलत नहीं कहा. 90 के दशक में सोलो हीरो फिल्में चलती थीं, लेकिन अब ऐसी फिल्में चलेंगी? डेविड ने गोविंदा को सेकंड लीड रोल करने का सुझाव दिया था. बड़े मियां छोटे मियां में दोनों (गोविंदा और अमिताभ बच्चन) टॉप हीरो थे. लेकिन गोविंदा के आसपास के लोग उनके कान भरते थे कि तुम हीरो हो. यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आता था. गोविंदा के सर्कल में लोग अच्छे नहीं थे, सब भड़काने वाले थे.'

'मैं चापलूसी नहीं करती हूं'

गोविंदा की अपकमिंग फिल्मों को लेकर भी पत्नी सुनीत ने बात की. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने तीन फिल्में अनाउंस की हैं, उम्मीद है कि सब अच्छा हो.' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह इन प्रोजेक्ट्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है. सुनीता ने कहा, 'मैं जब तक सब्जेक्ट नहीं सुनूंगी, मैं अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा बोलती हूं. मैं चापलूसी नहीं करती हूं, चाहे आप मेरे पति हों या गोविंदा. मैं वाह वाह प्रोडक्शन नहीं हूं, मैं सही-सही प्रोडक्शन हूं.'

बच्चे नही सुनते गोविंदा की सलाह

सुनीता आहूजा ने अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के बारे में भी बात की, जो 2025 में बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि करियर को लेकर गोविंदा की सलाह बच्चे नहीं मानते हैं. सुनीता ने बताया, 'कोई भी गोविंदा की सलाह नहीं सुनता, क्योंकि वह 90 के दशक में अटके हुए हैं. मैं 2024 के हिसाब से सलाह देती हूं. हम गोविंदा से बार-बार कहते हैं कि 90 के दशक से आगे बढ़ो.'

कोलकाता की 'लेडी गुंडा' कैसे बनी बॉलीवुड की बोल्ड अदाकारा?

माना जाता है कि हीरोइन बनने के लिए छरहरी काया और गोरा रंग होना अनिवार्य है। अभिनेत्रियों के लिए यही मानक तय हैं। मगर, कई अदाकाराओं ने इन तय मानकों को तोड़कर अपनी अभिनय प्रतिभा साबित की है। इस लिस्ट में एक नाम है बिपाशा बसु। सांवली रंगत वाली बिपाशा बसु ने अपने अभिनय और बोल्ड अंदाज से एक खास पहचान बनाई है।

दिल्ली में हुई शुरुआती पढ़ाई

बिपाशा बसु ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की और फिर अभिनय की दुनिया में चली आईं। अभिनेत्री का जन्म 7 जनवरी 1979 को दिल्ली में हुआ। वे बंगाली परिवार से ताल्लुक रखती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आठ साल की उम्र तक बिपाशा दिल्ली में रहीं और यहीं उनकी पढ़ाई-लिखाई हुई। फिर उनका परिवार कोलकाता शिफ्ट हो गया। स्कूल के दिनों में बिपाशा को 'लेडी गुंडा' कहा जाता था। दरअसल, वे क्लास की हेड गर्ल थीं। छोटे-छोटे बाल रखती थीं और व्यक्तित्व दमदार था, जिसके चलते वे खूब लाइमलाइट में रहा करतीं।

विवादों में रहा डिनो के साथ विज्ञापन

बिपाशा बसु किसी की सलाह पर मॉडलिंग की दुनिया में किस्मत आजमाने चली आईं। दरअसल, साल 1996 में कोलकाता के एक होटल में बिपाशा बसु को मॉडल मेहर जेसिया रामपाल ने देखा। उन्होंने बिपाशा को मॉडलिंग करने का सुझाव दिया। उसी साल बिपाशा ने सुपरमॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और वह जीत गईं। फिर मियामी में फोर्ड मॉडल्स सुपरमॉडल ऑफ द वर्ल्ड प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया और फिर इसी तरह उनका मॉडलिंग का सफर शुरु हुआ। उन्हीं दिनों बिपाशा को डिनो मोरिया मिले और फिर इनके बीच नजदीकियां बढ़ीं। दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे। दोनों ने साथ में एक बोल्ड विज्ञापन किया, जो काफी विवादों में रहा।

विनोद खन्ना का ऑफर ठुकरा दिया

मॉडलिंग की दुनिया में बिपाशा की किस्मत चमकने लगी और फिर वे कई मैगजीन के कवर पेज पर छाईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिपाशा ने जब सुपरमॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, तब उसमें विनोद खन्ना जज के पैनल में शामिल थे। कहा जाता है कि विनोद खन्ना 'हिमालय पुत्र' में बिपाशा को अपने बेटे के साथ लॉन्च करना चाहते थे, लेकिन बिपाशा ने वह ऑफर ठुकरा दिया। इसके अलावा जया बच्चन भी चाहती थीं कि बिपाशा जेपी दत्ता की फिल्म 'आखिरी मुगल' में अभिषेक बच्चन के साथ काम करें। लेकिन बाद में वह फिल्म ही कैंसिल हो गई। जेपी दत्ता ने उसी फिल्म की स्क्रिप्ट को बदलकर 'रिफ्यूजी' बनाई और इसमें करीना कपूर को कास्ट किया। हालांकि, फिल्म में एक छोटा सा रोल बिपाशा बसु को भी ऑफर किया गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

2001 में किया बॉलीवुड डेब्यू

बिपाशा बसु ने साल 2001 में बॉलीवुड में कदम रखा। अक्षय कुमार के साथ वे फिल्म 'अजनबी' में नजर आईं। फिल्म सफल रही। इसके बाद साल 2002 में बिपाशा ने 'राज' में काम किया। इस फिल्म में उनके अभिनय से ज्यादा बोल्डनेस की चर्चा हुई। फिल्म हिट रही और इसके गाने भी खूब हिट हुए। इसके बाद तो बिपाशा की झोली में कई फिल्में आईं। उन्होंने जिस्म, जमीन, मदहोशी, बरसात, नो एंट्री, धूम 2, फिर हेरा फेरी, ओमकारा और गोल सहित कई फिल्में कीं। साउथ फिल्मों में भी वे नजर आईं। इस दौरान डिनो मोरिया से उनका ब्रेकअप हो चुका था और जॉन अब्राहम के साथ उनकी नजदीकियां बढ़ीं। जॉन के साथ बिपाशा के प्यार के खूब चर्चे रहे। लेकिन, फिर इनकी राहें भी जुदा हो गईं। बिपाशा ने साल 2016 में करन सिंह ग्रोवर से शादी रचाई। कपल के एक बेटी है।

मुश्किल में पड़ी राम चरण की 'गेम चेंजर', तमिलनाडु में फिल्म की रिलीज पर मंडराए संकट के बादल

राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। तमिलनाडु में फिल्म की रिलीज को लेकर अब संकट के बादल घिर गए हैं। तमिल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लाइका प्रोडक्शंस ने तमिल प्रोड्यूसर्स काउंसिल से संपर्क करते हुए मांग की है कि जब तक शंकर अपनी फिल्म इंडियन 3 को पूरा नहीं करते और रिलीज नहीं करते, तब तक गेम चेंजर की रिलीज को रोक दिया जाए।

हादसे के बाद रुक गई थी इंडियन 2 की शूटिंग

बता दें कि फिल्म इंडियन 2 की शूटिंग के दौरान सेट पर एक हादसा हो गया था, जिसमें क्रू मेंबर्स की मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद शूटिंग रोक दी गई थी। इसके बाद शंकर ने गेम चेंजर पर काम करना शुरू कर दिया था।

इंडियन 2 के निर्माताओं ने जताई थी आपत्ति

रिपोर्ट्स के मुताबिक जब शंकर राम चरण की फिल्म में व्यस्त थे, तब लाइका प्रोडक्शंस ने उन पर यह कहते हुए केस कर दिया कि वह इंडियन 2 को बिना पूरा किए गेम चेंजर पर काम नहीं कर सकते। कहा जा रहा है कि इसके बाद से ही शंकर और लाइका प्रोडक्शंस के बीच सब कुछ सही नहीं चल रहा है।

फिर एक साथ दोनों फिल्मों पर करना पड़ा काम

इस कानूनी विवाद के कारण शंकर को एक साथ इंडियन 2 और गेम चेंजर पर काम करना पड़ा, लेकिन अब वह फिर से लाइका प्रोडक्शंस से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। अगर इस फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई जाती है तो यह गेम चेंजर के लिए एक बड़ा झटका होगा।

हिट होने के लिए इतने करोड़ की लेनी होगी ओपिनिंग

राम चरण अभिनीत यह फिल्म 10 जनवरी को रिलीज होने के लिए प्रस्तावित है। गेम चेंजर को बड़े बजट में बनाया गया है। फिल्म के केवल चार गानों पर ही 75 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इस फिल्म को हिट होने के लिए कम से कम 90 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने की जरूरत है।

25 साल पहले रजनीकांत ने की आखिरी हिंदी फिल्म, पहली बार किया इस एक्टर के साथ काम

साल 2000 में बनी बॉलीवुड फिल्म 'बुलंदी' तमिल फिल्म 'नट्टमई' की रीमेक फिल्म है। ये एक आखिरी फिल्म थी, जिसमें रजनीकांत ने काम किया। फिल्म में रेखा और रवीना टंडन भी नजर आईं। इसके अलावा 'बुलंदी' में परेश रावल और शक्ति कपूर ने भी शानदार अभिनय किया था। फिल्म का निर्देशन टी रामाराव ने किया। इस एक्शन फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर फैंस ने बहुत प्यार दिया। आइए आपको बताते हैं फिल्म से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें-

फिल्म से जुड़ी खास बातें

बुलंदी की रिलीज को 25 साल हो गए हैं, आइए आपको बताते हैं फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें-

फिल्म बुलंदी में अनिल कपूर और रजनीकांत ने पहली बार एक साथ काम किया था।

इस फिल्म के गाने जब गोरी ने को भी फैंस ने बहुत पसंद किया।

रजनीकांत ने एक डायलॉग को भी प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया था। डायलॉग था- 'गजराज ठाकुर ने एक बार कहा, तो समझ लेना सौ बार कहा'।

फिल्म में अनिल कपूर के किरदार दादा ठाकुर था, इस किरदार को पहले भी दिलीप कुमार निभाया था।

अनिल कपूर ने बुलंदी में 10 साल बाद डबल रोल किया था। इससे पहले उन्होंने साल 1990 में आई फिल्म किशन कन्हैया में डबल रोल किया था।

फिल्म को कनाडा में भी रिलीज किया गया था।

फिल्म में पहले करिश्मा कपूर को साइन किया गया था, इसके बाद उन्हें बदलकर रवीना टंडन को साइन किया गया।

अनिल कपूर और रजनीकांत की बुलंदी से पहले एक और फिल्म बुलंदी साल 1981 में रिलीज हुई थी, इसमें कुलभूषण खरबंदा में विलेन का किरदार निभाया था।

तेलुगु फिल्म पेदरायूदु (1995) तमिल फिल्म 'नट्टमई' (1994) की रीमेक थी। फिल्म 'नट्टमई' को बाद में हिंदी में 'बुलुंदी' नाम से बनाया गया। रजनीकांत ने नट्टमई के तेलुगु रीमेक, 'पेदरयूदु' (1995) और हिंदी रीमेक 'बुलुंदी' (2000) में अभिनय किया।

बॉक्स ऑफिस पर चलाया जादू

फिल्म बुलंदी ने बॉक्स ऑफिस पर अपना शानदार प्रदर्शन किया था। आंकड़ों की मानें तो फिल्म को 70 लाख रुपयों के बजट में बनाया गया। फिल्म ने भारत में 2.67 करोड़ रुपये की कमाई की, वहीं दुनिया भर में फिल्म ने 90 लाख 96 हजार रुपये का कारोबार किया था।

शादी के बाद माता-पिता से अलग रहने के हैं फायदे, दूरी क्यों होती है जरूरी

करियर के चलते परिवार से दूर रहना या फिर शादी के बाद निजता की वजह से परिवार से अलग रहना कई युवाओं की पसंद हो सकती है तो कइयों की मजबूरी। ऐसे में असल वजह को जानने की जरूरत है। राहुल और रीमा कई वर्षों से दोस्त हैं। ये दोस्ती अब बहुत आगे बढ़ चुकी है और एक रिश्ते में बदलने वाली है, जो कि है शादी। दोनों के माता-पिता भी इसके लिए सहमत हैं, लेकिन राहुल थोड़ा तनाव में है। वह अपने मन की बात रीमा को बताना चाहता है, मगर हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। इसका कारण है रीमा का शादी के बाद राहुल के माता-पिता से अलग रहने का प्लान!

उधर, कपिल और कविता की शादी को बमुश्किल साल भर भी नहीं हुआ है कि रिश्ता टूटने के कगार पर है। कविता और उसकी सास में बन नहीं रही और रोज-रोज कलह होती है। हालांकि कविता ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की कि कपिल के माता-पिता के साथ उसका रिश्ता अच्छा रहे और घर में सब मिल-जुलकर रहें, लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बाद भी ऐसा नहीं हो सका। कपिल बीच में फंसा महसूस करता है। अब स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि कविता ने कपिल को अल्टीमेटम दे दिया है कि उसे अलग रहना है। हालांकि दोनों मामले अलग हैं और दोष किसी का भी नहीं है, लेकिन यह अधिकतर परिवारों की कहानी हो सकती है। कहीं यह परिस्थितिवश पैदा हो जाती है और कहीं ऐसी परिस्थितियां पैदा की जाती हैं।

परिवार और करियर पर पश्चिमी और भारतीय कॉन्सेप्ट

पश्चिम की तरफ देखें तो वहां घर-परिवार तथा करियर का कॉन्सेप्ट अलग है और हमारे यहां की अवधारणा एवं संस्कार अलग। पश्चिम में युवा करियर के साथ ही अपने माता-पिता से अलग होकर उसी शहर में या दूर रहते हैं। माता-पिता को भी कोई आपत्ति या परेशानी नहीं होती है। युवाओं में भी एक धारणा होती है कि एक ही घर में, एक ही छत के नीचे रहेंगे तो उन्हें वह निजता और आजादी नहीं मिल सकेगी, जो उन्हें अलग घर में रहने पर मिलेगी। उलट है।

मजबूरी में नहीं हंसी-खुशी लें अलग रहने का फैसला

महानगरों में कई माता-पिता बच्चों को अपनी ही सोसाइटी या आस-पास ही अलग घर दिला देते हैं, ताकि बच्चे मनमर्जी से रह सकें और उन पर कोई बंदिश या निजता की समस्या न हो। माता-पिता भी खुश और बच्चे भी खुश! लेकिन ऐसा बहुत कम है, अधिकतर मामलों में तो पारिवारिक अनबन, निजता, आजादी, घर के खर्चे और सामाजिकता आदि मुद्दे ही आधार होते हैं। दरअसल, माता-पिता से अलग रहने का फैसला कहीं हंसी-खुशी से होता है तो कहीं मजबूरीवश।

परिवार में अपने लिए स्पेस बनाएं

आजकल डिजिटल मीडिया ने दूरियों को समेटकर डिवाइस तक सीमित कर दिया है। फिर अगर उसी शहर या सोसाइटी में बच्चे हंसी-खुशी से रहते हैं तो नुकसान किस बात का? एक तरह से यह व्यक्तिगत सोच और जरूरत का मुद्दा है और इसी नजरिये से इस पर सोचने की जरूरत है।

सबसे पहले उनसे मदद मांगे

कंसल्टेंट साइकोलॉजिस्ट साक्षी गुप्ता कहती हैं, शादी या करियर के लिए माता-पिता से दूर रहने का मतलब उनके प्रति लगाव कम होना नहीं है। दूर रहकर भी पारिवारिक रिश्ते मजबूत बने रह सकते हैं। युवा करियर के साथ ही पारिवारिक संबंधों को फोन कॉल, वीडियो चैट या संभव हो तो मुलाकात के माध्यम से मजबूत बनाए रख सकते हैं। माता-पिता और अपनी प्राथमिकताओं में संतुलन बनाएं। जब भी जरूरत पड़े, सबसे पहले माता-पिता से सलाह मांगें। कॅरिअर या निजी जीवन से संबंधित उपलब्धियों को साझा करें।

हर रिश्ते में सही संतुलन

समाजशास्त्री डॉ. सृष्टि की कहती हैं, एक ही शहर में माता-पिता से अलग रहना कोई बुरी बात नहीं है। इससे बच्चों को अपना स्पेस मिलता है और स्वतंत्रता भी, जो अंततः संबंधों में विषाक्तता से मुक्त स्वस्थ सामाजिक संबंधों के निर्माण के लिए आज की आवश्यकता है।

बुढ़ापा जीवन का एक संवेदनशील चरण है, जो भावनात्मक और शारीरिक रूप से माता-पिता में अपनेपन की भावना पैदा करता है।

लेकिन दोनों पक्ष आपसी सहमति से अलग रहना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं। याद रखें, करियर की सफलता और पारिवारिक संबंध एक रह सकते हैं। यह युवाओं पर निर्भर है कि वे ऐसा संतुलन-समाधान ढूंढें, जो उनके लिए सही हो।

डाइट प्लान से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहेगा

डायबिटीज दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, हर उम्र के व्यक्ति में इसका खतरा देखा जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, सभी में डायबिटीज का निदान हो रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसे सिर्फ कंट्रोल रखा जा सकता है। जिन लोगों में डायबिटीज की समस्या का निदान किया गया है उन्हें दवाइयों के साथ आहार और लाइफस्टाइल में ऐसे बदलाव करने चाहिए, जिससे ब्लड शुगर को बढ़ने से रोका जा सके। ब्लड शुगर का लगातार बढ़ा हुआ स्तर जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाला हो सकता है। ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने के लिए जरूरी है कि आप स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का सेवन करें। आहार में उन चीजों की मात्रा बढ़ाएं जो प्राकृतिक तौर पर शुगर को बढ़ने से रोकने में मददगार हो सकती हैं।

डाइटिशियन बताते हैं, अगर आहार पर ध्यान दे दिया जाए तो शुगर को कंट्रोल में रखना आसान हो सकता है। आइए जानते हैं कि इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना जरूरी हो जाता है?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, शुगर को कंट्रोल रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भोजन में पौष्टिक चीजों की ठीक मात्रा सुनिश्चित करें। सबसे पहले सलाद/सब्जियां खाएं, उसके बाद प्रोटीन और वसा वाली चीजों का भी सेवन करें। कार्ब्स और शुगर वाली चीजों का सेवन कम करें। डायबिटीज की स्थिति शरीर को धीरे-धीरे कमजोर करती जाती है इसलिए सिर्फ शुगर कंट्रोल करने के लिए ही नहीं शरीर को बेहतर पोषण और ताकत के लिए भी आहार की पौष्टिकता का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है।

कुछ स्वस्थ बदलाव जरूरी

आहार में कुछ प्रकार के बदलाव ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।

सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस का सेवन किया जा सकता है। इसमें कैलोरी कम होती है और भोजन के बाद रक्त शर्करा नहीं बढ़ता।

बाजरा/ज्वार के आटे का सेवन करें।

राजमा और काली बीन्स जैसी दालें और फलियों को आहार में शामिल करें। ये रक्त शर्करा को कंट्रोल में रखती हैं।

पालक और केल जैसे पत्तेदार साग, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर जामुन खाने से रक्त शर्करा का स्तर कंट्रोल में रहता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर मछलियों, नट्स की सेवन करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां और साग जरूरी

पत्तेदार साग जैसे पालक के साथ ब्रोकली जैसी फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सब्जियां रक्त शर्करा को नियंत्रण में रखने की बढ़िया विकल्प हैं। एवोकाडो जैसे स्वस्थ वसा और फाइबर से भरपूर फलों से डायबिटीज के कारण होने वाली कई प्रकार की जटिलताओं को कम करने में लाभ मिल सकता है। खाने के लिए सही तेल के सेवन जरूरी है। ऑलिव ऑयल में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट रक्त शर्करा को बढ़ाए बिना दिल को स्वस्थ रखने में भी सहायक है।

ओमेगा-3 और प्रोटीन वाली चीजें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ प्रकार की मछलियों विशेषकर फैटी फिश में ओमेगा-3 की मात्रा होती है, ये प्रोटीन भी प्रदान करती हैं। इससे शरीर को पोषण तो मिलता ही है साथ ही शुगर भी कंट्रोल रहता है।

इसके अलावा अंडे भी प्रोटीन का बेहतर विकल्प हैं, ये रक्त शर्करा को नहीं बढ़ने देते हैं। आहार में नट्स को शामिल करना भी जरूरी है, अखरोट, बादाम और पिस्ता जैसे नट्स रक्त शर्करा में वृद्धि किए बिना स्वस्थ वसा और प्रोटीन प्रदान करते हैं।

ये आदतें एक अच्छे खासे आदमी पर लगा देती हैं बुरे पति का टैग

किसी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि हर शादी फिल्मों की तरह रोमांटिक नहीं होती। आम जिंदगी में प्यार के साथ-साथ तकरार भी लगी ही रहती है। अगर समय रहते इसे संभाला न जाए, तो कभी-कभार यह रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि शादीशुदा रिश्ता खट्टे-मीठे पलों का मिश्रण है, जिसे पति-पत्नी मिलकर सहेजते हैं। हर रिश्ते की तरह इस बंधन में भी न केवल खूब सारा प्यार है बल्कि छोटी-मोटी तकरार भी है। हां, वो बात अलग है कि अगर एक बार मन में खटास आ जाए, तो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसलिए कहा भी गया है कि अपने रिश्ते में हमेशा खुशहाली बनाए रखने के लिए पति और पत्नी दोनों को ही बराबर कोशिशें करनी चाहिए। अगर एक ने भी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया, तो उस रिश्ते का टूटना तय है।

हालांकि, अपने रिश्ते को कैसे चलाना है, यह पूरी तरह पति-पत्नी पर निर्भर करता है। लेकिन बहुत बार देखा गया है कि कुछ कपल्स ऐसे गुणों की ओर आकर्षित होते हैं, जो उनके विवाह को कमजोर करते हैं। एक तरफ जहां महिलाएं खुद को घर-परिवार में ढाल लेती हैं, तो वहीं पुरुष इन लक्षणों के साथ सहज होते जाते हैं, जिसके कारण वह चाहकर भी अच्छे पति नहीं बन पाते। ऐसे में हम आपको पुरुषों की उन आदतों के बारे में जिनकी वजह से वे अच्छे पति नहीं बन पाते हैं।

पत्नी की बातों पर ध्यान न देना

इस बात से आप भी इनकार नहीं कर सकते कि हर रिश्ते की नींव स्ट्रांग कम्युनिकेशन है। आपका रिश्ता कैसा है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप एक-दूसरे से कितनी बात करते हैं। एक-दूसरे की बातों को कितना समझते हैं। लेकिन शादीशुदा रिश्तों में ऐसा कम ही हो पाता है। बहुत सी पत्नियों की शिकायत होती है कि उनके पति उनकी बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। जब पति आपके लिए वक्त ही ना निकाले, तो नो डाउट किसी को भी परेशानी महसूस हो सकती है।

बात करने का गलत लहजा

पति-पत्नी एक गाड़ी के दो पहिए होते हैं। दोनों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। दोनों का एक-दूसरे के बगैर रहना मुश्किल है। लेकिन बहुत बार देखा गया है है कि पति काम के तनाव के कारण अपनी पत्नी पर गुस्सा जाहिर कर देते हैं या उनसे ठीक तरीके से बात नहीं करते हैं, जोकि बहुत गलत है। आपको पता होना चाहिए कि आपकी पत्नी सारा दिन आपका इंतजार करती है। ऐसे में उनसे बात करते समय विनम्र होने की जरूरत है ताकी वो भी आपसे अपने मन का कुछ हाल बयां कर सकें।

बाहर रिश्ता बनाना

एक शादीशुदा रिश्ता उस समय कमजोर पड़ जाता है, जब पति अपनी पत्नी को छोड़ किसी दूसरी महिला के प्यार में पड़ता है। आपके पति की इस तरह की हरकतें, इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि अब उनकी शादी ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके क्वालिटी टाइम में अब कोई तीसरा आ गया है। जब हम अपनी पत्नियों से मिलने वाली अंतरंगता कहीं और तलाश करना शुरू कर देते हैं या अपनी पत्नियों की तुलना किसी अन्य महिला से करते हैं, तो हम चाहकर भी कभी अच्छा पति नहीं बन सकते।

पत्नी का सम्मान न करना

ऐसे बहुत से आदमी हैं, जो अपने पत्नी को किसी के सामने कुछ भी कह देते हैं। ऐसा करना जरा भी सही नहीं है। अपनी पत्नी के लिए अपशब्दों का उपयोग करना उसका अपमान करना होता है। इतना ही नहीं, अगर आपका यही व्यवहार दूसरों के सामने भी रहता है, तो समझ लीजिए कि आप अपने पार्टनर का जरा भी सम्मान नहीं करते हैं। अपने रिश्ते में प्यार और विश्वास बनाए रखने के लिए पार्टनर का सम्मान करना जरूरी है।

ननद-भाभी बन जाएंगी सहेलियां, रिश्ते में इन बातों का रखें ध्यान

भारतीय परिवारों में ननद और भाभी का रिश्ता खास महत्व रखता है। अगर ननद-भाभी का रिश्ता मधुर है तो परिवार में भी खुशहाली बनी रहती है। लेकिन कई बार छोटी-छोटी गलतफहमियां और अहम की भावना इस रिश्ते में दूरी ले आती हैं।

ननद और भाभी का रिश्ता अगर प्यार और विश्वास से भरा हो तो यह न सिर्फ परिवार को जोड़कर रखता है, बल्कि घर में खुशियों का माहौल भी बनाता है।

ननद-भाभी का रिश्ता सास-बहू के रिश्ते की तरह न होकर दो सहेलियों जैसा भी हो सकता है। इसके लिए जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को समझें और एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। इस रिश्ते में दोस्ताना व्यवहार अपनाएं और एक-दूसरे की ताकत बनें। इस लेख में जानिए ननद-भाभी के रिश्ते को मजबूत और दोस्ताना बनाने के टिप्स।

एक-दूसरे को समझें

ननद और भाभी दोनों को ही एक-दूसरे को खुले मन से अपनाना चाहिए। नई दुल्हन के लिए ससुराल में सामंजस्य बैठाना कठिन हो सकता है, इसलिए ननद को चाहिए कि वह भाभी को परिवार में सहज महसूस कराएं। भाभी को भी चाहिए कि ननद को बहन की तरह समझें और उसका सम्मान करें।

संवाद करें और साथ में समय बिताएं

ननद और भाभी के बीच संवाद की कमी रिश्ते में दरार ला सकती है। किसी भी गलतफहमी को पनपने न दें और तुरंत स्पष्ट करें। छोटी-छोटी बातों को शेयर करने से रिश्ता मजबूत होता है और दोनों एक-दूसरे के करीब आते हैं।

ननद-भाभी के बीच दोस्ताना रिश्ता बनाने के लिए साथ में समय बिताना जरूरी है। कभी शॉपिंग पर जाएं, कभी मूवी देखें या घर पर बैठकर बात करें। इससे आपसी समझ बढ़ती है। परिवार के किसी फंक्शन या पूजा में मिलकर तैयारी करें, इससे रिश्ते और भी मधुर बनते हैं।

पसंद का सम्मान करें

ननद-भाभी की सोच या पसंद-नापसंद अलग हो सकती है। इस बात को समझते हुए दोनों को एक-दूसरे की पसंद का सम्मान करना चाहिए। ननद को अगर भाभी किसी चीज में सलाह दे, तो उसे नकारने के बजाय सोच-समझकर उसका सम्मान करें और भाभी को भी ननद की सलाह को महत्व देना चाहिए।

रिश्ते में स्वतंत्रता दें

ननद को भाभी की निजी जिंदगी में जरूरत से ज्यादा दखल नहीं देना चाहिए। ननद को भाभी को बार-बार अपने घर के मुताबिक बदलने या ढलने के लिए दबाव नहीं बनाना चाहिए, बल्कि भाभी को ससुराल में घर जैसा माहौल देना चाहिए। भाभी को भी ननद की व्यक्तिगत जिंदगी का सम्मान करना चाहिए और सीमाएं समझनी चाहिए।

सास-ससुर के बीच न आएं

ननद और भाभी दोनों को चाहिए कि वे सास-ससुर के मामलों में एक-दूसरे की बुराई करने से बचें। यह रिश्ता तभी मजबूत होगा जब दोनों एक-दूसरे की पीठ पीछे भी एक-दूसरे की तारीफ करें।

कठिन समय में भी दिमाग होगा शांत और खुश बस इस तरह से अपने माइंड को दें राहत

खुशी और गम जीवन का एक अहम हिस्सा है। यह तय है कि अच्छा समय आया है तो बुरा समय भी आएगा। इसलिए दोनों ही परिस्थितियों के लिए अपने मन और दिमाग को पहले से तैयार और स्थिर रखना जरूरी है। यहां आप जान सकते हैं ये कैसे किया जा सकता है।

ज्यादातर लोग खुशी को बाहरी चीजों में खोजते हैं। जबकि यह अंदरूनी होती है। यह समझना जरूरी है कि खुशी केवल परिस्थितियों या किसी व्यक्ति द्वारा निर्मित नहीं है, बल्कि हमारे विचारों और कार्यों के माध्यम से महारत हासिल करने वाली एक कला है।

लेकिन चिंता, तनाव और जरूरतें अक्सर इस प्रक्रिया को कठिन बना देती है, जिसके कारण जीवन में खुश रहना बहुत मुश्किल लगने लगता है। इसलिए आज हम यहां आपके साथ कुछ ऐसे ट्रिक शेयर कर रहे हैं, जिसकी मदद से आप खुद कठिन समय में भी शांत और खुश रख सकेंगे।

फिजिकल एक्टिविटी करें

फिजिकल एक्टिविटी नेचुरल तरीके से आपके मूड को सुधारने का काम करती है। इसलिए हमेशा 10 मिनट का एक्सरसाइज जरूर करें। इसमें आप तेज चलना, जंपिंग जैक, स्ट्रेचिंग जैसे एक्टिविटी शामिल कर सकते हैं। साथ ही क्वालिटी स्लीपिंग भी आपके मानसिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए हर रोज सात घंटे की नींद जरूर लें। खासतौर पर जब आप ज्यादा परेशान हैं, तो प्रॉपर नींद लें।

हरियाली जगहों पर समय बिताएं

परेशान मन को शांत करने का सबसे सस्ता और कारगर नुस्खा है कि हरे-भरे वातावरण में सैर करें। इसके लिए आपको जंगल में जाने की जरूरत नहीं है, एक छोटे से पार्क, बगीचा, में चलना भी बहुत फायदेमंद साबित होता है। हरा रंग आपके माइंड को रिलैक्स करता है। जिससे खुशी की भावनाओं बढ़ती है और तनाव-चिंता कम होती है।

खुद को आईने में देखकर मुस्कुराएं

समय कितना भी खराब या कठिन क्यों ना हो हमेशा खुद को शीशे में देखते हुए मुस्कुराने का समय जरूर निकालें। यह एक ऐसी ट्रिक है जिसकी आदत आपको बुरे समय में भी तनाव और चिंता का शिकार नहीं होने देगी।

परेशानी के हल पर विचार करें

यदि आप किसी कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो हर समय इसके बारे में सोचने के बजाय इसके हल या समाधान के बारे में सोचें। ऐसा करके एक तो आप खुद को डिप्रेशन से बचाते हैं दूसरा आपका माइंड बेहतर तरीके से परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार होता है।

मकर संक्रांति के लिए तैयार करें तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का सेवन सर्दियों में लाभकारी होता है। तिल और गुड़ शरीर को गर्म रखते हैं, जिससे ठंड के मौसम में शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और ठंड से बचाव करता है। तिल में कैल्शियम, आयरन और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। गुड़ पाचन को दुरुस्त करता है और शरीर में खून की कमी को पूरा करता है।

मकर संक्रांति पर तिल-गुड़ के लड्डू बनाना और खाना धार्मिक, आध्यात्मिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत शुभ है। ऐसे में अगर आप मकर संक्रांति के मौके पर तिल और गुड़ के लड्डू का दान और सेवन करना चाहते हैं तो घर पर आसानी से तिल-गुड़ का लड्डू बनाएं। यहां तिल और गुड़ के लड्डू बनाने की विधि बताई जा रही है।

तिल-गुड़ के लड्डू के लिए सामग्री

एक कप सफेद तिल, 3/4 कप गुड़ (कद्दूकस किया हुआ), एक बड़ा चम्मच घी, आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 2-3 बड़े चम्मच पानी।

तिल-गुड़ के लड्डू बनाने की विधि

स्टेप 1- एक कढ़ाई में तिल डालें और धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। जब तिल फूलने लगे और उसमें से खुशबू आने लगे तो गैस बंद करके एक प्लेट में तिल निकाल लें।

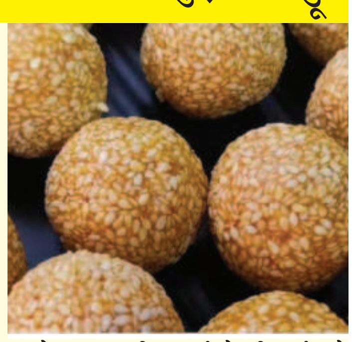

स्टेप 2- उसी कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें कद्दूकस किया हुआ गुड़ डालें। दो से तीन चम्मच पानी डालकर गुड़ को धीमा आंच पर पिघलने दें।

स्टेप 3- गुड़ को लगातार चलाते रहें जब तक वह गाढ़ा न हो जाए।

स्टेप 4- अब पिघले हुए गुड़ में भुने हुए तिल और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर गैस बंद कर दें और मिश्रण को हल्का ठंडा होने दें ताकि लड्डू आसानी से बन सकें।

स्टेप 5- हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर इस मिश्रण से छोटे-छोटे लड्डू बना लें। लड्डू बनने के बाद इन्हें ठंडा होने दें और फिर एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें।

तिल का लड्डू बनाते समय ध्यान रखें कि तिल को धीमी आंच पर ही भूनें ताकि तिल जलने न पाए। गुड़ की चाशनी को ज्यादा न पकाएं वरना लड्डू सख्त हो सकते हैं। चाहें तो इसमें कटा हुआ काजू, बादाम या मूंगफली भी डाल सकते हैं।

अंबानी-अडानी के 52 हजार करोड़ रुपए खा गया चीन का खतरनाक वायरस

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के टॉप 20 अमीरों में शुमार भारत के अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा चीन का वायरस खा गया। हैरान होने की जरुरत नहीं है। इसका सुबूत ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में साफ तौर पर मिल रहा है। मंगलवार को शेयर बाजार में गिरावट आने की वजह से दोनों ही अरबपतियों की दौलत में कमी देखने को मिली है। शेयर बाजार में गिरावट की असल वजह चीन के वायरस एचएमपीवी को बताया जा रहा है।

गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की दौलत में कंबाइंडली 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में दोनों अरबपतियों की दौलत कितनी रह गई है।

मुकेश अंबानी की दौलत में गिरावट

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की दौलत में 2.59 अरब डॉलर यानी 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से उनकी कुल दौलत 90.5 अरब डॉलर रह गई है। खास बात तो ये है कि मौजूदा साल यानी 2025 के कुछ ही दिनों में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 119 मिलियन डॉलर की कमी आ चुकी है। मौजूदा समय में मुकेश अंबानी दुनिया के 17वें सबसे अमीर कारोबारी हैं। सोमवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली थी।

गौतम अडानी की भी नेटवर्थ हुई कम

एशिया के दूसरे और दुनिया के 19वें सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की दौलत में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार गौतम अडानी की दौलत में 3.53 अरब डॉलर यानी 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 74.5 अरब डॉलर रह गई है। वैसे 2025 के कुछ ही दिनों में उनकी दौलत में 4.21 अरब डॉलर की कमी देखी जा चुकी है। सोमवार को अडानी ग्रुप की तमाम कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई थी।

कंबाइंडली 52 हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट की वजह से चीन के वायरस एचएमपीवी को माना गया। जिसकी वजह से दोनों अरबपतियों की दौलत में गिरावट देखने को मिली। इसका मतलब है चीन के वायरस की वजह से दोनों अरबपतियों की दौलत में कंबाइंडली 52 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। खास बात तो ये है कि ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार दुनिया के अरबपतियों में गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की दौलत में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। जिसका प्रमुख कारण चीन के वायरस का दुनियाभर या यूं कहें कि अमेरिका और यूरोप में ना पहुंचना है। वर्ना वहां के शेयर बाजारों में भी पैनिक देखने को मिल सकता था।

भारत में माइक्रोसाफ्ट 3 अरब डॉलर करेगा निवेश: सीईओ सत्या नडेला का ऐलान

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की दिग्गज आईटी सेक्टर की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भारत में क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए 3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भारत में एक शानदार गति है, जहां लोग मल्टी-एजेंट प्रकार की तैनाती के लिए जोर दे रहे हैं। पीटीआई की खबर के मुताबिक, नडेला ने कहा कि मैं भारत में अब तक के सबसे बड़े विस्तार की घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित हूं, जिसमें हमने अपनी एज़्योर क्षमता का विस्तार करने के लिए 3 अरब अमेरिकी डॉलर अतिरिक्त निवेश किए हैं।

10 मिलियन लोगों को देगा एआई ट्रेनिंग

खबर के मुताबिक, नडेला ने कहा कि कंपनी भारत में कई क्षेत्रीय विस्तार कर रही है। नडेला ने कहा कि भारत में हर व्यक्ति और संगठन को सशक्त बनाने का माइक्रोसॉफ्ट का मिशन कंपनी को आगे बढ़ाता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना है कि इस देश की मानव पूंजी निरंतर विस्तार करने में सक्षम हो, प्रौद्योगिकी के अपार अवसरों और संभावनाओं का लाभ उठा सके। इसलिए हम आज अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित हैं, जो हमने हमेशा से की है। कंपनी साल 2030 तक 10 मिलियन लोगों को एआई कौशल के लिए प्रशिक्षित करेगी।

भारत में हैं सत्य नडेला

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला बीते सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी मुलाकात के बाद भारत में कंपनी की महत्वाकांक्षी विस्तार एवं निवेश योजनाओं पर खुशी जताई। भारतीय मूल के नडेला इस समय तीन दिन की यात्रा पर भारत आए हुए हैं। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात पर खुशी जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा- सत्य नडेला, आपसे मिलकर वास्तव में खुशी हुई।

एचडीएफसी बैंक ने नए साल में कम कर दी होम लोन ईएमआई

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने नए साल पर देश की जनता को खास तोहफा दिया है। बैंक ने होम लोन और कार लोन की ईएमआई को कम करते हुए बड़ी राहत दी है। जानकारी के अनुसार एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है । इस कटौती के बाद, एचडीएफसी बैंक एमसीएलआर अब 9.15 फीसदी से लेकर 9.45 फीसदी के बीच हो गया है। रिवाइज्ड रेट्स 7 जनवरी, 2025 से लागू हो चुके हैं। कम एमसीएलआर से लोन की ब्याज दरों में कमी आती है, जिससे ईएमआई कम होती है और उधार लेने की लागत कम होती है। एमसीएलआर दरों में कटौती का सीधा असर पुराने फ्लोटिंग रेट लोन जैसे होम लोन, पर्सनल लोन और बिजनेस लोन की ईएमआई पर पड़ेगा जो एमसीएलआर से जुड़े हैं। एमसीएलआर रेट्स में कटौती से इन लोन पर ईएमआई भी कम हो जाएगी।

कितनी हो गई एमसीएलआर?

ओवरनाइट एमसीएलआर में 5 बीपीएस की कटौती की गई है, जो 9.20 फीसदी से 9.15 फीसदी हो गई है। एक महीने की एमसीएलआर में कोई बदलाव नहीं हुआ है और ब्याज दरें 9.20 फीसदी पर रहेंगी। तीन महीने की एमसीएलआर को 9.30 फीसदी पर ही रखा गया है। छह महीने और एक साल के एमसीएलआर में 5 बीपीएस की कटौती करके 9.50 फीसदी से 9.45 फीसदी कर दिया गया है, और दो साल के एमसीएलआर को 9.45 फीसदी पर कोई बदलाव नहीं है। तीन साल के एमसीएलआर में 5 बीपीएस की कटौती कर इसे 9.50 फीसदी से घटाकर 9.45 फीसदी कर दिया गया है।

एचडीएफसी बैंक के बीपीएलआर और ईबीएलआर

एचडीएफसी बैंक की बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट 17.95 फीसदी प्रति वर्ष है, जो 9 सितंबर, 2024 से प्रभावी है। लागू बेस दर 9.45 फीसदी है और 9 सितंबर, 2024 से प्रभावी है। अगर बात एचडीएफसी बैंक की नई होम लोन ब्याज दरों की बात करें तो वह रेपो रेट से जुड़ी हुई हैं। एडजस्टेबल रेट होम लोन (एआरएचएल) के ब्याज दर एचडीएफसी बैंक की बाहरी बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) से जुड़ी हुई है, जो रेपो रेट पर आधारित है।

पेट्रोकेमिकल सेक्टर में एंट्री लेगा अडाणी ग्रुप

इसके लिए थाईलैंड की इंडोरामा रिसोर्सेज के साथ पार्टनरशिप की

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप अब पेट्रोकेमिकल सेक्टर में कदम रखने जा रही है। इसके लिए अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी अडाणी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड ने थाईलैंड की इंडोरामा रिसोर्जेज लिमिटेड के साथ पार्टनरशिप की है।इस ज्वाइंट वेंचर का नाम वेलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (वीपीएल) रखा गया है, जिसमें दोनों कंपनियों की 50%-50% की हिस्सेदारी रहेगी। अडाणी एंटरप्राइजेज ने सोमवार यानी 6 जनवरी को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, वीपीएल रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल और केमिकल बिजनेस को स्थापित करेगी। अडाणी पेट्रोकेमिकल्स की स्थापना स्टेप वाइज तरीके से रिफाइनरियों, पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, स्पेशिएलिटी केमिकल यूनिट्स और हाइड्रोजन प्लांट्स को डेवलप करने के लिए स्थापित किया गया था।ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने 2022 में कहा था कि अडाणी ग्रुप गुजरात में एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में 4 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश करना चाहता है। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर आज 2.03% की तेजी के साथ 2,524.80 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। पिछले 6 महीने में इस शेयर ने 18.91% और इस साल अब तक 1.63% का निगेटिव रिटर्न दिया है।अडाणी पेट्रोकेमिकल्स गुजरात के मुंद्रा में एक पेट्रोकेमिकल क्लस्टर बना रही है, जिसमें पीवीसी प्लांट भी शामिल है। इस प्लांट की कुल लागत करीब 35,000 करोड़ रुपए आंकी गई है।इससे पहले भी अडाणी ग्रुप ने गुजरात के मुंद्रा में एक केमिकल फैक्ट्री लगाने के लिए जर्मन केमिकल कंपनी बीएएसएफ के साथ पार्टनरशिप किया था। हालांकि, बीएएसएफ के पार्टनरशिप साथ कंपनी की भविष्य की क्या योजनाए हैं, इसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी गई है।अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अडाणी ग्रुप की कंपनियों का एक हिस्सा है। 1988 में गौतम अडाणी ने एंटरप्राजेज की स्थापना की थी। कंपनी के चेयरमैन गौतम अडाणी, मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश अडाणी और सीईओ विनय प्रकाश हैं।कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम करती है।

गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर, बढ़ेगी महंगाई! ब्याज दर में कटौती के आरबीआई के फैसले पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)।आटा मिलों के मुताबिक, बाजार में गेहूं की आपूर्ति सीमित है। रिकॉर्ड कीमतें चुकाने के बाद भी आटा मिलें पूरी क्षमता से काम करने में सक्षम नहीं हैं। दिसंबर में सरकार ने अनाज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कारोबारियों के लिए भंडार की सीमा कम कर दी थी। हालांकि, सरकार का यह तरीका कीमतों को कम करने में विफल रहा।सरकार के उपरोक्त फैसले के बाद भी नई दिल्ली में गेहूं की कीमतें लगभग 33,000 रुपये प्रति टन पर कारोबार कर रही हैं। अप्रैल में यह 24,500 रुपये से अधिक थीं। साथ ही, पिछले सीजन की फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 22,750 रुपये से भी काफी ज्यादा थीं। मिल मालिकों का कहना है कि भंडारण सीमा आपूर्ति में सुधार करने और कीमतों को नीचे लाने में विफल रही। इससे पता चलता है कि निजी कंपनियों के पास कुछ आपूर्ति है और सरकार को अपने भंडार से थोक ग्राहकों को अधिक गेहूं बेचने की जरूरत है।भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) हर हफ्ते थोक ग्राहकों को 100,000 टन गेहूं बेच रहा है, लेकिन यह मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नवंबर में सरकार ने मार्च 2025 में समाप्त होने वाले वर्ष में राज्य के भंडार से थोक ग्राहकों को 25 लाख टन गेहूं बेचने की योजना की घोषणा की थी। यह पिछले सीजन में बेचे गए लगभग एक करोड़ टन से काफी कम है। एफसीआई के पास गेहूं सीमित है, जिससे वह निजी कंपनियों को ज्यादा गेहूं नहीं दे पा रहा है। दिसंबर की शुरुआत में राज्य के गोदामों में गेहूं का भंडार 2.06 करोड़ टन था, जो पिछले साल के 1.92 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार जल्द ही चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने पर फैसला लेगी।

बड़ी गिरावट के बाद संभला बाजार

सेंसेक्स 234 अंक चढ़ा, निफ्टी 23707 के पार

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। सोमवार की बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सभल गए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन 30 शेयरों वाला बीएएसई सेंसेक्स 234.12 (0.30%) अंकों की बढ़त के साथ 78,199.11 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 91.86 (0.39%) अंक मजबूत होकर 23,707.90 पर पहुंच गया।

रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में खरीदारी से संभला बाजार

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडटी जैसे ब्लू-चिप शेयरों में तीव्र खरीदारी से बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दो सत्रों की तीव्र गिरावट के बाद मंगलवार को संभले। हालांकि, कारोबारियों के अनुसार कंपनियों के वित्तीय परिणामों से पहले आईटी शेयरों में गिरावट और डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपये ने बाजार की तेजी को सीमित कर दिया। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 234.12 अंक या 0.30 प्रतिशत चढ़कर 78,199.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 487.75 अंक या 0.62 प्रतिशत चढ़कर 78,452.74 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 91.85 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 23,707.90 पर पहुंच गया।

जोमैटो, एचसीएलटेक और टीसीएस के शेयरों में दिखी बिकवाली

30 शेयरों वाले ब्लूचिप शेयरों में टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टूब्रो और अडानी पोर्ट्स सर्वाधिक लाभ में रहे। इसके विपरीत, जोमैटो, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और इंफोसिस नुकसान में रहे।एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और शंघाई सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग में गिरावट रही। मध्य सत्र के सौदों में यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे गिरकर 85.73 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

एफआईआई ने सोमवार को 2,575 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,575.06 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत गिरकर 76.21 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

पिछले सत्र में बीएसई बेंचमार्क 1,258.12 अंक या 1.59 प्रतिशत गिरकर 78,000 के स्तर से नीचे 77,964.99 पर बंद हुआ था। निफ्टी 388.70 अंक या 1.62 प्रतिशत गिरकर 23,616.05 पर बंद हुआ।

सोना-चांदी के दाम में तेजी : सोना 77,197 रुपए पर पहुंचा

चांदी 89,288 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार (7 जनवरी) को मामूली बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 36 रुपए बढ़कर 77,197 रुपए पर पहुंच गया है। सोमवार को इसके दाम 77,161 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 136 रुपए बढ़कर 89,288 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले ये 89,152 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,860 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,710 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपए है।

हैदराबाद : सोने (गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,150 रुपये है।

2024 में गोल्ड ने 20% और सिल्वर ने 17% का रिटर्न दिया

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 76,583 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,948 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

इकोनॉमी के मोर्चे पर बुरी खबर, 6.4 फीसदी रह सकती है जीडीपी

नई दिल्ली,7 जनवरी (एजेंसियां)। देश को इकोनॉमी के मोर्चे पर बुरी खबर मिली है। मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में देश की जीडीपी 6.4 फीसदी रह सकती है। ये अनुमान सरकार का है। जोकि नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस यानी एनएसओ की ओर से जारी किया गया है।खास बात तो ये है कि बीते वित्त वर्ष में देश की जीडीपी 8.2 फीसदी देखने को मिली थी। अगर एनएसओ का अनुमान सही रहता है तो देश बीते वित्त वर्ष के मुकाबले मौजूदा वित्त वर्ष की ग्रोथ काफी कम देखने को मिल सकती है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर एनएसओ की ओर से दिए अपने अनुमान में किस तरह की जानकारी दी है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष (2024-2025) में देश की जीडीपी 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में देश की इकोनॉमी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए नेशनल इनकम का पहला एडवांस अनुमान जारी करते हुए कहा कि वास्तविक जीडीपी के इस वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि का अस्थायी अनुमान 8.2 फीसदी रहने की बात कही गई है। एनएसओ का चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान से कम है।अगर बात पहली तिमाही की बात करें तो देश की ग्रोथ 6.7 फीसदी देखने को मिली थी। जबकि दूसरी तिमाही में ये ग्रोथ घटकर 5.4 फीसदी पर आ गई थी।जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी।हालांकि तीसरी तिमाही में विकास दर बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन इसके मूल अनुमान से कमजोर रहने का अनुमान है।आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी के 6.6 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है।वहीं दूसरी संस्थाएं भी भारत की जीडीपी को लेकर 7 फीसदी से नीचे रहने का अनुमान लगा चुकी है।खास बात तो ये है कि एक फरवरी को देश का बजट आने वाला है।ऐसे में एनएसओ का ये अनुमान काफी मायने रखता है।साथ ही फरवरी के पहले हफ्ते में आरबीआई की पॉलिसी मीटिंग भी होनी है।उसके अनुमान पर भी सभी नजरें टिकी हुई होंगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायण - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 06-52 | सूर्यास्त 17-53
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी . 14-26 तक उपरान्त दशमी
मास - पौष शुक्ल , बुधवार 08 January
नक्षत्र - अश्विनी 16-29 तक उपरान्त भरणी
योग - सिद्ध 20-22 तक उप साध्य
करण- कौलव 14-26 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत त्योहार - पूर्ण रवि योग शुभ

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु में	धनु	06-11 बजे
चंद्र-	मेष में	मकर	07-17 बजे
मंगल	कर्क में	कुंभ	09-07 बजे
बुध-	धनु में	मीन	10-46 बजे
गुरु-	वृष में	मेष	12-21 बजे
शुक्र-	कुंभ में	वृष	14-06 बजे
शनि-	कुंभ में	मिथुन	16-07 बजे
राहु-	मीन में	कर्क	18-19 बजे
केतु-	कन्या में	सिंह	20-31 बजे
		कन्या	22-38 बजे
		तुला	00-44 बजे
		वृश्चिक	02-53 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के अधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:23 से 13:46 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:52 - 08:13	शुभ	उत्पात	17:53 - 19:33	अशुभ
अमृत.	08:13 - 09:36	शुभ	शुभ	19:33 - 21:10	शुभ
कालय	09:36 - 10:59	अशुभ	अमृत	21:10 - 22:46	शुभ
शुभ.	10:59 - 12:23	शुभ	चंचल.	22:46 - 00:23	शुभ
रोग	12:23 - 13:46	अशुभ	रोग	00:23 - 01:59	अशुभ
उत्पात	13:46 - 15:10	अशुभ	काल	01:59 - 03:36	अशुभ
चंचल	15:10 - 16:33	शुभ	लाभ	03:36 - 05:13	शुभ
लाभ	16:33 - 17:53	शुभ	उत्पात	05:13 - 06:52	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा । उच्च प्रतिष्ठा वाला पद आपको प्रदान होगा जो की आपकी ताकत और धन में वृद्धि करेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
यह आप के लिए एक महान दिन है ! आप दूसरों को अपने विचारों और अवधारणाओं को पेश करने के लिए इस अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे । हो सकता है की आपकी मासूमियत और ईमानदारी, व्यंग्य और आक्रामकता के रूप में लोगो को लगे क्यों की लोग आप से ज्यादा परिचित नहीं हैं। इसलिए सावधान रहे क्यों की हो सकता है , स्थितिया उस अनुपात में आपका साथ न दे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अगर आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी है , तो आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है । आपको कड़ी मेहनत और समर्पण का फल मिलेगा । आप आज वित्तीय योजना के बारे मैं जानेंगे । निवेश करने से पहले , सही योजना पर अपने मित्रों और सहयोगियों से सलाह ले । प्रस्ताव आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अंबिकापुर से मेयर अजय तिर्की का कट सकता है टिकट

पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव बोले-महापौर और पार्षदों के लिए अच्छे उम्मीदवारों की तलाश

सरगुजा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर नगर निगम के लगातार दो बार महापौर रहे डॉ. अजय तिर्की का टिकट भी कट सकता है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि, कांग्रेस महापौर और पार्षदों के लिए अच्छे उम्मीदवारों की तलाश कर रही है। डॉक्टर साहब तो एक हैं, लेकिन कोई और बेहतर उम्मीदवार सामने आएगा तो उस पर विचार किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए महपौर और नगर पालिका, नगर पंचायत अध्यक्षों का आरक्षण मंगलवार को होगा। हालांकि आबादी के हिसाब से अंबिकापुर का नगर निगम एसटी वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा। अंबिकापुर में डॉ. अजय तिर्की लगातार दो बार से महापौर हैं। पहली बार वे सीधे जनता से और दूसरी बार पार्षदों के माध्यम से चुनकर महापौर बने थे।

अन्य प्रत्याशी की भी तलाश

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि, जो सबसे बेहतर कैंडिडेट होंगे, उनकी हम तलाश कर रहे हैं। महापौर पद के लिए डॉ. अजय तिर्की संभावित उम्मीदवार हैं, लेकिन सभी जोन के साथियों को ब्लॉक कांग्रेस, जिला कांग्रेस कमेटी को कहा है कि आप लोग और बेहतर प्रत्याशी हो तो बताएं।

सर्वसम्मति या गुप्त मतदान से तय होंगे उम्मीदवार

टीएस सिंहदेव ने कहा कि, वार्ड पार्षदों के लिए भी अच्छे उम्मीदवार उतारे जाएंगे। अंबिकापुर नगर निगम को 8ठ जोन में बांटा गया है। उनके नीचे सेक्टर बनाए गए हैं। उनके माध्यम से हर वार्ड में कमेटी का गठन किया जा रहा है।

कांग्रेस की कमेटी पार्षद उम्मीदवार के लिए किसी नाम पर आम सहमति बनाएगी। सर्वसम्मति नहीं बन पाती है, तो गुप्त मतदान कराने का सुझाव दिया गया है। कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े लोग मतदान कर कांग्रेस का प्रत्याशी तय करेंगे।

आधे से ज्यादा निकायों में जीत का दावा

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि, 10 नगर निगम में चुनाव हो रहे हैं। इसके अलावा नगर पालिका और नगर पंचायतों में भी चुनाव होंगे। उम्मीद है कि आधे से ज्यादा निकायों में कांग्रेस को जीत मिलेगी।

अंबिकापुर निगम कांग्रेस के लिए चुनौती

अंबिकापुर नगर निगम में लगातार तीसरी बार जीत चुनौती होगी। महापौर डॉ. अजय तिर्की पूर्व डिप्टी सीएम के भरोसेमंद करीबी माने जाते हैं। डॉ. तिर्की को रामानुजगंज से कांग्रेस ने विधानसभा में प्रत्याशी बनाया था, जहां उन्हें बड़े मतांतर से हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस करेगी संविधान बचाओ रैलियां

1 साल तक चलेगा जनसंपर्क, सभी जिलों-ब्लॉक और विधानसभा में चलेगा अभियान

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस संविधान बचाओ रैलियां और पदयात्राएं करेगी। 26 जनवरी 2025 से शुरू होकर 26 जनवरी 2026 तक प्रदेश के सभी ब्लॉक और विधानसभा स्तर पर इसका आयोजन किया जाएगा। भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर यह राष्ट्रव्यापी संविधान बचाओ रैलियों का कार्यक्रम भी होगा।

मिली जानकारी के मुताबिक,महात्मा गांधी की विरासत और संविधान की रक्षा, संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह आंदोलन किया जा रहा है। 26 जनवरी 2025 से 26 जनवरी 2026 के बीच कांग्रेस कार्यसमिति ने संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा एक बड़े राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करने का फैसला लिया है। यह पदयात्रा गांव-गांव और कस्बे कस्बे में रैली के रूप में आयोजित की जाएगी।

गमगीन माहौल के बीच बलिदान हुए जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

परिजनों को सीएम साय ने दी सांत्वना

दंतेवाड़ा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में बलिदान हुए आठ जवानों और एक चालक को दंतेवाड़ा में पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान गमगीन माहौल देखने को मिला।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय समेत तमाम नेताओं और मृतकों के परिजनों ने यहां पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से आसमान गूंज उठा। इस दौरान महिलाओं और बच्चों सहित मृतकों के परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। रोते हुए परिजनों को महिला सुरक्षाकर्मी उन्हें सांत्वना देने की कोशिश कर रही थीं। बलिदान हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के बाद सीएम साय ने कहा कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और हम राज्य में शांति स्थापित करने में सफल होंगे। मुख्यमंत्री साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने जवानों के पार्थिव शरीर को कंधा दिया और उन्हें उनके पैतृक स्थानों पर ले जाने के लिए वाहनों में रखा। बता दें कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों पर दो साल में सबसे बड़ा हमला करते हुए नक्सलियों ने सोमवार को बीजापुर जिले के कुटरू थाना क्षेत्र के अंबेली गांव के पास 60-70 किलोग्राम के इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल कर सुरक्षाकर्मियों के वाहन को उड़ा दिया।

बीजापुर जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित एसयूवी में सवार राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और बस्तर फाइटर्स इकाइयों के चार-चार सुरक्षाकर्मियों और वाहन के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीएम साय ने कहा कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सली हताश हो चुके हैं, जिसके कारण उन्होंने ऐसी कायरतापूर्ण हरकत की है। मैं शहीद जवानों और नागरिक चालक को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अबूझमाड़ बना नक्सलियों की पनाहगाह

अबूझमाड़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ का अबूझमाड़ दुनिया की सबसे रहस्यमयी जगहों में से है। लगभग साढ़े चार हजार वर्ग किलोमीटर में फैली इस जगह में कितने जंगल, कितनी घाटियां और कितने पहाड़ हैं, इसका कोई अंदाजा नहीं. इसका सर्वे कराने की कोशिश सैकड़ों सालों से होती रही लेकिन कभी कामयाबी नहीं मिल सकी. अब यही अबूझमाड़ नक्सलियों का खुफिया ठिकाना बना हुआ है, जहां से वे अपने घातक इरादों को अंजाम दे रहे हैं।

10 जनवरी को रांची में सदस्यता लेंगे रघुवर दास

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के लिए मुझसे किसी ने नहीं की है बात

रांची/जमशेदपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के राज्यपाल और झारखंड के सीएम रह चुके रघुवर दास के भाजपा में फिर से शामिल होने की तारीख साफ हो गई है। वह 10 जनवरी को रांची प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। हालांकि सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम की रूपरेखा क्या होगी वह स्पष्ट नहीं हुई है। राज्यपाल का पद छोड़ने, भाजपा में फिर से शामिल होने और पार्टी में भूमिका को लेकर चल रही अटकलों पर उन्होंने विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि झारखंड की सेवा करना मेरे जीवन का उद्देश्य है। भविष्य में मैं कार्यकर्ता के रूप में पार्टी को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। मैं जमीन से जुड़ा व्यक्ति हूं। इसलिए धरातल की बात करता हूं। पार्टी के किसी भी फैसले को स्वीकार करने के लिए तैयार हूं।

एचएमपीवी को लेकर झारखंड सरकार अलर्ट

> स्वास्थ्य मंत्री बोले-हालात पर हमारी निगाह, उठाएंगे जरूरी कदम

रांची, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के चार राज्यों में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) के कन्फर्म केस मिलने के बाद झारखंड का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि एचएमपीवी से जुड़ी तमाम सूचनाओं पर राज्य सरकार की निगाह है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को संभावित स्थितियों का आकलन करते हुए तैयार रहने को कहा गया है। इस संबंध में हमें केंद्र सरकार की ओर से कोई गाइडलाइन्स नहीं मिली है। जैसे ही कोई गाइडलाइन आती है, हम उसी के अनुरूप आवश्यक कदम उठाएंगे।

इस बीच राज्य के स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों, मेडिकल कॉलेजों और विभाग के अधिकारियों को अलर्ट रहने को कहा है। विभाग ने इसे लेकर इंडियन काउंसिल मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के मानदंडों के अनुसार एडवाइजरी भी जारी की है। सभी हॉस्पिटल्स में एहतियाती तौर पर बेड बढ़ाने और ऑक्सीजन की सप्लाई के सिस्टम को दुरुस्त रखने को कहा गया है। इसमें कहा गया है कि यह वायरस नया नहीं है। सर्दी के दिनों में इस तरह के केस पहले भी आए हैं, पैनिक होने की जरूरत नहीं है। एडवाइजरी में भीड़ वाले इलाकों में मास्क का प्रयोग करने, सैनिटाइजर से समय-समय पर हाथों की सफाई करें, भीड़ वाले इलाकों में जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है।

रांची स्थित मेडिकल कॉलेज रिम्स के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार ने तैयारियों का आकलन किया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल यहां एचएमपीवी की जांच नहीं हो रही है, लेकिन एहतियातन जांच किट का ऑर्डर भी दे दिया गया है। इस संबंध में एनआईवी पुणे को चिट्ठी लिखकर किट उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इसे लेकर फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस जानलेवा नहीं है, लेकिन सतर्कता बरतने की जरूरत है। जमशेदपुर स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एचएमपीवी की जांच शुरू करने की तैयारी की जा रही है। रिम्स की माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ पूजा सहाय ने बताया कि एचएमपीवी के लक्षण कोविड से मिलते-जुलते हैं। इससे संक्रमित लोग आम तौर पर पांच से छह दिनों में स्वस्थ हो जाते हैं।

झारखंड में रखा चेक बनारस में हुआ कैश

पलामू कल्याण विभाग में पड़ा रह गया चेक, निकल गए 2 लाख रुपए-जांच में जुटी पुलिस

पलामू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू के कल्याण विभाग में हैरतअंगेज मामला सामने आया है। जब लोग नए साल के जश्न में डूबे हुए थे तभी विभाग के खाते से करीब दो लाख रुपए की अवैध निकासी कर ली गई। जबकि जिस चेक के जरिए बैंक से पैसे निकाले गए हैं वह चेक कल्याण विभाग के ऑफिस में पड़ा हुआ है। दो चेक से लगातार दो दिन पैसे निकालने का फर्जी वाड़ा हुआ है। दोनों चेक विभाग में कैंसिल चेक के रूप में मौजूद है। गलत तरीके से पैसा निकाले जाने का मामला सामने आने पर कल्याण पदाधिकारी सेवा राम साहू ने शहर थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। सेवा राम साहू ने संबंधित पंजाब नेशनल बैंक से जानकारी लिया तो बैंक ने बनारस के बैंक से चेक के कैश कराने की बात बताई। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार का कहना है कि पुलिस मामले का अनुसंधान कर रही है।

करोड़ों की टैक्स चोरी कर चुका है सुरेश चंद्राकर

पत्नी संग रोमांटिक रील्स बनाने का शौकीन है पत्रकार मर्डर केस का मास्टरमाइंड

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बीजापुर पुलिस ने जिस सुरेश चंद्राकर को पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड का मास्टरमाइंड बताया वो टैक्स चोर भी है। इसका खुलासा राज्य वाणिजयकर विभाग की कार्रवाई में हुआ है। हाल ही में हत्याकांड के मुख्य आरोपी के बीजापुर स्थित ठिकानों में छापेमारी की गई थी। राज्य वाणिज्य कर विभाग के अफसरों ने जांच की तो हैरान करने वाले खुलासे हुए।

बीजापुर जैसे छोटे जिले में सुरेश बड़ी लग्जरी लाइफस्टाइल जी रहा था। महंगी गाड़ियां, पत्नी के साथ रोमांटिक रील्स बनाना, रायपुर और प्रदेश के बाहर प्रीमियम रिजॉर्ट में रुकना, फिल्मी हस्तियों की तरह फोटो खिंचवाने का शौकीन है। फिलहाल यह पुलिस की गिरफ्त में है, मंगलवार को इसे कोर्ट में पेश किया जा सकता है। सोमवार को बीजापुर पुलिस ने इसे हैदराबाद से पकड़ा था। 27 दिसंबर को सुरेश के अड्डों पर छापा पड़ा था। हत्याकांड के बाद अब विभाग ने इस कार्रवाई का खुलासा किया है। जांच में 2 करोड़ से अधिक के टैक्स चोरी का खुलासा हुआ है। राज्य वाणिज्यिक कर विभाग ने बीजापुर जिले में स्थित सड़क निर्माण करने वाली फर्म मेसर्स सुरेश चंद्रकार के घर दफ्तर की जांच की थी। इसकी कंपनी ने 2 करोड़ से अधिक की अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया । वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस मामले में दिए आधिकारिक बयान में कहा- राज्य वाणिज्यिक कर विभाग की जांच में पाया गया है कि वाहनों और कपड़ों जैसे वस्तुओं पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया जो कि नियमों के खिलाफ है। इसकी कंपनी के रिकॉर्ड और चालान अधूरे पाए गए हैं।

'पत्रकार मुकेश के जिंदा रहते और मरने के बाद भी कांग्रेस ने किया बहिष्कार'

बीजेपी बोली-कांग्रेसी मना रहे जश्न

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड मामले को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला किया है। बीजेपी ने कहा कि बस्तर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के दौरे के दौरान कांग्रेसियों ने उनका गर्जजोशी से स्वागत किया। बैज खुद को लड्डुओं से तौलवा रहे थे। आतिशबाजी करवा रहे थे। ढोल-नगाड़े बजवा रहे थे। खुद पर फूलों की बारिश करवा रहे थे। नारेबाजी हो रही थी। कांग्रेस की ओर से बहिष्कृत पत्रकार दिवंगत मुकेश चंद्रकार की हत्या के बाद जश्न मना रहे थे। कांग्रेसी नेता अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुए,लेकिन जश्न मनाते भी उन्हें शर्म नहीं आई। बीजेपी प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने प्रेस ब्रीफ में एक लेटर को दिखाते हुए कहा कि 29 अप्रैल 2024 को कांग्रेस ने जिला कांग्रेस कमेटी जिला बीजापुर के लेटरपेड में पत्र निकाल कर दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्रकार पर झूठे आरोप लगाकर सार्वजनिक रूप से उन्हें अपमानित कर उनका

बहिष्कार करने का एलान किया था। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रीवास्तव ने कहा कि 4 जनवरी 2025 को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का तय कार्यक्रम जारी किया गया था, उसमें उनका रात्रि विश्राम कांकेर यानी कि बस्तर ही था। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज भी इसी तारीख को जगदलपुर (बस्तर) में थे। उसके बावजूद ये दोनों नेता मुकेश चंद्रकार की अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हुए और न ही कांग्रेस का कोई बड़ा नेता उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुआ। कांग्रेस ने एक सच्चे पत्रकार का जीवित रहते भी बहिष्कार किया और मृत्यु के बाद भी बहिष्कार किया।

कोरबा के हॉस्टल में छात्रा ने दिया बच्ची को जन्म

कोरबा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में आदिवासी गर्ल्स हॉस्टल परिसर में एक नवजात बच्ची पड़ी हुई मिली। छात्राओं ने इसकी जानकारी वार्डन को दी। जांच करने पर वार्डन ने एक छात्रा की हालत देख उस पर संदेह जताया कि बच्चा उसका है। हालांकि, संबंधित छात्रा ने इससे सीधे इनकार कर दिया।

वहीं छात्रा के परिजनों का कहना है कि बेटी ने कभी अपने गर्भवती होने की जानकारी नहीं दी। फिलहाल, नवजात को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं कलेक्टर ने कार्य में लापरवाही के चलते हॉस्टल वार्डन को सस्पेंड कर दिया है। वार्डन जयकुमारी रात्रे ने बताया कि बच्चे की रोने की आवाज आने पर उसने जाकर देखा तो छात्रावास परिसर में नवजात पड़ी हुई थी।

रामगढ़ में फायरिंग करने के आरोप में चार पकड़े गए

लेवी के लिए होने वाली थी मीटिंग, पुलिस ने सादे लिबास में पहुंच किया गिरफ्तार

रामगढ़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने अमन श्रीवास्तव गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक नाबालिग है। इन पर पतरातू थाना क्षेत्र के एमजीपीसीएल कंपनी द्वारा बनाए जा रहे रेलवे फ्लाई ओवर ब्रीज पर फायरिंग करने का आरोप है। आरोपियों की गिरफ्तारी गुप्त सूचना पर की गई।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में दीपक कुमार, शहादत अंसारी और एहसान अंसारी शामिल हैं। वहीं, इनके साथ एक नाबालिग भी पकड़ा गया है। एसपी के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि पतरातू थाना क्षेत्र अन्तर्गत ऐलेक्सा रिसॉर्ट, तालाटांड में कंपनी के प्रतिनिधि के साथ अमन श्रीवास्तव गिरोह के सदस्य मीटिंग करने वाले हैं। इसके बाद एक टीम बनाकर पुलिसकर्मी सादे लिबास में मौके पर पहुंचे। यहां दो लोगों के पास जाकर पूछताछ किया गया, तो वे अपना नाम पता छुपाने लगे और भागने का प्रयास करने लगे। उन्हें पकड़ा गया और कड़ाई से पूछताछ की गई। इनमें से एक ने अपना नाम दीपक कुमार, दूसरे ने शहादत अंसारी बताया। पुलिस ने इनके पास से नौ एमएम का लोडेड देशी पिस्टल भी बरामद किया है।

आरोपियों ने बताया कि मीटिंग की प्लानिंग होटवार जेल मे बंद अमन श्रीवास्तव गिरोह के रियाज अंसारी, अमन श्रीवास्तव, शिव शर्मा, रतन सिंह ने की थी। इन लोगों को मीटिंग कर लेवी की राशि तय करनी थी। उस मीटिंग को अंजाम देने के लिए ऐलेक्सा रिसॉर्ट के बाहर तीन लोग रेकी कर रहे थे। इसमें से एहसान अंसारी और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया।

अब बिना एनईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर बन सकेंगे

वाइस चांसलर पद के लिए टीचिंग एक्सपीरिएंस की जरूरत नहीं; यूजीसी की ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अब हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूटस में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए यूजीसी एनईटी एग्जाम क्लियर करने की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट यानी एचईआईएस में फैकल्टी रिक्रूटमेंट और प्रमोशन के लिए ड्राफ्ट यूजीसी गाइडलाइंस जारी की हैं। इसके अनुसार, असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए सब्जेक्ट में एनईटी क्वालिफाइड होना जरूरी नहीं होगा।

ड्राफ्ट गाइडलाइंस यूजीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी की गई हैं। इन गाइडलाइंस पर इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और स्टेकहोल्डर्स से फीडबैक और सुझाव लेने के बाद इन्हें लागू कर दिया जाएगा। यूजीसी 5 फरवरी के बाद गाइडलाइंस लागू कर सकती है। अभी लागू यूजीसी गाइडलाइंस 2018 के अनुसार, असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए कैंडिडेट का उसी सब्जेक्ट से एनईटी क्वालिफाई होना जरूरी था, जिस सब्जेक्ट से पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) किया हो। नई गाइडलाइंस में कैंडिडेट्स को पीजी से इतर सब्जेक्ट्स से एनईटी करने की आजादी है। साथ ही बगैर एनईटी किए, सीधे पीएचडी किए हुए कैंडिडेट्स भी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए अप्लाई कर सकेंगे।

वीसी पद के लिए टीचिंग एक्सपीरिएंस की जरूरत खत्म

ड्राफ्ट गाइडलाइंस के अनुसार, अब किसी हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में वाइस चांसलर बनने के लिए कैंडिडेट के पास 10 वर्ष का टीचिंग एक्सपीरियंस होना जरूरी नहीं होगा। अपने फील्ड के ऐसे एक्सपर्ट, जो सीनियर लेवल पर काम करने का 10 साल का एक्सपीरियंस रखते हों और जिनका ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा हो, वे वाइस चांसलर (वीसी) बन सकते हैं। वीसी की नियुक्ति के लिए यूनिवर्सिटी चांसलर एक कमेटी का गठन करेंगे, जो अंतिम फैसला लेगी।

फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाना मकसद - यूजीसी चेयरमैन

यूजीसी चेयरमैन एम. जगदीश कुमार का कहना है कि नए नियम मल्टी-सब्जेक्ट बैकग्राउंड से फैकल्टी चुनने में मदद करेंगे। इन नियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षा में फ्रीडम और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाना है।

पिछले साल पुणे के इंस्टीट्यूट के वीसी हटाए गए थे

बता दें कि साल 2024 में पुणे स्थित गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स (जीआईपीई) के वाइस चांसलर अजीत रानाडे को पद से हटाया गया था। उनके पास पद के लिए जरूरी 10 साल का टीचिंग और एकेडमिक रिसर्च एक्सपीरियंस नहीं था, जिसके चलते उन्हें पद से हटा दिया गया। हालांकि बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनके फील्ड एक्सपीरियंस को देखते हुए, उन्हें वापिस इंस्टीट्यूट का वाइस चांसलर बनाने का फैसला सुनाया। बाद में नवंबर 2024 में उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया।

सारंडा में आईईडी विस्फोट, बच्ची की मौतःपरिवार संग जंगल में पत्ता तोड़ने गई थी, आईईडी पर पैर रखने से हुई घटना

चाईबासा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सुदूर नक्सल प्रभावित जराईकेला थाना क्षेत्र के राधापोडा जंगल में आईईडी विस्फोट में एक दस वर्षीय बच्ची की मौत हो गई है। बच्ची अपने परिजनों के साथ पत्ता तोड़ने गई थी।

इसी दौरान नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए आईईडी की चपेट में आ गई। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना में बच्ची के दोनों पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मृतका की पहपचान सनियारो गागराई के रूप में की गई। इधर, घटना की सूचना पर जराईकेला पुलिस शव की बरामदगी का प्रयास कर रही है। वहीं, घटना की पुष्टि मनोहरपुर के डीएसपी जयदीप लकड़ा ने की है।

पहले भी कई ग्रामीण आ चुके हैं चपेट में

सूत्रों के अनुसार, कोल्हान व सारंडा जंगल में भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष लिडर कैंप किए हुए हैं। इसके लिए सुरक्षाबल जंगलों में अभियान चला रही है। नक्सलियों द्वारा अपने आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए गुप्त स्थानों पर आईईडी छुपा कर रखा जाता है। अब तक 11 ग्रामीणों के अलावा कई सुरक्षाकर्मी भी आईईडी की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं।

काफी आईईडी बरामद किए गए हैं

10 अक्टूबर 2023 से जिला पुलिस व सीआरपीएफ के द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र में सर्चिंग अभियान शुरू किया गया था। जिससे अबतक काफी संख्या में सुरक्षाबलों ने आईईडी को बरामद करने में सफलता हासिल किया है।

प्लेन में स्ट्रेचर पर लेटकर यात्रा करती है ये महिला, वजह जान चौंक जाएंगे

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे लंबी महिला रुमेसा गेल्गी ने हाल ही में टर्किश एयरलाइंस से यूके और अमेरिका की यात्रा की है। इस दौरान रुमेसा गेल्गी ने बताया कि वह प्लेन में किस तरह से यात्रा करती है और उन्हें उड़ान के दौरान स्ट्रेचर पर क्यों लेटना पड़ता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (जीडब्ल्यूआर) ने रुमेसा गेल्गी की टर्किश एयरलाइंस के साथ यात्रा की एक वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में गेल्गी टर्किश एयरलाइंस के साथ यात्रा करती हुई दिख रही हैं। इस दौरान उन्होंने यात्रा के अपने अनुभवों के बारे में भी बताया। जीडब्ल्यूआर ने अपने वीडियो पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "दुनिया की सबसे लंबी महिला कैसे यात्रा करती है और अपने दोस्तों से कैसे मिलती है? टर्किश एयरलाइंस ने रुमेसा को अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा कराई।" जीडब्ल्यूआर के इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में रुमेसा ने कहा, "मैं बहुत ही ज्यादा उत्साहित हूं। मेरा दिल तेजी से धड़क रहा है।" इस दौरान एयरलाइन के स्टाफ रुमेसा को स्ट्रेचर पर लेटाकर प्लेन में चढ़ने में मदद कर रहे थे। वीडियो के एक कमेंट का जवाब देते हुए रुमेसा ने बताया कि उन्हें उड़ान के दौरान लेटने की आवश्यकता क्यों होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें स्कोलियोसिस है, जो रीढ़ की हड्डी की एक गंभीर बीमारी है।

बांग्लादेश में हसीना के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट

पूछताछ के लिए भारत आ सकती है टीम

ढाका, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के मुश्किलें कम नहीं हो रही है। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने अवामी लीग सरकार के कार्यकाल के दौरान 'जबरन गायब किए जाने' की घटनाओं में कथित संलिप्तता के लिए अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 11 अन्य के खिलाफ नए गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। हसीना के खिलाफ यह दूसरा गिरफ्तारी वारंट है। इससे पहले उनकी सरकार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को कुचलने के लिए शेख हसीना पर मानवता का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं। साथ ही 2009 के बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) नरसंहार की फिर से जांच कर रहे आयोग ने सुझाव दिया है कि वह हसीना से पूछताछ करने के लिए एक टीम भारत भेज सकती है।

12 फरवरी तक अदालत में पेश करने का आदेश

आईसीटी ने आदेश दिया है कि आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और 12 फरवरी को अदालत में पेश किया जाए। हालांकि, बांग्लादेश सरकार अभी भी हसीना की वापसी के लिए 23 दिसंबर के अपने अनुरोध पर भारत से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना की वापसी की मांग की है, भारत सरकार ने अभी तक बांग्लादेश के नोट वर्बल का जवाब नहीं दिया है। हालांकि ढाका ने माना कि दोनों पड़ोसियों के बीच प्रत्यर्पण संधि में कोई समय-सीमा तय नहीं है, लेकिन उसने बार-बार कहा है कि वह हसीना की बांग्लादेश वापसी के लिए दबाव बनाता रहेगा।

2009 बीडीआर नरसंहार और शेख हसीना

आईसीटी के चीफ जज मुहम्मद ताजुल इस्लाम ने सुनवाई के दौरान आरोपियों की पूरी लिस्ट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कुछ रिपोर्टों के मुताबिक इस लिस्ट में पूर्व सैन्य अधिकारी का भी नाम है। ताजुल इस्लाम ने कहा कि हसीना गायब होने वाले मामलों में सीधे तौर पर शामिल थीं। इसके अलावा आईसीटी ने हसीना को गिरफ्तार करने में इंटरपोल की मदद भी मांगी है। पैनल के प्रमुख रिटायर्ड मेजर जनरल एएलएम फजलुर रहमान ने कहा कि हसीना से पूछताछ के लिए टीम भेजने को लेकर विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि रहमान ने जोर देकर कहा कि बीडीआर हत्याओं में सिर्फ विदेशी या स्थानीय संलिप्तता का दावा करना या भारत को दोषी ठहराना ठोस सबूतों के बिना सही नहीं है।

पंजाब में बुजुर्ग दंपती की हत्या दिल्ली से बेटा करता रहा फोन खून से लथपथ मिली लाशें

बठिंडा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में बुजुर्ग दंपती की हत्या की गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बठिंडा के गांव बढियाला में बीती रात बुजुर्ग दंपती की तेजदार हथियारों से हत्या की गई है। गांव के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी नरिंदर सिंह ने बताया कि बुजुर्ग कयास सिंह अपनी पत्नी अमरजीत कौर के साथ खेतों की ढाहनी में रहता था। बीती देर रात जब इनका दिल्ली रहने वाला बेटा अपने माता-पिता को फोन कर रहा था। उसके कई बार फोन कॉल करने के बावजूद दंपती ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उसने गांव के अन्य लोगों को फोन किया। इसके बाद गांव के लोग कयास सिंह के घर पर पहुंचे तो मामले का खुलासा हुआ। दोनों बुजुर्ग जमीन पर खून से लथपथ पड़े थे। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद इनके बेटे को घटना की जानकारी दी गई और पुलिस को भी सूचित किया गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह पाया गया है कि हमलावरों ने बुजुर्ग दंपीत की तेजधार हथियारों से हमला कर हत्या की है। हालांकि दोनों की हत्या लूट के इरादे या किसी अन्य मकसद से की गई है इसकी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस की अलग-अलग टीम घटना की गहनता से जांच कर रही है।

छटपटाता रहा पाकिस्तान, लेकिन इंडोनेशिया को मिल गई ब्रिक्स में एंट्री; चीन का प्लान भी फेल

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। 2009 में शुरू हुए ब्रिक्स का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। अब इसमें दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया का एंट्री मिल गई है। ब्राजील ने इसका एलान किया। लेकिन इंडोनिशया की एंट्री से अब पाकिस्तानी की बेचैनी बढ़ गई है। पाकिस्तान खुद लंबे समय से ब्रिक्स में शामिल होने के लिए छटपटा रहा है। इसके लिए वह कई बार चीन के दरवाजे पर कटोरा लेकर खड़ा भी हो चुका है।

इंडोनेशिया बना 11वां देश

ब्रिक्स में हिस्सा लेने वाला ब्राजील 11वां देश बन गया है। इसके पहले ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाया गया था। इंडोनेशिया के ब्रिक्स में शामिल होने के प्रस्ताव को 2023 में जोहान्सबर्ग में हुए सम्मेलन के दौरान मंजूरी दी गई थी। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'ब्राजील सरकार ब्रिक्स में इंडोनेशिया की एंट्री का स्वागत करती है। दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आबादी वाले देश के रूप में इंडोनेशिया अन्य ब्रिक्स सदस्यों के साथ वैश्विक संस्थानों में सुधार का समर्थन करता है।'

ब्राजील कर रहा अध्यक्षता

ब्रिक्स की अध्यक्षता इस साल ब्राजील कर रहा है। इस साल जुलाई महीने में ब्रिक्स का सम्मेलन होना है। यह समिट ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होगा। इस बार ब्रिक्स का थीम ग्लोबल साउथ है। इसमें सदस्य देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए पेमेंट गेटवे के विकास का लक्ष्य रखा गया है। नवंबर में जब रूस में ब्रिक्स का शिखर सम्मेलन हुआ था, तब गैर डॉलर लेन-देने को बढ़ावा देने और लोकल करेंसी को मजबूत करने पर चर्चा की गई थी। लेकिन अमेरिका इस पर भड़क गया था। डोनाल्ड ट्रंप ने सदस्य देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

कैसे हुई ब्रिक्स की शुरुआत?

ब्रिक्स की स्थापना 2009 में ब्राजील, चीन, रूस और भारत ने मिलकर की थी। इसका पहला समिट रूस के येकातेरिनबर्ग में हुआ था। 2010 में न्यूयॉर्क में सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की एक मीटिंग में साउथ अफ्रीका को भी शामिल करने पर सहमति बन गई। 2011 में साउथ अफ्रीका ने सान्या में हुए ब्रिक्स समिट में हिस्सा लिया। 2024 में इजिप्ट, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई को इसमें शामिल कर लिया गया। ब्रिक्स की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। चीन की मदद से पाकिस्तान भी इसमें शामिल होना चाहता है, लेकिन उसकी दाल नहीं गल पा रही है।

सालों बाद पाकिस्तान ने माना- भारत ने की थी सर्जिकल स्ट्राइक, देश में घुसकर मारा था, किसने दिया बयान

इस्लामाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान का रिश्ता आजादी के बाद से कभी भी सामान्य नहीं रहा है। यही वजह रही है कि बंटवारे के बाद से दोनों मुल्कों के बीच अब तक 4 जंगें लड़ी जा चुकी है, लेकिन हर बार पाकिस्तान को भारत के हाथों मुंह की खानी पड़ी है। बीते कुछ सालों में भारत ने पाकिस्तान को उसके नापाक इरादों की वजह से सबक भी सिखाया है। पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया था। हालांकि, पाकिस्तान इस बात को मानने से अवतक इंकार करता रहा है कि भारत ने कभी भी कोई सर्जिकल स्ट्राइक किया। अब पाकिस्तान की एक पत्रकार ने माना है कि भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक किया था। पाकिस्तानी पत्रकार नजीम सेठी ने एक इंटरव्यू के दौरान माना की भारत ने पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस इंटरव्यू का छोटा सा एक हिस्सा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पाक अनटोल्ड नाम के अकाउंट ने पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक की बात कबूली है। नजीम सेठी ने सर्जिकल स्ट्राइक वाली बात कबूलने से पहले कहा कि हाल के दिनों में जिस तरह से पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में घुसकर हमला किया है,

इजरायल के नाक में दम करने वाले हूतियों के कब्जे में है भारतीय नर्स निमिषा प्रिया

यह मुस्लिम देश आखिरी सहारा, मिला बड़ा भरोसा

सना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की नर्स निमिषा प्रिया को यमन में मौत की सजा सुनाई गई है। हाल ही में ये खबर आई थी कि यमनी नागरिक की हत्या के मामले में निमिषा की फांसी को राष्ट्रपति ने मंजूरी दी है। इस पर यमन दूतावास ने सफाई देते हुए कहा है कि राष्ट्रपति रशद मोहम्मद अल-अलीमी ने सजा की पुष्टि नहीं की है। इसकी वजह ये है कि निमिषा राजधानी सना की जेल में बंद है, यह हूती विद्रोहियों के कब्जे वाला इलाका है। ऐसे में यह यमनी राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। निमिषा की सजा पर फैसला हूतियों का प्रशासन ही लेगा। यमन के दूतावास ने सोमवार को भारत में जारी बयान बयान में कहा कि निमिषा का पूरा केस मामला हूती विद्रोहियों की कोर्ट में ही चला है। प्रिया की मौत की सजा को मंजूरी हूती सुप्रीम पॉलिटिकल काउंसिल के नेता मेहदी अलमशात ने की है। इसमें यमनी राष्ट्रपति का कोई हस्तक्षेप नहीं है। भारतीय नर्स निमिषा की सजा पर आगे का फैसला हूतियों की सरकार को लेना है।

ईरान से आखिरी उम्मीद!

हूतियों से निमिषा को फांसी से माफी दिलाने में ईरान से भारत को मदद की आखिरी उम्मीद की तरह है। इजरायल और अमेरिका से लाल सागर में लड़ रहे हूतियों को ईरान का समर्थन मिलता रहा है। ऐसे में ईरान का दखल इस मामले में अहम हो सकता है। ईरान की ओर से निमिषा की मदद की बात कही गई है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा है कि निमिषा के लिए हम जो भी अच्छा से अच्छा कर सकते हैं, वो करेंगे। निमिषा प्रिया केरल के पलक्कड़ जिले की रहने वाली हैं। वह एक दशक से ज्यादा समय से यमन में हैं। प्रिया पर 2017 में तलाल महदी नाम के यमनी नागरिक की हत्या का आरोप लगा और 2018 में उन्हें दोषी पाया गया और मौत की सजा सुनाई गई। इसके बाद से निमिषा को बचाने की कोशिश हो रही है। सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल की ओर से भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई गई है। निमिषा के वकील और परिवार ने ब्लड मनी देने की भी पेशकश की है।

पुलिस की वर्दी पहन महिला से की दोस्ती, मिलने आता था घर, निकला परचून दुकानदार ऐसे पहुंचा जेल

हल्द्वानी, 7 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी पुलिस की वर्दी पहनकर एक जालसाज ने महिला से दोस्ती गांठ ली। फिर वह काठगोदाम इलाके में उसके घर पर एक साल तक आता-जाता रहा। शक होने पर परिजनों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस भी बुला ली गई। काफी देर पूछताछ और जांच पड़ताल के बाद खुलासा हुआ कि वह परचून दुकानदार है। यूपी के मिर्जापुर के रहने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह मामला काठगोदाम स्थित कृष्णा विहार कॉलोनी का है। यहां रहने वाले एक व्यक्ति ने रविवार को तहरीर देते हुए बताया कि मकान की दूसरी मंजिल पर भाई अपने परिवार के साथ रहता है। यूपी पुलिस की वर्दी पहनकर एक व्यक्ति पिछले एक साल से उनके यहां आ रहा था। भाई की पत्नी उस व्यक्ति को अपना रिश्तेदार बताती थी। शक होने पर रविवार को जब उन्होंने आरोपी से रोज-रोज आने का कारण पूछा, तो वह बहस करने लगा। मारने की धमकी भी दी। विवाद बढ़ने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने उससे पूछताछ की। एसओ दीपक बिष्ट ने बताया कि आरोपी ने फर्जी परिचयपत्र दिखाते हुए यूपी पुलिस में होने का दावा किया। तब उससे उसकी ट्रेनिंग की जगह, अवधि, वर्तमान पोस्टिंग, कानूनी धाराएं आदि पूछी गईं तो वह सकपका गया। कुछ ही देर में उसने असलियत स्वीकार कर ली।

फ्रांस में सामने आया नए एमपॉक्स वैरिएंट का पहला मामला, संक्रमित क्षेत्र से लौटे दो लोगों के संपर्क में था पीड़ित

पेरिस, 7 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांस में नए एमपॉक्स वैरिएंट का पहला मामला सामने आया है। इसकी जानकारी समाचार एजेंसी एएफपी ने सोमवार को देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान का हवाला देते हुए दी। एएफपी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मरीज ने मध्य अफ्रीका की यात्रा नहीं की थी, जहां वायरस का नया रूप उत्पन्न हुआ था, लेकिन वह उस क्षेत्र से लौटे दो लोगों के संपर्क में था। एएफपी के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारी संक्रमण के स्रोत की जांच कर रहे हैं और सभी संभावित संपर्कों का पता लगाने का काम कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मरीज एक महिला है और उसका निदान ब्रिटनी के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में रेनेस के एक अस्पताल में किया गया था। एमपॉक्स का नया रूप, जिसे क्लेड 1बी वैरिएंट कहा जाता है, अगस्त में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल से जुड़ा हुआ है। जर्मनी ने अक्टूबर में अपना पहला मामला दर्ज किया और ब्रिटेन में भी पहला केस दर्ज हुआ। मंकीपॉक्स, स्मॉल पॉक्स की तरह एक वायरल बीमारी है। इसका नाम भले मंकीपॉक्स है, लेकिन इसका मंकी से कोई संबंध नहीं है। यह स्मॉल पॉक्स परिवार से जुड़ी समस्या है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंकीपॉक्स वायरस की पहचान पहली बार 1958 में हुई थी जब रिसर्च के लिए रखे गए बंदरों में चेचक जैसी बीमारी के लक्षण मिले थे। इस बीमारी का पहला मामला 1970 में मिला था जिसके बाद 2022 में एमपॉक्स दुनियाभर में फैल गया। मंकीपॉक्स के सामान्य लक्षणों में दाने शामिल हैं जो 2-4 सप्ताह तक रह सकते हैं। यह बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, थकान और सूजी हुई ग्रंथियों (लिम्फ नोड्स) से शुरू हो सकता है। इसके दाने फफोले या घावों की तरह दिखते हैं और चेहरे, हाथों की हथेलियों, पैरों के तलवों, कमर, जननांग और/या गुदा क्षेत्रों पर दिखाई दे सकते हैं। कुछ लोगों को मलाशय (प्रोक्टाइटिस) के अंदर सूजन हो जाती है जिससे तेज दर्द हो सकता है, साथ ही जननांगों में सूजन आ सकती है जिससे पेशाब करने में कठिनाई हो सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप का बाइडन पर बड़ा आरोप

कहा- वह सत्ता के हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की कर रहे हरसंभव कोशिश

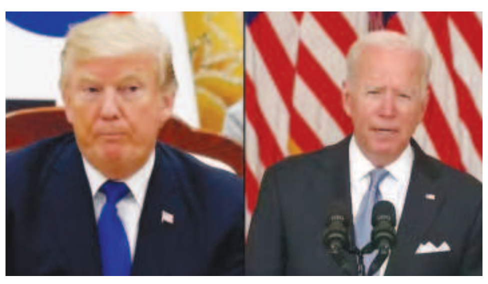

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेंगे। इससे पहले, रिपब्लिकन नेता ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रंप का कहना है कि डेमोक्रेटिक नेता सत्ता के हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हाल के दिनों में जलवायु और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर बाइडन के कार्यकारी आदेशों का उदाहरण देते हुए यह आरोप लगाया। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इसी के साथ वह अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में बाइडन की जगह ले लेंगे। रिपब्लिकन नेता ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, 'बाइडन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं।'

इसलिए इस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखे गए। 'ग्रीन न्यू स्कैम', धन की बर्बादी के फैसले और हास्यास्पद कार्यकारी आदेश इसके उदाहरण हैं।' उन्होंने कहा, 'डरो मत, ये सभी आदेश जल्द ही समाप्त हो जाएंगे हम सामान्य समझ तथा ताकत वाला देश बन जाएंगे।' अमेरिकी संसद द्वारा ट्रंप की जीत की पुष्टि किए जाने से कुछ पहले और बाइडन के अमेरिका के अधिकांश तटरेखा पर तेल तथा प्राकृतिक गैस के लिए खोदाई पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद उनका यह बयान आया।

जाह्नवी कंडुला मौत मामले में सिएटल अधिकारी नौकरी से बर्खास्त, साल 2023 में सड़क पार करते समय हुई थी मौत

लास वेगास, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सिएटल में पुलिस वाहन दुर्घटना में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के करीब एक साल बाद, जिम्मेदार अधिकारी केविन डेव को सिएटल पुलिस विभाग से निकाल दिया गया है। 23 वर्षीय कंडुला, जो मूल रूप से आंध्र प्रदेश की रहने वाली थी, 23 जनवरी, 2023 को सड़क पार करते समय घातक रूप से घायल हो गई थी। ड्रग ओवरडोज की कॉल का जवाब देते हुए अधिकारी डेव 74 मील प्रति घंटे (लगभग 119 किमी/घंटा) की गति से गाड़ी चला रहे थे, जब उनके गश्ती वाहन ने कंडुला को टक्कर मार दी, जिससे वह 100 फीट दूर जा गिरी। अंतरिम सिएटल पुलिस प्रमुख सू राहर ने डेव को नौकरी से निकालने के फैसले की घोषणा की, जब सिएटल पुलिस जवाबदेही कार्यालय ने निर्धारित किया कि उन्होंने चार विभागीय नीतियों का उल्लंघन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम सिएटल पुलिस प्रमुख सू राह ने कहा कि उन्होंने डेव को सिएटल पुलिस विभाग से निकाल दिया है। रिपोर्ट में राहर द्वारा कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल का हवाला देते हुए कहा गया है कि उन्होंने सोमवार को डेव को नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि सिएटल पुलिस जवाबदेही कार्यालय ने पाया कि उसने विभाग की चार नीतियों का उल्लंघन किया था। बता दें कि कुछ महीने पहले सिएटल के एक अन्य पुलिस अधिकारी डेनियल ऑडरर को कंडुला की मौत के बाद उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों और हंसी के कारण नौकरी से निकाल दिया गया था। सिएटल पुलिस विभाग द्वारा जारी बॉडीकैम फुटेज में, ऑडरर को घातक दुर्घटना के बाद हंसते हुए सुना गया था और उसने टिप्पणी की थी उह, मुझे लगता है कि वह हुड पर चढ़ गई, विंडशील्ड से टकराई और फिर जब उसने ब्रेक मारा, तो कार से उछल गई... लेकिन वह मर चुकी है। विभाग की अनुशासनात्मक कार्रवाई रिपोर्ट में कहा गया है कि ये टिप्पणियां करने के बाद, ऑडरर चार सेकंड तक जोर से हंसा। ऑडरर के बॉडी-वॉर्न कैमरे ने उन्हें यह कहते हुए भी कैद किया कि हाँ, बस एक चेक लिख दो। बस, हाँ (हँसी), 11,000 अमेरिकी डॉलर। वह वैसे भी 26 वर्ष की थी। उसका सीमित मूल्य था। जब पुलिस उत्तरदायित्व कार्यालय के एक साक्षात्कार में उनकी टिप्पणियों के बारे में पूछा गया कि कंडुला का सीमित मूल्य था, तो ऑडरर ने दावा किया कि वह शहर के वकीलों का उपहास कर रहे थे, जिन्हें संभावित गलत मौत के मुकदमे की पैरवी करने का काम सौंपा जाएगा। राहर ने एक आंतरिक ईमेल में कहा था कि कंडुला के परिवार को ऑडरर के शब्दों से जो ठेस पहुंची है, उसे मिटाया नहीं जा सकता। इस पुलिस अधिकारी की हरकतों ने सिएटल पुलिस विभाग और हमारे पूरे पेशे को शर्मसार कर दिया है, जिससे हर पुलिस अधिकारी का काम और भी मुश्किल हो गया है।

'कुर्स्क अभियान की शुरुआत के बाद से रूस ने खो दिए 38000 जवान', जेलेंस्की का दावा

कीव, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 1000 दिनों से युद्ध जारी है। इस बीच यूक्रेन ने रूसी क्षेत्र कुर्स्क पर हमला किया। इस हमले पर बात करते हुए यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि इलाके में रूस ने अपने 38000 जवानों को खो दिए। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बफर जोन और रूसी सैन्य संपत्तियों को नष्ट करने पर जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, कुर्स्क क्षेत्र में हमारी कार्रवाई को आज पांच महीने पूरे हो चुके हैं। हम रूसी क्षेत्र में बफर जोन को बरकरार रखे हुए हैं। वहां उनके सैन्य ताकतों को नष्ट कर रहे हैं।

कुर्स्क अभियान के दौरान दुश्मनों ने अपने लगभग 38000 सैनिकों को खो दिया। उन्होंने आगे कहा, रूस ने कुर्स्क में अपने सबसे मजबूत सैनिकों को तैनात किया था, जिसमें उत्तर कोरिया के सैनिक भी शामिल थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन लोगों को अब अन्य मोर्चों पर पुनःनिर्देशित नहीं किया जा सकता है। जेलेंस्की ने अपने सभी सैनिकों की सराहना की। उन्होंने कहा, मैं अपने सभी योद्धाओं का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने यूक्रेन को अधिक सुरक्षा और ताकत प्रदान की। बता दें कि यूक्रेन ने रविवार को कुर्स्क में जवाबी हमले किए। इन हमलों के साथ रूस को बताना दी गई कि मॉस्को को वह मिल रहा है, जिसका वह हकदार है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने मचाई तबाही, लाखों घरों की कटी बिजली; 2,400 उड़ानें रद्द

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में बर्फीले तूफान की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भारी बर्फबारी और बर्फीली बारिश के चलते लाखों लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। सड़कों पर बर्फ जम गई है जिसकी वजह से हुए हादसों में लोगों की मौतें भी हुई हैं। बर्फीले तूफान ने अमेरिका के एक दर्जन से अधिक राज्यों को अपनी चपेट में लिया है। मिडिल अमेरिका के कैनसस से लेकर पूर्वी तट पर न्यू जर्सी तक छह करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। दोपहर तक मिसौरी से वर्जीनिया तक 175,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर थे। बर्फीले तूफान की वजह से 2,400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं और हजारों विमानों ने देरी से उड़ान भरी। तूफान की वजह से रेल यात्रा भी बुरी तरह प्रभावित हुई। नेशनल रेलरोड पैसेंजर कॉरपोरेशन ने 50 से अधिक ट्रेनें रद्द कर दी हैं। तूफान से संबंधित या ता या त दुर्घटनाओं में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। हालात यह हैं कि, चैपमैन और सेंट जॉर्ज, कंसास में 18 इंच तक बर्फबारी दर्ज की गई है, जबकि कैमरून, मिसौरी और मेसन, वेस्ट वर्जीनिया में 10 इंच से अधिक बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग की मानें तो तूफान के कारण कई इलाकों में तापमान -18 डिग्री तक जा सकता है। बर्फबारी, सर्द हवा और लगातार गिरते तापमान के कारण देश के कुछ हिस्सों में यात्रा की स्थिति खतरनाक हो गई है।

लोगों से घरों में रहने का किया गया आग्रह

केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर ने लोगों से घरों में रहने का आग्रह किया है। साथ ही चेतावनी जारी की गई है कि कुछ इलाकों में आधा इंच तक बर्फ जमा हो सकती है और तेज हवाओं की वजह से पेड़ गिर सकते हैं। कैनसस में बारिश और बर्फबारी जारी है।

अमेरिका में बर्ड फ्लू से इंसान की मौत का हैरान करने वाला मामला, घर में पाल रखे पक्षियों से हुआ था संक्रमण

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया भर में इस समय एचएमपीवी को लेकर डर बना हुआ है। इस बीच अमेरिका में बर्ड फ्लू से पहली मौत की पुष्टि हुई है। मरीज की उम्र करीब 65 साल थी। जिसे कई गंभीर बीमारियां भी थीं। पिछले दिनों सांस संबंधी बीमारी के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी इलाज के दौरान ही मौत हो गई। मरीज को उसके घर के पीछे पाले गए पक्षियों के झुंड के संपर्क में आने के बाद एच5एन1 हुआ। लुइसियाना के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बर्ड फ्लू से होने वाली ये पहली मौत है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, अमेरिका में अब तक बर्ड फ्लू के कुल 66 मामले सामने आए हैं, इनमें उन लोगों में ये वायरस डिटेक्ट हुआ था, जो जानवरों के संपर्क में रहे हैं। बर्ड फ्लू यानी एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) अब पक्षियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंसानों और जानवरों में भी फैल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो अभी आम लोगों में इस बीमारी का खतरा कम है। लेकिन जो लोग पक्षियों, मुर्गों या गायों के साथ काम करते हैं। उन्हें इस बीमारी को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। बर्ड फ्लू का असर पिछले कई दिनों से बढ़ता जा रहा है। लगातार कई केस सामने आ रहे हैं। यही कारण है स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों से जानवरों और पक्षियों से दूर रहने की सलाह दी है। अमेरिका में अब तक 10 राज्यों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आ चुके हैं। जिनमें कैलिफोर्निया, कोलोराडो, आयोवा, लुइसियाना, मिशिगन, ओरेगन, मिसौरी, वाशिंगटन, विस्कॉन्सिन और टेक्सास शामिल है। एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा ए का ही एक सबटाइप है, इसे ज्यादा संक्रामक माना जाता है, क्योंकि यह पोल्ट्री में गंभीर और अक्सर घातक बीमारी का कारण बनता है।

अंग्रेजी माध्यम के स्कूल बंद करने को लेकर बोले कानून मंत्री : समीक्षा बैठक के बाद होगा निर्णय

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में खोले गए अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को लेकर उठे विवाद पर राज्य के कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि सभी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को बंद करने की खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों की समीक्षा की जा रही है और आवश्यकतानुसार उन्हें जारी रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि समीक्षा का मतलब किसी भी संस्थान को बंद करना नहीं है। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का उद्देश्य है कि गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि ये स्कूल सही मायनों में अंग्रेजी माध्यम के हों।

शिकायतें मिली थीं कि कई

स्कूलों में केवल बोर्ड अंग्रेजी माध्यम का था, जबकि वहां न तो योग्य अंग्रेजी शिक्षक थे और न ही पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम में हो रही थी।

उन्होंने आगे बताया कि कुछ स्कूल ऐसे पाए गए हैं, जहां एक भी अंग्रेजी शिक्षक नियुक्त नहीं किया गया था। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि जहां अंग्रेजी माध्यम स्कूल आवश्यक हैं, वहां शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखी जाए।

गौरतलब है कि इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार को घेर रही है। साथ ही कांग्रेस नेताओं द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं कि यह कदम गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा से वंचित करने की साजिश है।

हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा को डर है कि गरीब और वंचित वर्ग के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करके उनके बच्चों के बराबर आ जाएंगे। यही वजह है कि भाजपा सरकार इन स्कूलों की समीक्षा कर रही है।

उन्होंने कहा- आंकड़े बताते हैं कि 75% गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ते हैं। वहीं 90% भाजपा नेताओं के बच्चे महंगे निजी स्कूलों और विदेशों में पढ़ाई करते हैं। यह स्पष्ट है कि भाजपा की नीतियां गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों के खिलाफ हैं।

कांग्रेस के इन आरोपों को खारिज करते हुए भाजपा ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया। मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा का उद्देश्य है कि छात्रों को सही मायनों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा मिले। यह कदम किसी क्षेत्र या वर्ग के खिलाफ नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की जरूरत है, वहां इन्हें बंद नहीं किया जाएगा। हालांकि जहां नए छात्रों का नामांकन नहीं हो रहा है और अभिभावक हिंदी माध्यम स्कूल की मांग कर रहे हैं वहां समीक्षा के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

जिले खत्म करने को लेकर रामकेश मीणा उपनेता प्रतिपक्ष ने हाईकोर्ट में चुनौती दी

10 जनवरी को होगी सुनवाई

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जिलों को खत्म करने के फैसले पर अब भजनलाल सरकार को कोर्ट में जवाब देना होगा। कांग्रेस के उपनेता प्रतिपक्ष व गंगापुर विधायक रामकेश मीणा व अन्य की ओर से भजनलाल सरकार के 9 जिलों और 3 संभागों को खत्म करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। फैसले के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ 10 जनवरी को सुनवाई करेगी।

याचिकाकर्ता के वकील सारांश सैनी ने बताया कि याचिका में कहा गया है कि सरकार का यह फैसला पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है।

गंगापुरसिटी को जिला बने डेढ़ साल हो गया है, यहां जिला कलेक्टर और एसपी ऑफिस खुल गए हैं, सभी तरह का इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप हो गया है लेकिन सरकार बदलने के साथ ही राजनीति से प्रेरित होकर जिले को खत्म करने का फैसला लिया गया है, जो जनहित में नहीं है।

28 दिसंबर को हुआ था फैसला

बीती 28 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक में भजनलाल सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार में बने नए जिलों में से 9 जिलों और 3 संभागों को निरस्त करने का फैसला लिया था। सरकार ने पहले रिटायर आईएएस ललित के. पंवार की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई, जिन्होंने सरकार को

अपनी सिफारिशें दीं। इसके बाद भजनलाल सरकार ने इन सिफारिशों को कैबिनेट सब कमेटी को भेजा, इस कमेटी ने भी ललित पंवार कमेटी की सिफारिश को आधार बनाकर मापदंडों पर खरा नहीं उतरने पर जिले निरस्त करने सिफारिश की थी, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दे दी।

गहलोत सरकार ने बनाए थे ये जिले और संभाग

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने 17 नए जिले और 3 नए संभाग बनाए थे, जिनमें जयपुर और जोधपुर के 2-2 टुकड़े किए गए थे। नए जिलों में अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली, बालोतरा, जयपुर ग्रामीण, खैरथल, ब्यावर, नीमकाथाना, डीग, जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, डीडवाना, सलूंबर, दूदू, केकड़ी, सांचौर और शाहपुरा शामिल थे। बांसवाड़ा, पाली और सीकर को संभाग बनाया था।

कांग्रेस में भी संगठनात्मक स्तर पर बदलाव की तैयारी

अशोक गहलोत को मिल सकती है नई जिम्मेदारी

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी अपने संगठन में फेरबदल की तैयारी कर चुकी है। अब कांग्रेस की बारी है। कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन में नई नियुक्तियां की जानी हैं। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में जल्द ही नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी। इनमें कई राज्यों के प्रभारी भी बदले जाने हैं। राजस्थान से पूर्व सीएम अशोक गहलोत को दिल्ली में कोई अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके साथ ही सचिन पायलट, हरीश चौधरी सहित राजस्थान के कई अन्य नेताओं के प्रभार में भी बदलाव हो सकता है।

वहीं प्रदेश कांग्रेस में भी संगठनात्मक रूप से बदलाव होने हैं। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पिछले दिनों राहुल गांधी व प्रदेश प्रभारी सुखजिंद सिंह रंधावा से भी मुलाकात कर चुके हैं। राजस्थान कांग्रेस की बात करें तो कई अग्रिम संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठों में भी बदलाव होंगे। उपचुनावों के दौरान प्रदेश में कई पदाधिकारियों के निष्क्रिय होने की शिकायतें भी आई थीं। इस पर डोटासरा ने कहा था कि जो काम नहीं कर रहे हैं उन्हें संगठन के पदों से हटाया जाएगा। निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी होगी।

राजस्थान में होने वाले इन बदलावों में उदयपुर चिंतन शिविर के फैसलों की पूरी झलक देखने को मिलेगी। इसमें युवाओं और महिलाओं को ज्यादा मौके मिल सकते हैं। इसके अलावा कई नए चेहरों को भी संगठन में मौका दिया जाएगा। ऐसे चेहरों को भी मौका दिया जा सकता है, जिनका कोई राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं है।

शादी से 27 दिन पहले सरकारी टीचर की मौत

बहरोड़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बाइक सवार सरकारी टीचर को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। मौके पर ही टीचर की मौत हो गई। टीचर की 27 दिन बाद शादी थी। हादसा हरियाणा में रेवाड़ी के बावल थाना इलाके में सोमवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ।

थाना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया- सरकारी टीचर अनूप यादव (28) पुत्र रोशन मोदी जखराना (बहरोड़) के रहने वाले थे। सर्दियों की छुट्टी खत्म होने पर सोमवार को बाइक से वह ड्यूटी जॉइन करने तिजारा जा रहे थे। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर रेवाड़ी में बावल के पास ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक का पहिया टीचर के सिर के ऊपर से निकल गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। टीचर की जेब में रखे आई कार्ड और अन्य डॉक्युमेंट के आधार पर पहचान कर परिजनों को जानकारी दी। ट्रक को जब्त कर लिया है। टक्कर मारने के बाद ड्राइवर फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। टीचर के बड़े भाई की रिपोर्ट पर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। शादी की तैयारियों के बीच घर में कोहराम मच गया। बेटे को दूल्हा बनता देखने का सपना संजोए मां उसे सफेद कफन में देखकर बेहोश हो गई। परिवार के लोगों ने उन्हें संभाला। अनूप यादव की अक्टूबर 2023 में ग्रेड थर्ड टीचर के तौर पर सरकारी नौकरी लगी थी। उनकी पहली पोस्टिंग राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल चूहडपुर (तिजारा) में हुई। वह यहां इंग्लिश के टीचर थे।

सरकार हर साल 2 बैंकों से लेगी 30 हजार करोड़ रुपए का लोन

बीओबी और बैंक ऑफ महाराष्ट्र देंगे ऋण

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ राज्य सरकार के दो एमओयू हुए। एमओयू के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा अगले छह वर्षों में यानी 31 मार्च 2030 तक, प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रुपए का ऋण प्रदान करेगा। इसके साथ ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी प्रति वर्ष 10 हजार करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराएगा। यह राशि राजस्थान सरकार की विभिन्न परियोजनाओं विशेषकर आधारभूत ढांचा क्षेत्र जैसे बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा, सड़क, पेयजल और स्वच्छता के लिए उपयोग में ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सशक्त करने की दिशा में इसे बड़ा कदम बताया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि दोनों बैंकों के साथ सपन्न एमओयू राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने

कहा कि राज्य सरकार ने 'विकसित राजस्थान 2047' के तहत पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर 'सर्वजन हिताय' आधारित समावेशी विकास का लक्ष्य रखा है। इन संकल्पों में बुनियादी ढांचे का विकास करना और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर पर पहुंचाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जैसे देश के प्रतिष्ठित बैंक अब राजस्थान की विकास यात्रा में भागीदार बनने जा रहे हैं। आज का यह समझौता प्रदेश के बुनियादी ढांचे की मजबूती में मील का एक पत्थर साबित होगा।

मंत्री जोगाराम पटेल बोले- पेपर लीक नहीं हुआ

डोटासरा ने किया पलटवार; बोले- 'सरकार नाकाम, इसलिए झूठ बोल रही है'

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के कई सेंटरों पर राष्ट्रीय बीज निगम की ऑनलाइन परीक्षा में नकल के बाद घमासान मचा हुआ है। इस मामले को लेकर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर निशाना साधा था। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जवाब देते हुए कहा था कि ये पेपर लीक नहीं हुआ है, नकल माफिया ने कंप्यूटर हैक कर नकल कराने का प्रयास किया है। इसके बाद डोटासरा ने फिर से मंत्री जोगाराम पटेल पर पलटवार किया है।

डोटासरा ने फिर से किया पलटवार

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पेपर लीक रोकने में विफल रही भाजपा सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए झूठ का सहारा लेकर

अनुपयुक्त बयानबाजी कर रही है। सरकार के मंत्री नकल से इनकार कर रहे हैं जबकि FSL जांच में 4 लैब में नकल की पुष्टि हुई है, जबकि 2 लैब में जांच जारी है। रविवार को नेशनल सीड्स कॉर्पोरेशन की परीक्षा 3 पारियों में आयोजित हुई है, यानी जिन लैब में नकल की पुष्टि हुई है वहां सुबह से पेपर गिरोह सक्रिय था और नकल हो रही थी।

डोटासरा का ट्विट

उन्होंने कहा कि जबकि पुलिस और एसओजी को नकल की सूचना परीक्षा की तीसरी पारी के बाद मिली है, जिसके पश्चात शाम 6 बजे कार्रवाई की गई। सरकार अनर्गल बयानबाजी से अपनी नाकामी और तथ्यों पर पर्दा डालने का कुप्रयास कर रही है, जबकि सच्चाई ये है कि प्रदेश में सक्रिय नकल गिरोह ने मुख्यमंत्री जी के झूठे दावों की पोल खोल दी।

जोगाराम पटेल ने लगाए थे ये आरोप

इससे पहले जोगाराम पटेल ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस की प्रोपेगेंडा फैक्ट्री नकल के मामले को पेपर लीक बताकर जनता को दिग्भ्रमित कर रही है, लेकिन कांग्रेस की झूठ की दुकान अब चलने वाली नहीं है। ये पेपर लीक नहीं हुआ है, नकल माफिया ने कंप्यूटर हैक कर नकल कराने का प्रयास किया है।

पटेल ने राष्ट्रीय बीज निगम की ऑनलाइन परीक्षा में नकल का मामला पकड़े जाने के बाद जयपुर में मीडिया से बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान की जनता भूली नहीं है, कैसे कांग्रेस सरकार के समय माफिया खुले आम पेपरलीक करवाकर प्रदेश के युवाओं के भविष्य का सौदा करते थे और पुलिस प्रशासन उन पर कार्रवाई करने की हिमत भी नहीं जुटा पाता था। अब नकल की कोशिश को रोका गया है।

पुलिस ने एफएसएल से सभी सेंटरों के कप्यूटरों की जांच करवाई है, जिससे पता चल सके कौन-कौन से कप्यूटर में नकल के लिए सॉफ़्टवेयर अपलोड किया गया। पुलिस के अनुसार गैंग गूगल व चैट जीपीटी से उत्तर तलाशकर पेपर हल कर रहे थे।

लाखों की चोरी करके भागे दो शातिर चोर हिरासत में

वारदात के बाद फरारी काटने भाग जाते थे अपने गांव

अलवर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के वैशाली नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर की चोरियों मे शामिल दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के रहने वाले हैं और चोरी की वारदात के बाद फरार होकर अपने गांव चले जाते थे। डीएसपी अंगद शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 दिसंबर को सीमा सोनी नामक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनका वीर गार्डन स्थित फ्लैट खाली पड़ा था, जहां इन चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की और तकनीकी सहायता के बाद जयपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी नसरु उर्फ पारु और राजेश उर्फ राजेंद्र उर्फ भाया मध्यप्रदेश के आलीराजपुर के रहने वाले हैं।

सुरक्षा बलों की सतर्कता से पकड़ा गया पोकरण मिलिट्री स्टेशन में घुसा संदिग्ध, रातभर चली पूछताछ

जैसलमेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के पोकरण मिलिट्री स्टेशन में एक संदिग्ध को परिसर से घूमते हुए पकड़ लिया गया। सुरक्षा बलों की सतर्कता के चलते तारबंदी को पार कर आर्मी गेट के अंदर दाखिल हुए इस संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने देर रात संदिग्ध से गहन पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम हसीद फरीदी उर्फ बबलू बताया। उसने दावा किया कि वह लखनऊ के अमीनाबाद का निवासी है, लेकिन बातचीत में वह मराठी, हिंदी और अंग्रेजी शब्दों का मिश्रण इस्तेमाल कर

रहा था, जिससे सुरक्षा बल के अधिकारियों का संदेह और गहरा गया।आर्मी जवानों द्वारा संदिग्ध की तलाशी लेने पर उसके पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला है, उसके पास एक बैग था, जिसमें सिर्फ कुछ कपड़े और एक मोबाइल चार्जर था, लेकिन फोन नहीं था।

मिलिट्री इंटेलिजेंस ने जब उससे मोबाइल के बारे में पूछा, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। संदिग्ध द्वारा बताई गई ठहरने की लोकेशन की जांच करने पर पता चला कि वहां भी उसका कोई रिकॉर्ड नहीं था।

फिलहाल मिलिट्री इंटेलिजेंस ने पूछताछ के बाद संदिग्ध को पुलिस के हवाले कर दिया है। अब संयुक्त जांच एजेंसियां उससे आगे की पूछताछ करेंगी, जिससे कई अहम खुलासे हो सकते हैं। यह संदिग्ध गिरफ्तारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले भी इसी क्षेत्र से एक पाकिस्तानी जासूस पकड़ा गया था।

युवक को पेट्रोल डाल जलाया, जैकेट-शर्ट फाड़ किया कॉल

बोला- लाठी मार बाइक से गिराया; बेटी को ब्लैकमेल कर रहे थे

बाड़मेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर में सोमवार रात 9 बजे बाइक सवार युवक को 2 बदमाशों ने लाठी मारकर गिराया। इसके बाद पेट्रोल डालकर आग लगा दी। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए। जलते युवक ने जैकेट-शर्ट फाड़कर फेंका और परिजन को फोन पर सूचना दी। इसके बाद उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया। घटना बाड़मेर ग्रामीण थाने के असाड़ा की बेरी जसाई गांव में सोमवार रात को हुई।

बाड़मेर ग्रामीण थाने के इंचार्ज विक्रमदान चारण ने बताया- थाना इलाके के जसाई असाड़ा बेरी गांव निवासी दलाराम (45) पुत्र सुरताराम के साथ मारपीट और आग लगाने की घटना हुई है। वह खुद बाड़मेर ग्रामीण पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

पुलिस को घटना की सूचना मिली तो बाड़मेर जिला हॉस्पिटल पहुंचकर बयान लिए। परिजन ने बाड़मेर ग्रामीण थाने में रिपोर्ट दी है। मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश कर रहे हैं।

बाइक रुकवाकर लाठियों से किया हमला, आग लगाई

पीड़ित दलाराम ने बताया- मैं मिस्त्री हूं। चिनाई का काम करता हूं। कुछ समय पहले तक मेरे साथ जगदीश नाम का युवक पलस्तर का काम करता था। मेरी बेटी बाड़मेर में रहकर पढ़ाई करती है। कुछ महीने पहले जगदीश ने मेरी बेटी की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर डाले थे।

वह फोटो के जरिए बेटी को ब्लैकमेल कर रहा था। मैंने इसे लेकर उसे समझाया था। लेकिन जगदीश ने मुझे जान से मारने की धमकी दी।

सोमवार रात 9 बजे मैं घर (जसाई) से देरासर गांव की तरफ बाइक से जा रहा था। रास्ते में जगदीश और उसका साथी चूनाराम पहले से घात लगाकर खड़े थे। मैं वहां से निकला तो मेरे हाथ पर जगदीश ने लाठी मारी। मैं बाइक समेत सड़क पर गिर गया। इसके बाद मेरे सिर पर लाठी से दो-तीन वार किए।

इसके बाद उन्होंने मुझ पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और फरार हो गए। जलते हुए मैंने अपना जैकेट और शर्ट फाड़कर फेंकी। इसके बाद मोबाइल से पास ही रहने वाले भतीजे दसाराम चौधरी को फोन लगाकर घटना की जानकारी दी। परिजन कुछ देर में वहां पहुंच गए।

उन्होंने बाड़मेर ग्रामीण पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

आठ दिन की लुटेरी दुल्हन, नशीला खाना खिलाकर ले गई पूरा माल

अजमेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मदनगंज-किशनगढ़ के गांधीनगर थाना पुलिस ने एक लुटेरी दुल्हन और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है। सीआई सुरेश कुमार सोनी ने बताया कि आरोपियों ने शादी के आठ दिन बाद परिवार को खाने में नशीला पदार्थ देकर घर से नकदी व जेरावत पार कर लिए थे। पुलिस को आरोपियों की चार महीने से तलाश थी। लुटेरी दुल्हन की गैंग को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश कर रिमांड पर लिया है। गांधीनगर थाना पुलिस टीम ने जयपुर के बगरू क्षेत्र के गांव सवाई जयसिंहपुरा निवासी हरिलाल कुमावत (47), झारखंड के जिला लोहरदगा व हाल निवासी हरियाणा सुधा सिंह (27) व दिल्ली पश्चिम रघुवीर नगर टैगोर गार्डन के पास निवासी ऊषा गौतम जाटव (39), असम के जिला कर्बिग्लोंग पुलिस थाना अंजोकपानी के कायपानी क्षेत्र की गुंडा बस्ती निवासी बिरसा मुंडा आदिवासी (32) को गिरफ्तार किया।श्रीनगर रामपुरा बालाजी मंदिर के सामने लवेरा रोड निवासी पेशे से चालक धनराज वैष्णव ने 4 जनवरी को रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 1 सितम्बर 2024 को भंवर पण्डित, हरिराम कुमावत, सुधा सिंह व बिरसा मुंडा ने उसकी शादी एक युवती से तय की। इसके बदले पीड़ित ने उन्हें एक लाख 80 हजार रुपए दिए। दोनों पक्षों के बीच लिखा पढ़ी भी की गई। शादी के आठ दिन बाद सुधा ने 8 सितम्बर की रात खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। जिससे पूरा परिवार गहरी नींद में सो गए। वहीं सुधा अपने साथियों के साथ मिलकर घर से नकदी व जेवरात लेकर फरार हो गई।

शादी में आने का वादा था, तिरंगे में लिपटकर आए

रोते हुए भतीजी बोली- चाचा हमारे चहेते थे; पत्नी से कहा था-कैंप पहुंचकर बात करूंगा

नागौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की जायल तहसील के राजोद गांव में हरिराम की शहादत की सूचना पहुंची तो मातम पसर गया। जानकारी मिली कि फरवरी में एक भतीजी और भतीजे की शादी होनी है। इसके लिए हरिराम 25 जनवरी को छुट्टी लेकर आने वाले थे। छुट्टी मंजूर हो गई थी।

छुट्टी पर आने का वादा करने वाले हरिराम का पार्थिव शरीर जब तिरंगे में लिपटकर सोमवार दोपहर राजोद गांव (जायल, नागौर) के चौक पहुंचा तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। सैन्य सम्मान से उनका अंतिम संस्कार किया गया।

हरिराम बड़े परिवार का हिस्सा थे। वे भाइयों में सबसे छोटे थे, ऐसे में अपने भतीजे-भतीजियों से बहुत प्यार करते थे। हर बार उनके लिए गिफ्ट लाया करते थे। उनसे खुलकर बात किया करते थे।

हरिराम की पत्नी वीरांगना प्रीति का रो-रोकर बुरा हाल था। वे बार-बार अचेत हो रही थीं। बेटा नवीन और बेटी वंदना की सिसकियां बंधी हुई थीं। वे हर आने-जाने वाले को आंखें फैलाकर देख रहे थे।

हरिराम की पत्नी वीरांगना प्रीति ने कहा- वे कभी नाराज नहीं होते थे। खुशमिजाज थे। बच्चों से प्यार करते थे। 4 जनवरी की सुबह 11 बजे उनसे फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कहा था- अभी कैंप जा रहे हैं, दोपहर 2 बजे कैंप पहुंचेंगे। पहुंचने के बाद बात करेंगे।

कैंप में पहुंचने से पहले ही हादसा हो गया। (बताते हुए वीरांगना रोने लगीं)। उन्होंने कहा- उसी दिन (4 जनवरी) की शाम उनकी बटालियन 13 आरआर के सीओ ने फोन पर शहादत की खबर परिवार को दी। मैं उस समय अपने पीहर नोखा (बीकानेर) में थी।

भतीजी बोली- चाचा हमारे चहेते थे, बच्चों से बहुत प्यार करते थे

चाचा हरिराम के बारे में बात करते हुए उनकी भतीजी सुलोचना के आंसू नहीं थम रहे थे। सुलोचना ने कहा- वे सबसे छोटे चाचा थे। सबसे प्यारे थे। सभी बच्चों को बहुत प्यार करते थे। हम सबके बहुत चहेते थे। 16 नवंबर 2024 को वे कुछ दिन की छुट्टियां घर में बिताकर ड्यूटी पर लौटे थे।

फरवरी में परिवार में मेरी बहन प्रियंका और भाई मनीष की शादी है। चाचा 25 जनवरी को घर आने वाले थे। शादी की तैयारियां चल रही थी। चाचा के आने का बेसब्री से इंतजार था। इससे पहले तिरंगे में लिपटकर उनका शरीर आया। इतना कहकर सुलोचना रो पड़ी।

मोर्चे पर थे, इसलिए सेना ने की शहीद की घोषणा

हवलदार हरिराम रेवाड़ युद्ध के मोर्चे पर थे, इसलिए हादसे में उनके निधन को शहीद का दर्जा दिया गया। राजोद गांव में हरिराम का गुलाबी पत्थरों का बड़ा मकान है। इस पैतृक घर में संयुक्त परिवार रह रहा है। सोमवार को तिरंगा यात्रा पहुंचने से पहले सुबह से ही घर के बाहर लोग पहुंच गए थे।

दीवार का सहारा लेकर बैठे लोग हरिराम को लेकर चर्चा कर रहे थे। मकान के अंदर से रह-रहकर रुलाई फूटने की आवाजें आ रही थी।

स्वच्छता प्रबंधन एवं स्थानीय समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई हो : विजयलक्ष्मी

महापौर ने चंदनगर और शेरलिंगमपल्ली डिवीजनों के कई इलाकों का दौरा किया

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर ने कहा कि वे शहर के सभी क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जीएचएमसी के तहत सभी वार्डों का दौरा कर रही हैं और स्थानीय समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठा रही हैं, और अधिकारियों को उस दिशा में काम करना चाहिए। मंगलवार को मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने विधायक अरीकापुडी गांधी और संबंधित वार्ड सदस्यों के साथ मियापुर, चंदनगर और सेरिलिंगमपल्ली वार्डों के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस मौके पर अधिकारियों को संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं की समीक्षा कर उनके समाधान के लिए कदम उठाने का आदेश दिया गया। मियापुर वार्ड में मकता पेडाकुडी तालाब, विधायक कार्यालय के पास पटेल तालाब आउटलेट, चंदानगर वार्ड में मियापुर पुलिस स्टेशन लाइन, भवानीपुरम नाला, सेरिलिंगमपल्ली वार्ड में लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन आरयूबी, लिंगमपल्ली सब्जी बाजार और गोपी तालाबों का निरीक्षण किया गया। नलगंदला जंक्शन के सुधार के संबंध में अधिकारियों से जांच एवं चर्चा की गयी। इस अवसर पर मेयर ने संबंधित अधिकारियों को जीएचएमसी मेमोरियल गार्डन पार्क में किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण करने और इसे शीघ्र पूरा करने और अगले महीने के भीतर जनता के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मेयर ने मक्टा बिग राइट तालाब में कूड़ा-कचरा नहीं हटाने पर रांकी इंस्टीट्यूट प्रबंधन पर नाराजगी जताई। इसी तरह, तालाब में सी एंड डी कचरा छोड़ दिया गया था, मच्छर बड़े पैमाने पर थे और उचित स्वच्छता की कमी के कारण उन्होंने नाराजगी जताई। अधिकारियों को तुरंत साफ-सफाई करने, यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया कि तालाब में कोई कचरा न डाला जाए और वहां से सी एंड डी कचरा हटा दिया जाए। सीई भास्कर रेड्डी को सलाह दी गई है कि लिंक रोड खतरनाक है और उन्हें तुरंत सड़क की मरम्मत की अनुमति लेनी चाहिए और तुरंत पांच सौ मीटर तक मरम्मत करनी चाहिए।

चंदनगर में विश्वेश्वर कॉलोनी में, सड़क पर सीवेज बह रहा था, सड़कें क्षतिग्रस्त थीं और स्वच्छता अच्छी तरह से बनाए नहीं रखी गई थी, यह देखने के बाद महापौर तत्काल कार्रवाई करना चाहती थी।

स्थानीय नगरसेवक ने लोगों से पटेल तालाब/भवानीपुरम नाला तक बॉक्स नालियां बनाने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने के लिए कहा, लेकिन संबंधित अधिकारियों को तुरंत काम शुरू करने का निर्देश दिया गया, महापौर ने जोनल कमिश्नर को स्वच्छता प्रबंधन में सुधार के लिए कदम उठाने का आदेश दिया।

अल्लू अर्जुन अपने निजी बाउंसरों के बिना किम्स पहुंचें

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता अल्लू अर्जुन ने काले कपड़े पहने बाउंसरों के बिना केआईएमएस अस्पताल का दौरा कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। जब भी अभिनेता सार्वजनिक स्थानों पर आते हैं तो बाउंसर उन्हें घेर लेते हैं, तथा वे अक्सर अभिनेता के प्रशंसकों के साथ बदतमीजी करने के लिए जाने जाते हैं। संध्या थियेटर भगदड़ में एक महिला की मौत और एक लड़के के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में बाउंसरों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा-2 की रिलीज के समय लाठीधारी बाउंसर भीड़ को नियंत्रित करते हुए कभी लाठी लहराते नजर आए। भगदड़ को लेकर उठे विवाद के बाद हैदराबाद पुलिस ने बाउंसरों को कड़ी चेतावनी दी थी और भगदड़ के सिलसिले में एक को गिरफ्तार भी किया था।पुलिस की चेतावनी के बाद, अभिनेता मंगलवार को अपने बाउंसरों के बिना केआईएमएस अस्पताल गए, जहां भगदड़ में घायल हुए लड़के श्री तेज का इलाज चल रहा है। उन्होंने श्री तेज से मुलाकात की।

खराब सेहत की वजह से आसाराम को अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने अनुयायियों से मिलने की नहीं दी इजाजत

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम बापू जल्द जेल से बाहर आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में दुष्कर्म मामले में आसाराम बापू को चिकित्सा आधार पर 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद आसाराम सबूतों से छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं करेगा। आसाराम को अपने अनुयायियों से मिलने की इजाजत नहीं है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने आसाराम को रिहाई के बाद अपने अनुयायियों से नहीं मिलने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि 86 वर्षीय आसाराम हृदय रोग के अलावा उम्र संबंधी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। वह केवल चिकित्सा आधार पर इस मुद्दे की जांच करेगा।

आसाराम को 2013 में अपने जोधपुर आश्रम में 16 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने का दोषी ठहराया गया था। 2018 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इससे पहले उसने कई बार स्वास्थ्य के आधार पर सजा निलंबित करने की याचिका दायर की थी, लेकिन याचिका को पहले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने 2023 में गांधीनगर अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने की आसाराम की याचिका पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा था। आसाराम वर्तमान में बलात्कार के एक अन्य मामले में राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है।

अगस्त में सात दिन के लिए आया था जेल से बाहर :

इससे पहले अगस्त में आसाराम को दिल संबंधी बीमारी का इलाज कराने के लिए जोधपुर की सेंट्रल जेल से बाहर लाया गया था। हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को आसाराम को पुलिस हिरासत में महाराष्ट्र के एक आयुर्वेदिक अस्पताल में सात दिनों तक इलाज कराने की अनुमति दी थी। साथ ही पैरोल देते समय हाईकोर्ट ने कुछ शर्तें रखी थीं, जिसमें यह भी शामिल था कि उसके साथ चार पुलिसकर्मी यात्रा करेंगे, उन्हें अपने साथ दो परिचारक रखने की भी अनुमति थी। उसे पुणे में एक निजी कॉटेज में रखा जाएगा और इलाज का पूरा खर्च और आने-जाने के साथ-साथ पुलिस व्यवस्था में होने वाला खर्च भी उसे ही वहन करना होगा।

पंच केदार मंदिर और नंदीशाला के शिलान्यास 22 जनवरी को

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 22 जनवरी को यलमपेट, मेडचल में विश्व का पहला पंच केदार मंदिर और नंदीशाला का शिलान्यास राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और उनकी पत्नी श्रीमती सुधा वर्मा करेंगी।

प्रेस विज्ञप्ति में श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन जयपाल नयाल सनातनी ने बताया कि स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के सानिध्य में 22 जनवरी को प्रातः 8.34 से 9.45 पर शिलान्यास किया जाएगा।

स्वागत समिति के अध्यक्ष राम भाटी ने बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में देश की राजधानी दिल्ली से युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण, सांसद इटेला राजेंद्र, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मैनमपल्ली हनुमंत राव, कुलम हनुमंत रेड्डी तथा शैलम गौड आदि नेता एवं उद्योगपति आमंत्रित किए गए हैं।

इस अवसर पर देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान की महिला अध्यक्षा दीप्ति रावत ने उत्तराखंड और समस्त भाग्यनगर की के लोगों से शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

अधिकारी सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर काम करें : तुम्मला

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि अधिकारियों को सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए और किसानों के लाभ के लिए परिणाम प्राप्त करने चाहिए। मंगलवार को सचिवालय में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में बजट प्रस्तावों और योजनाओं की प्रगति पर मंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर तुम्मला ने वर्ष 2025-26 के लिए कृषि और अन्य संबद्ध विभागों से वित्त विभाग को भेजे जाने वाले बजट प्रस्तावों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। अधिकारियों को किसानों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और मंत्रियों की अपीलों की तुरंत जांच करने और उन पर कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में बड़ी संख्या में छोटे और सीमांत किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कृषि मशीनीकरण और सूक्ष्म कृषि उपकरणों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

तुम्मला नागेश्वर राव ने यह भी कहा कि राज्य में उन्नत सुविधाओं वाले तीन आधुनिक बाजार स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाएं ताकि व्यापारी किसानों के पास जाकर खरीद सकें। प्रत्येक जिले में एक मोबाइल मृदा परीक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाने के आदेश भी जारी किए गए हैं। इसी तरह, अधिकारियों को मौजूदा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और विश्वविद्यालयों में नए भवनों के निर्माण के लिए बजट प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, इस वित्तीय वर्ष में 1,000 रैतु वेदिकाओं में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों से जैविक खेती पर ध्यान केंद्रित करने और इस संबंध में किसानों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा है।

आईटी मंत्री ने नई एम्बुलेंस का उद्घाटन किया

आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को 20 ई-स्कूटर वितरित किए

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा और कल्याण सेवाओं में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने जिला कलेक्टर राहुल शर्मा के साथ मंगलवार को मंथनी निर्वाचन क्षेत्र के मल्हार मंडल के कोय्युरू गांव में एक नई एम्बुलेंस का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य विभाग के तहत प्रदान की गई एम्बुलेंस का उद्देश्य क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाना है। इसी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, ईसीआईएल सीएसआर फंड द्वारा वित्त पोषित इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को उनकी पहुंच और दक्षता को मजबूत करने के लिए सौंपे गए। कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस की शुरूआत इस समर्पण का प्रमाण है और जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन रेखा के रूप में काम करेगी। इस कार्यक्रम में महिला और बाल कल्याण विभाग के नेतृत्व वाली पहल, एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम (एबीपी) के तहत आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर का वितरण भी किया गया। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ये स्कूटर आंगनवाड़ी कर्मचारियों को बेहतर सेवाएं देने में सक्षम बनाएंगे, जिससे बेहतर शिशु और मातृ कल्याण सुनिश्चित होगा। मंत्री श्रीधर बाबू ने घोषणा की कि जिले के दो प्रमुख परियोजना क्षेत्रों में आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को स्कूटर से लैस किया जा रहा है। मल्हार मंडल को पांच स्कूटर मिल रहे हैं, जबकि भूपलपल्ली को पंद्रह स्कूटर आवंटित किए जा रहे हैं।

वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान तथा राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान द्वारा 7-10 जनवरी तक बिहार कृषि विश्वविद्यालय के भाकृअनुप-कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के लिए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकी पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं तथा पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रशिक्षण का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। डॉ.सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने श्री अन्न की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. रफी, कृषि व्यवसाय विशेषज्ञ द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ उद्घाटन सत्र का समापन हुआ।

विजयवाड़ा में बीआईएस ने मनाया 78वां स्थापना दिवस

विजयवाडा, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अपना 78वां स्थापना दिवस मनाया। मुख्य अतिथि आयुक्त, नागरिक आपूर्ति विभाग और पदेन सचिव, उपभोक्ता मामले, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, नियंत्रक, कानूनी माप विज्ञान, आंध्र प्रदेश सरकार वीर पांडियन, आईएएस ने स्थापना दिवस को गुणवत्ता और मानकों के प्रति चिंतन, स्मरण और प्रेरणा का अवसर बताया।

वीरपांडियन ने गुणवत्ता के महत्व और पूरे उद्योग पर इसके प्रभाव का उदाहरण दिया तथा सरकारी स्कूलों और ग्राम पंचायतों आदि के लिए मानकों और गुणवत्ता-संवेदीकरण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए बीआईएस के प्रयास की सराहना की। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक-एफ/वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख एम.ए.जे.विनोद ने बीआईएस कार्यक्रम उद्देश्यों को प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी की अध्यक्षता में बीआईएस ने मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्रों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साथ ही संबंधित अधिकारियों ने बताया कि, शिक्षा जगत की सक्रिय भागीदारी को सुरक्षित करने के लिए, कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ बीआईएस के संबंधों को संस्थागत बनाना है। उन्होंने नए मानकों को विकसित करने और मौजूदा मानकों का पालन करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के स्टार्ट-अप और इन्क्यूबेशन केंद्रों के साथ काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

वैज्ञानिक-डी एवं संयुक्त निदेशक, बीआईएस एम.वी. रमाकांत सागर ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) खासकर उद्योगों और अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

साथ ही वैज्ञानिक-सी और बीआईएस उप निदेशक डी. विवेक वर्धन रेड्डी ने गत वर्ष के बीआईएस की मानकता की सफलता से संबंधित उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी।

इसके पश्चात एपी आईआईआईटी-नुज्विड के छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार प्रदानोत्सव समारोह आयोजित हुआ। जिसमें क्वेस्ट आन इंडियन स्टैन्डर्ड्स या मानक प्रतियोगिता में बीआईएस समन्वयक श्रीमती बी नीरजा सत्या, आरजीयूकेटी-नुज्विड के प्रोत्साहन से, तत्संबंधित ने भारतीय मानकों पर पुरस्कार जीता। इस दौरान बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

बिजली का ट्रांसफॉर्मर फटा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार दोपहर को बिजली ट्रांसफार्मर में विस्फोट होने से मलकपेट-सैदाबाद रोड पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, ऑफिसर्स मेस फंक्शन हॉल के पास सड़क पर स्थित ट्रांसफार्मर में कथित तौर पर अधिक लोड के कारण आग लग गई। स्थानीय पुलिस ने आग लगने की सूचना मिलने पर व्यस्त सड़क पर यातायात को कुछ देर के लिए रोक दिया। मलकपेट अग्निशमन केंद्र से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई।

गलत काम करने वाले कभी नहीं बचेंगे : मंत्री

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फॉर्मूला ई कार रेस मामले और तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा बीआरएस विधायक के.टी. रामाराव की याचिका खारिज किए जाने के प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्व, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि गलत काम करने वाले कभी कानून से नहीं बचेंगे और अदालतों और संस्थाओं के सामने दिखावा करना उचित नहीं है।

मंगलवार को सचिवालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि बीआरएस नेता उनके निशाने पर नहीं हैं और कांग्रेस सरकार किसी को निशाना नहीं बना रही है। पोंगुलेटी ने कहा, यह स्पष्ट होना चाहिए कि विदेशी कंपनी को जो पैसा गया, वह किसके खाते में गया। क्षेत्रीय दलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सबसे अमीर पार्टी है। बीआरएस को इतना पैसा कैसे मिला। इसके पार्टी नेताओं को लोगों के सामने तथ्य उजागर करने चाहिए।

गांजा मिली चॉकलेट जब्त, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी कार्य बल (मेडचल) की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके शमीरपेट के थुमकुंटा में एक पान की दुकान पर छापा मारा और गांजा मिली चॉकलेट के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उसके पास से नशीले पदार्थ मिले चॉकलेट के लगभग 85 पैकेट जब्त किये। जानकारी के अनुसार, बिहार के मूल निवासी उपेंद्र मंडल प्रत्येक चॉकलेट पैकेट 25 रुपये में खरीदता था और उसे अपनी दुकान में अन्य उपभोक्ताओं और डीलरों को 10,000 रुपये में बेचता था। गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए अदालत में पेश किया गया।

युगल आत्महत्या मामले में पुलिस ने संदिग्ध को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर पुलिस ने मंगलवार को ओआरआर पर युगल आत्महत्या मामले के संदिग्ध चिंटू यादव उर्फ चिंटू को गिरफ्तार कर लिया है। कोरेमुला के मक्था का निवासी चिंटू कथित तौर पर युवा जोड़े को ब्लैकमेल कर रहा था और धमका रहा था तथा उनसे पैसे ऐंठ रहा था। उसके द्वारा और अधिक उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण, उन्होंने सोमवार को आउटर रिंग रोड पर घनपुर सर्विस रोड पर एक कार में ईंधन डालकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस थाने में उससे पूछताछ कर रही है। वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या कोई और भी इसमें शामिल है। नलगोंडा निवासी पी श्रीराम और लड़की पिछले 5 सालों से अपने परिवार से छिपकर रिलेशनशिप में थे। लड़की के रिश्तेदार चिंटू को उनके रिश्ते के बारे में पता चल गया, उसने इस स्थिति का फायदा उठाया और कथित तौर पर उन्हें उजागर करने की धमकी दी। उसने कथित तौर पर श्रीराम से करीब 1.3 लाख रुपये ऐंठ लिए। प्रारंभ में पुलिस को संदेह था कि यह दुर्घटना का मामला है, लेकिन जब श्रीराम के रिश्तेदारों को घर में कथित तौर पर उसके द्वारा लिखा गया सुसाइड नोट मिला, तो आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच की गई।

हैदराबाद में 11 एचएमपीवी पॉजिटिव मामले सामने आए

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक स्वास्थ्य विभाग के इस दावे के विपरीत कि राज्य में मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का कोई मामला सामने नहीं आया है, शहर की एक निजी प्रयोगशाला ने मंगलवार को खुलासा किया कि उन्होंने पिछले महीने वास्तव में 11 एचएमपीवी पॉजिटिव संक्रमण का पता लगाया था। हैदराबाद स्थित निजी प्रयोगशाला मणि माइक्रोबायोलॉजिकल लैबोरेटरी ने विभिन्न वायरल संक्रमणों से पीड़ित रोगियों के 258 श्वसन नमूनों का परीक्षण किया। इनमें से 205 नमूनों में विभिन्न प्रकार के ऊपरी श्वसन पथ संक्रमणों के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। मणि माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला के दिसंबर 2024 में लिए गए श्वसन वायरल निमोनिया पैनल डेटा के अनुसार, ग्यारह नमूनों में एचएमपीवी के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। एचएमपीवी के लिए सकारात्मक परीक्षण किए गए सभी मामले ठीक भी हो गए थे।, चिकित्सकों का कहना है कि "लोगों को यह सोचकर घबराना नहीं चाहिए कि एचएमपीवी कोई नई या अनोखी बीमारी है। यहां तक कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने भी स्पष्ट कर दिया है कि एचएमपीवी भारत में लंबे समय से मौजूद है। इस विशेष प्रयोगशाला द्वारा जांचे गए नमूनों में से लगभग 5 प्रतिशत एचएमपीवी के लिए सकारात्मक पाए गए।" एचएमपीवी के अलावा, माइक्रोबायोलॉजी लैब के परीक्षण डेटा से पता चला कि 94 नमूनों में बैक्टीरियल निमोनिया, 62 में राइनोवायरस और 33 में एडेनोवायरस पाया गया, जो दोनों ही फ्लू या सामान्य सर्दी का कारण बनते हैं। नौ व्यक्तियों के नमूनों में इन्फ्लूएंजा पाया गया जबकि एक व्यक्ति में एच1एन1 पाया गया।

विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए : कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। मंगलवार को जिला केन्द्र स्थित आदिवासी कल्याण कन्या आदर्श खेल विद्यालय में छात्रावासों के प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक विद्यार्थियों के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का दीप प्रज्वलित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रावासों के प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्र-छात्राओं के लिए निजी एथलेटिक, वॉलीबॉल, कबड्डी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को खेल भावना दिखानी चाहिए और प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल से सौहार्द्र, जीत और हार को समान रूप से लेने से एकाग्रता बढ़ती है, शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक प्रसन्नता मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए और खेलों से ही अनुशासन की सीख मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भेजा जाएगा और छात्र राज्य स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे।

कोत्तागुडेम में छात्रा ने की आत्महत्या

कोत्तागुडेम, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) डुम्मुगुडेम में पढ़ने वाली कक्षा 10 की एक छात्रा द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा सोयम गीतांजलि को उसके माता-पिता 29 दिसंबर को अश्वपुरम मंडल के कुरवापल्ली कोथुरु गांव में उसके घर ले गए थे, क्योंकि गुरुकुल के शिक्षक हड़ताल पर थे। पिछले बुधवार को अपनी मां की डांट के बाद उसने कीटनाशक पी लिया। गीतांजलि को भद्राचलम के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। माता-पिता ने दुख जताया कि अगर शिक्षक हड़ताल पर नहीं गए होते, तो उनकी बेटी बच जाती।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'सारे आरोप निराधार' ...

उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की बात में दम नहीं है। कोर्ट ने माना है कि ईवीएम हैक नहीं हो सकती, लेकिन ईवीएम पर शक जताने की कोशिश की गई। चुनाव से सात-आठ दिन पहले ईवीएम तैयार हो जाती है। एजेंट के सामने ईवीएम सील होती है। मतदान के बाद ईवीएम सील की जाती है। ईवीएम में अवैध वोट की संभावना नहीं है। प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है।

अब सवाल ये है कि किसी वोटर का नाम चुनाव लिस्ट से कैसे हट सकता है। बता दें कि मतदाता सूची से नाम हटाना की प्रक्रिया ईसीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती से की जाती है। इसके लिए आवेदक को फॉर्म 7 दाखिल करना होता है। इतना ही नहीं नाम हटाने की प्रकिया में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलपी), बीएलओ पर्यवेक्षकों और अन्य अधिकारियों द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार गहन फील्ड सत्यापन किया जाता है। जानकारी के लिए बता दें कि नाम हटाने के लिए सूची जमा करने से नाम हटाने की प्रक्रिया शुरू नहीं होती है।

बता दें कि चुनाव आयोग नामों को हटाने के लिए आवेदन को खारिज कर सकता है। दरअसल फॉर्म सात आवेदनों को उचित प्रक्रिया और फील्ड सत्यापन के बाद खारिज किया जाता सकता है। क्योंकि प्रत्येक आवेदन की व्यक्तिगत रूप से जांच की जाती है और यदि वह अमान्य पाया जाता है तो उसे योग्यता के आधार पर खारिज कर दिया जाता है।

संस्थान होने का ...

केवल नौकरशाहों की ही नियुक्ति क्यों की जाए और कई क्षेत्रों के लोगों की नियुक्ति क्यों नहीं की जाए। हम इस पर और कुछ नहीं कहना चाहते, लेकिन इस पर विचार किए जाने की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता अंजलि भारद्वाज और अन्य की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि 2019 में शीर्ष अदालत ने सीआईसी और एसआईसी में पदों को भरने के लिए मौलिक निर्देश जारी किए थे, लेकिन राज्यों ने चयन प्रक्रिया में देरी की और सूचना के अधिकार अधिनियम को लगभग समाप्त कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसका

2016 के बाद दूसरी बार टॉप-2 से बाहर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गया है। 2016 के बाद यह दूसरी बार है जब भारत को तीसरे स्थान पर रहना पड़ा है। पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया और दूसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका ने कब्जा जमाया हुआ है।

भारत आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर आ गया है। 2016 के बाद यह दूसरी बार है जब भारत टॉप 2 से बाहर हुआ है। दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को भारत ने 3-1 से हारा, जिसके चलते भारत को यह बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। 10 साल बाद यह पहली बार है जब भारत ऑस्ट्रेलिया से कोई टेस्ट सीरीज हारा है।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज हारने के कारण भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से भी बाहर हो गया है। बता दें कि भारत 2019-21 और 2021-23 की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में फाइनल में पहुंचा था। लेकिन अब 2024-25 की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे।

आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया टॉप पर

आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया को बड़ा फायदा हुआ है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की सीरीज जीतने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया इस प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर था, जबकि भारत पहले स्थान पर था। अब इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्वाइंट्स टेबल में बड़ा उलटफेर किया है। ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर पहुंचने के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी जगह बना चुका है। वहीं, अभी ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के साथ दो टेस्ट मैच और खेलने हैं, जिससे वह बड़े प्वाइंट्स के साथ फाइनल में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखेगा। भारत के पास अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का कोई भी मौका नहीं बचा है।

साउथ अफ्रीका ने दूसरे स्थान पर जमाया कब्ज़ा

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में भी हराया है, जिसके चलते साउथ अफ्रीका ने प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर ली है। हालांकि, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे पहले क्वालीफाई करने वाली टीम साउथ अफ्रीका थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज जीतकर पहले स्थान पर कब्जा कर लिया, जिसके चलते साउथ अफ्रीका दूसरे स्थान पर खिसक गया। साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से हराया। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका के अब 112 प्वाइंट्स हो गए हैं। साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराया।

टीम इंडिया को बर्बाद होने से बचाना है तो

संजय मांजरेकर ने दी गजब की सलाह

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम को मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पूर्व क्रिकेटर्स के निशाने पर है. भारत की करारी हार ने क्रिकेट फैंस का दिल तोड़ दिया वहीं भारत के पूर्व क्रिकेटर्स भी इस पर बेहद नाराज नजर आए और फ्यूचर के लिए भारतीय टीम को लगातार सलाह दे रहे हैं. अब संजय मांजरेकर ने भारतीय टीम को एक ऐसी गजब की सलाह दी है जो उसे बर्बादी की राह पर जाने से बचा सकती है. टेस्ट क्रिकेट को ध्यान में रखते हुए मांजरेकर ने भारत को सुझाव दिया कि स्पेशलिस्ट खिलाडियों से दूरी नहीं बनानी चाहिए.

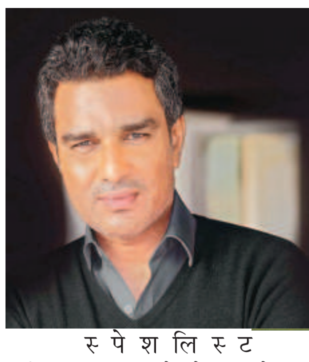

टीम में होने चाहिए स्पेशलिस्ट खिलाड़ी

संजय मांजरेकर ने भारत के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद ईएसपीएन क्रिकइंफो पर बातचीत में कहा, 'भारत धीरे-धीरे स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों से दूर होता जा रहा था. टेस्ट क्रिकेट का इतिहास दिखाता है कि यह कभी काम नहीं आया'. मांजरेकर ने कहा कि, एक या दो गेम में जरूर ऐसा हो सकता है लेकिन हमेशा नहीं. पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्हें (भारतीय टीम) अब रुक कर अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए. टीम को स्पेशलिस्ट बल्लेबाजों और गेंदबाजों को प्राथमिकता देनी चाहिए'.

नीतीश रेड्डी पर मांजरेकर ने खड़े किए सवाल

संजय मांजरेकर ऑल राउंडर्स को ज्यादा तरजीह दिए जाने से भी खफा नजर आए. उन्होंने कहा, 'जिस तरह से ये सीरीज आगे बढ़ी और भारत ने अपनी टीम में अधिक ऑलराउंडर को मौका देना शुरू कर दिया. रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर दोनों को ही टीम में क्यों शामिल किया गया है, ये समझ में आया. इसी तरह से नीतीश कुमार रेड्डी को शामिल करने का फैसला समझ से परे था'.

चाहे मांजरेकर ने नीतीश कुमार रेड्डी के टीम में चुने जाने पर सवाल खड़े किए हो लेकिन तीनों ऑल राउंडर्स में उनका प्रदर्शन गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा रहा. लेकिन उन्होंने जडेजा और सुंदर की तुलना में दो मैच ज्यादा भी खेलें. रेड्डी ने पांच मैचों में 298 रन बनाए. लकिन वे बतौर ऑल राउंडर गेंदबाजी से प्रभावित नहीं कर पाए. उन्होंने सिर्फ पांच विकेट हासिल किए. जडेजा ने तीन मैचों में 4 विकेट लेते हुए 135 रन बनाए. वहीं सुंदर ने तीन मैचों में तीन विकेट लेते हुए 114 रन बनाए.

रोहित शर्मा को दी अहम सलाह

मांजरेकर ने कप्तान रोहित शर्मा को भी अहम सलाह दी. उन्होंने आगे कहा, 'राहुल द्रविड़ (टीम इंडिया के हेड कोच रहने के दौरान) स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को मौका देते थे. रोहित को उसी विजेता मानसिकता को बनाए रखना चाहिए था. कप्तान को टीम चयन में मजबूत भूमिका निभानी चाहिए थी'. मांजरेकर के मुताबिक चाहे गौतम गंभीर की सोच टीम चयन के लिए अलग रही हो लेकिन रोहित का एक कप्तान के रूप में इसमें अहम रोल होना चाहिए.

ऑस्ट्रेलिया में क्यों हार गए? बीसीसीआई कर सकती है गौतम गंभीर से सवाल

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर बीसीसीआई की रडार पर हैं. ऐसी खबर है कि बीसीसीआई अगली एसजीएम मीटिंग में उनसे सवाल कर सकती है. बीसीसीआई की एसजीएम 12 जनवरी को होनी है, जिसमें गंभीर से हार की वजहों के बारे में पूछा जा सकता है. भारत को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था. भारत ने पर्थ में खेला पहला टेस्ट जीता था. उसके बाद अगले चारों टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा देखने को मिला था.

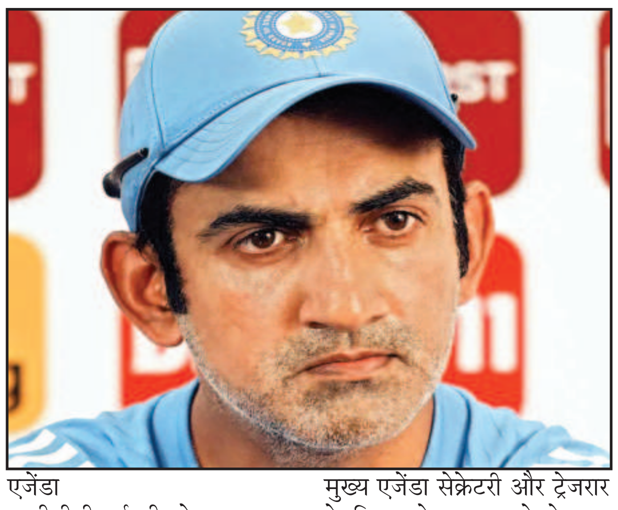

बीसीसीआई एसजीएम का एजेंडा

बीसीसीआई की स्पेशल जनरल मीटिंग 12 जनवरी को मुंबई में होनी है. एसजीएम की मीटिंग का मुख्य एजेंडा सेक्रेटरी और ट्रेजरार के लिए इलेक्शन कराने से जुड़ा है. जय शाह की जगह फिलहाल सितंबर 2025 तक के लिए देवजीत साइकिया को सेक्रेटरी बनाया गया है. वहीं दो कार्यकाल के बाद अरूण धूमल भी ट्रेजरार के पोस्ट से अब हटना चाहते हैं.

बीसीसीआई एसजीएम में गौतम गंभीर से हो सकते हैं सवाल

12 जनवरी को होने वाली बीसीसीआई एसजीएम में अभी तक तो मुख्य एजेंडा अधिकारियों का चुनाव ही था. लेकिन टेलीग्राफ इंडिया के मुताबिक ऐसी संभावना है कि टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर से ऑस्ट्रेलिया में हार की वजहों पर सवाल किए जा सकते हैं. टीम इंडिया ने 10 साल के दबदबे के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि ये भी डिस्कशन का एक मुद्दा रह सकता है.

गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद से टीम इंडिया का T20 फॉर्मेट में तो दबदबा दिखा है. लेकिन लंबे फॉर्मेट में उसका बुरा हाल रहा है. फिर चाहे श्रीलंका में वनडे सीरीज हारना रहा हो या फिर अब ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा देना. इस बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ भी गंभीर की कोचिंग में ही हुआ. टेस्ट में मिली इन हारों का नतीजा है कि टीम इंडिया लगातार तीसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने से भी चूक गई. इतना ही नही टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम की बादशाहत को भी झटका लगा. जहां टीम इंडिया अब नंबर 3 पर आ चुकी है.

टी20-टी10 के बाद अब दिखेगा 15 ओवर का रोमांच, नियम उड़ा देंगे फैंस के होश

खेल डेस्क, 7 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 और टी-10 जैसे फॉर्मेट को जबरदस्त सफलता मिलने के बाद अब क्रिकेट के दीवानों के लिए लीजेंड 90 लीग शुरू होने जा रही है। इस लीग को लेकर क्रिकेट जगत में उत्साह का माहौल है क्योंकि लीजेंड 90 लीग अगले महीने शुरू होने जा रही है। 90 गेंदों वाले इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गज एक साथ खेल के मैदान में उतरेंगे और यह लीग गेम चेंजर साबित होगी। इसमें खेलने वाले खिलाड़ियों में पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन, सुरेश रैना, न्यूजीलैंड के रॉस टेलर, वेस्टइंडीज के लेंडल सिमंस और श्रीलंका के एंजेलो परेरा जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

इस लीग की बड़ी बात यह है कि इसकी शुरुआत भारत से हो रही है।

इस लीग में कुल सात टीमें खेलती नजर आएंगी, जहां सिर्फ एक ही गेंदबाज को चार ओवर डालने की परमिशन होगी, जबकि तीन गेंदबाज ज्यादा से ज्यादा तीन ओवर डाल पाएंगे। इसमें पावरप्ले शुरुआती चार ओवरों का होगा।

इंग्लैंड सीरीज से बाहर रह सकता है भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड की टीम अब भारत का दौरा करने वाली है। इस दौरे पर भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज और 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। टी20 सीरीज का आगाज 22 जनवरी से होगा। अभी तक इस सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन अब रिपोर्ट सामने आ रही है कि टी20 सीरीज से मोहम्मद सिराज को आराम दिया जा सकता है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में सिराज दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज थे।

सिराज!

टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे

मोहम्मद सिराज काफी लंबे समय से बिना ब्रेक के टीम इंडिया के लिए खेलते हुए आ रहे हैं। साल 2023 से अभी तक उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया की तरफ से सबसे ज्यादा ओवर डाले हैं। ऐसे में इंग्लैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज से सिराज को आराम दिया जा सकता है। इसके अलावा तीन मैचों की वनडे सीरीज में सिराज को खेलते हुए देखा जा सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेल सकते हैं सिराज

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का टूर्नामेंट इस बार पाकिस्तान में होने वाला है। इसके लिए अभी तक टीम इंडिया का स्क्वॉड सामने नहीं आया है। हालांकि 12 जनवरी तक टीम इंडिया का इंग्लैंड सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए स्क्वॉड सामने आ सकता है। सिराज को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया में मौका मिल सकता है।

5 टूर्नामेंट में ठोके 1341 रन, शतकों की लगाई लाइन

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया में आ सकता है श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी का बिगुल अगले महीने से बजने जा रहा है. 19 फरवरी से टूर्नामेंट शुरू होगा, जिसके लिए टीमों के घोषणा करने की आखिरी तारीख 12 जनवरी है. इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान भी जल्दी ही किया जाएगा. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि क्या उसमें उस खिलाड़ी को मौका मिलेगा, जिसका घरेलू टूर्नामेंट में लगातार डंका बज रहा है. और, जो 5 टूर्नामेंट में अब तक 1341 रन ठोक चुका है. जी हां, हम बात कर रहे हैं श्रेयस अय्यर की, जिन पर पहले इंजरी और खराब फॉर्म बुरी तरह से हावी थी. लेकिन, घरेलू सीजन 2024-25 में उन्हें खेलते देख ऐसा लगा जैसे अब सबकुछ उनके कंट्रोल में है.

व्हाइट बॉल क्रिकेट में वैसे भी श्रेयस अय्यर टीम इंडिया के लिए उसके फर्स्ट लाइन वाले खिलाड़ी हैं. और, अभी जिस फॉर्म में हैं उसे देखते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इस होनहार खिलाड़ी का चुना जाना और भी पक्का लग रहा है. अय्यर फिलहाल विजय हजारे ट्रॉफी में खेल रहे हैं, जहां उनके बल्ले से रन बन नहीं बल्कि बरस रहे हैं. इसके गवाह उनके औसत और शतक हैं.

श्रेयस अय्यर ने विजय हजारे ट्रॉफी में अब तक खेले 5 मैचों की 5 पारियों में 325 की औसत से 325 रन ठोके हैं. इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक जड़ा है. यानी, अर्धशतक तो उन्होंने जड़ा ही नहीं. फिफ्टी से ऊपर गए हैं तो फिर शतक ही जड़ा है. विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में अभी तक उनका बेस्ट स्कोर 137 रन है.

लेकिन, ये तो बस एक टूर्नामेंट है. श्रेयस अय्यर का फॉर्म इससे पहले खेले दूसरे अलग-अलग टूर्नामेंटों में भी कुछ ऐसा ही दिखा है. फिर चाहे वो रणजी ट्रॉफी हो, जहां उन्होंने 4 मैचों की 5 पारियों में 90.40 की औसत से 452 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक शामिल रहे हैं. इन दो शतकों में एक दोहरा शतक भी है.

रणजी के अलावा सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के 8 पारियों में श्रेयस अय्यर ने 188.52 की स्ट्राइक रेट से 345 रन जड़े हैं. इस दौरान अय्यर ने 1 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा है. श्रेयस अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी के 3 मैच में 154 रन जबकि इरानी ट्रॉफी के 1 मैच में 65 रन जड़े. उन्होंने इन दोनों टूर्नामेंट में कोई शतक नहीं लगाया.

अब अगर घरेलू क्रिकेट में खेले इन पांचों टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर के बनाए रनों को जोड़ें तो उसका टोटल 1341 रन होता है. हालांकि, इस संख्या में अभी और बढ़ोत्तरी हो सकती है, क्योंकि श्रेयस अय्यर का गेम विजय हजारे ट्रॉफी में ऑन हैं. विजय हजारे ट्रॉफी व्हाइट बॉल से खेला जाने वाला टूर्नामेंट है और जिस तरह का प्रदर्शन इसमें वो कर रहे हैं वो उनके चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चुने जाने के दावे को मजबूत कर रहा है.

16 टीमों से खेलने का तजुर्बा है, अकेले तो भारी पड़ेगा ही

छक्के मारकर तमीम इकबाल ने जिताया मैच, 48 गेंदों में किया बड़ा धमाका

ढाका, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इन दिनों T20 की लहर चल रही है. वहां की T20 लीग अपने चरम पर है, जिसमें बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत दुनिया के कई खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं. 6 जनवरी को बांग्लादेश प्रीमियर लीग में एक मुकाबला उन दो टीमों के बीच खेला गया, जिसमें एक के कप्तान के पास 16 टीमों से खेलने का अनुभव था. ये मुकाबला फॉर्च्युन बारीशल और डरबर राजशाही टीम के बीच खेला गया. इस मुकाबले में फॉर्च्युन बारीशल के कप्तान तमीम इकबाल के पास 16 टीमों से खेलने का तजुर्बा रहा है. तमीम का वो तजुर्बा इस मैच में अपनी टीम के लिए काफी काम आया, जिसके चलते वो 7 विकेट से जीत दर्ज करने में कामयाब रही.

छक्का मारकर किया जीत का दीदार

तमीम इकबाल ने मुकाबले में अपनी टीम के लिए डबल रोल प्ले करते हुए उसके लिए फ्रंट से लीड किया. बतौर ओपनर उतरकर जहां उन्होंने अपनी टीम के लिए मैच को खत्म किया. वहीं एक शानदार पारी खेलते हुए कप्तान होने का फर्ज भी अदा किया. तमीम इकबाल ने राजशाही टीम के खिलाफ फॉर्च्युन बारीशल को छक्के के साथ जीत दिलाई.

48 गेंदों पर नाबाद 86 रन जमाए, टीम को जिताए

राजशाही टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फॉर्च्युन बारीशल के सामने जीत के लिए 20 ओवर में 169 रन बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसका पीछा करने उतरे तमीम इकबाल ने ओपनिंग करते हुए 48 गेंदों पर 86 रन की नाबाद पारी खेली. 179 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेली उनकी इस पारी में 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. तमीम के बल्ले से निकला तीसरा छक्का टीम की विनिंग स्क्रिप्ट को लिखने वाला रहा.

तमीम इकबाल के पास 16 टीमों का तजुर्बा

तमीम इकबाल का नाम बांग्लादेश के बड़े खिलाड़ियों में रहा है. वो अपने देश के लिए सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा इंटरनेशनल शतक ठोकने वाले बल्लेबाज रहे हैं. उनके पास बांग्लादेश की सीनियर टीम से क्रिकेट खेलने के अलावा 15 और टीमों से क्रिकेट खेलने का अनुभव रहा है, जिसमें एक फॉर्च्युन बारीशल भी है.

बाकी टीमों में बांग्लादेश ए, बांग्लादेश अंडर 19, दुरंतो राजशाही, खुलना टाइगर्स, पेशावर जाल्मी, पुणे वॉरियर्स, एशिया XI, वेलिंग्टन, लाहौर कलंदर्स, चिटगोंग डिवीजन, ढाका प्लैटून, आईसीसी वर्ल्ड XI, नॉटिंघमशर, सेंट लूसिया जूक्स के नाम हैं.

बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में तमीम इकबाल की कप्तानी में फॉर्च्युन बारीशल ने अब तक 3 मैच खेले हैं, जिसमें 2 जीते और 1 हारे हैं.

साउथ अफ्रीका ने 10 विकेट से पाकिस्तान को हराया

7.1 ओवर में 61 रन बनाए, सीरीज 2-0 से जीती; रिकेलटन प्लेयर ऑफ द टेस्ट

केप टाउन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हरा दिया। केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में चौथे दिन होम टीम को 61 रन की टारगेट मिला, जिसे टीम ने बगैर नुकसान के 7.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट 2 विकेट से जीता था, इसलिए सीरीज भी 2-0 से होम टीम के नाम ही रही।

पहली पारी में 259 रन की मैराथॉन पारी खेलने वाले ओपनर रायन रिकेलटन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं 10 विकेट लेने वाले मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 478 रन बनाए

पाकिस्तान ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी 213/1 के स्कोर से आगे बढ़ाई। शान मसूद ने 102 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। नाइट वॉचमैन खुर्रम शहजाद 18 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद सभी बैटर्स को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका।

मसूद 145 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद कामरान गुलाम 28, सऊद शकील 23, मोहम्मद रिजवान 41, सलमान आगा 48, आमेर जमाल 34 और मीर हम्जा 16 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने दूसरी पारी में 478 रन बनाए और साउथ अफ्रीका को 61 रन का टारगेट मिला।

रबाडा-महाराज को 3-3 विकेट

साउथ अफ्रीका से गेंदबाजी में कगिसो रबाडा और केशव महाराज ने 3-3 विकेट लिए। मार्को यानसन को 2 और क्वेना मफाका को 1 विकेट मिला। मफाका ने मसूद का बड़ा विकेट लिया। टीम से 3 गेंदबाज ने 100 से ज्यादा रन दिए।

बेडिंघम ने 5 चौके और 2 छक्के लगाए

साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में रायन रिकेलटन की जगह डेविड बेडिंघम को ओपनिंग करने भेजा। उन्होंने तेजी से बैटिंग की और महज 30 गेंद पर 47 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। उनके सामने ऐडन मार्करम 13 गेंद पर 14 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

तीसरे दिन पाकिस्तान को फॉलोऑन खेलना पड़ा

मुकाबले के तीसरे दिन पाकिस्तान पहली पारी में 194 रन ही बना सका। साउथ अफ्रीका ने उन्हें फॉलोऑन दे दिया, टीम ने दूसरी पारी में वापसी की और एक विकेट के नुकसान पर 213 रन बना लिए। शान मसूद ने सेंचुरी लगाई, वहीं बाबर आजम 81 रन बनाकर आउट हुए।

भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के खिलाफ भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी की टिप्पणी के मुद्दे पर मंगलवार को कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय के सामने तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। पुलिस को स्थिति को संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल से जाने से इनकार कर रहे थे। यह सब तब शुरू हुआ जब कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व भाजपा सांसद की प्रियंका गांधी पर टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे।

जल्द ही दोनों पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। स्थिति तब हिंसक हो गई जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर भाजपा कार्यालय की इमारत पर अंडे और पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। हालांकि, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया और बदले में उन्होंने भी उन पर हमला किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठी-डंडों से हमला करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि पथराव में भाजपा के एक कार्यकर्ता के सिर में चोट लग गई।

किशन रेड्डी ने भाजपा के कार्यालय पर हमले की कड़ी निंदा की

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी ने आज कथित तौर पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अपने राज्य पार्टी मुख्यालय पर किए गए हमले की निंदा की। उन्होंने एक बयान में आरोप लगाया कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुंडों और उपद्रवियों की तरह व्यवहार किया और तेलंगाना भाजपा राज्य मुख्यालय पर हमला किया। मैं पत्थरों और लाठियों से किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। यह कायरतापूर्ण कृत्य है। मैं चेतावनी दे रहा हूं कि अगर कांग्रेस पार्टी, जो ऐसी शांतिर राजनीति की प्रतीक है, अपना रुख नहीं बदलती है तो स्थिति गंभीर हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस की मौजूदगी में राज्य भाजपा कार्यालय के गेट पर हमला किया। कांग्रेस के गुंडे पत्थरों और लाठियों से लैस होकर भाजपा कार्यालय के सामने पहुंचे और पुलिस के साथ आकर कार्यालय और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया, पुलिस मूकदर्शक बनी रही। रेड्डी ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा और शारीरिक हमलों की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। हम इस तरह की राजनीति के पूरी तरह खिलाफ हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य में इस तरह की प्रतिशोध और नफरत की राजनीति बढ़ गई है। अतीत में कांग्रेस पार्टी का अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्रियों को हटाने के लिए सांप्रदायिक दंगे कराने का घिनौना इतिहास रहा है। सत्ता में आने के एक साल के भीतर ही कांग्रेस पार्टी अपने अकुशल शासन के कारण लोकप्रियता खो रही है। वह अधीरता के कारण इस तरह के जघन्य कृत्यों में लिप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस तरह के हमले नहीं रुके तो कांग्रेस पार्टी को ऐसे हमलों के बाद पैदा होने वाली स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में भाजपा कार्यालय पर हमला किया गया। हमारे कार्यकर्ताओं को चोट पहुंचाने का मामला मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना नहीं होगा। यदि भाजपा कार्यकर्ता अपना अधीरता खो देते हैं और आपके कार्यों के खिलाफ विद्रोह करते हैं, तो ऐसी स्थितियां होंगी कि देश में कांग्रेस के कुछ नेता घूम नहीं पाएंगे। मैं चेतावनी देना चाहता हूं कि राज्य में इस तरह के हमलों के भविष्य के परिणामों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाएगा, उन्होंने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि उनके धैर्य को अक्षमता नहीं माना जाना चाहिए। हम हिंसा की राजनीति को बढ़ावा नहीं देते हैं। हम अपने ऊपर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि आपको किसी की टिप्पणी पसंद नहीं है, तो बस विरोध करें, लेकिन.. पार्टी कार्यालय पर पत्थरों और लाठियों से शारीरिक हमला करना सही नहीं है। दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने के बाद भी, क्या अधीरता के साथ हमला करना सही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच हुई पथराव में घायल प्रदेश भाजपा महासचिव कासम वेंकटेश्वरलू से अस्पताल में भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचंद्र राव ने मुलाकात की।

अब विद्यार्थियों को सुबह फोन करके जगाएंगे शिक्षक

शिक्षकों को दसवीं कक्षा के परिणाम सुधारने का मिला नया काम

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों को गोद लेने से लेकर, उन्हें जागरूक करने, उनके बच्चों के प्रदर्शन पर माता-पिता से बातचीत करने, विशेष कक्षाएं आयोजित करने, परामर्श सत्र आयोजित करने से लेकर स्तर-आधारित अभ्यास तैयार करने तक, सरकार और स्थानीय निकाय स्कूल शिक्षकों के पास एसएससी सार्वजनिक परीक्षा मार्च 2025 से पहले एक नया कार्य है। स्कूल शिक्षा विभाग की दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार के लिए नई सुझावात्मक कार्ययोजना के अनुसार, शिक्षकों को विद्यार्थियों को गोद लेने के अलावा उन्हें सुबह जगाने के लिए फोन करने को कहा गया है।

उन्हें अभिभावकों से फोन पर बात कर उनके बच्चे के अध्ययन कार्यक्रम तथा तैयारी में यदि कोई कमी रह गई हो तो उसके बारे में भी चर्चा करने को कहा गया है। शिक्षकों को शैक्षणिक वर्ष के अनुसार 10 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए कहा गया है, स्कूलों को सुबह और शाम विशेष कक्षाएं आयोजित करने का निर्देश दिया गया है।

ऐसी कक्षाओं के दौरान, शिक्षकों को पहले 20 मिनट उस दिन के विषय की अवधारणाओं को समझाने के लिए कहा गया है, उसके बाद 40 मिनट अभ्यास के लिए।

प्रत्येक सत्र में एक या दो शैक्षणिक मानकों पर आधारित मुख्य अवधारणाएं/तीन प्रश्न शामिल किए जाने हैं। छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए 'अभ्यास दीपिका' से प्रश्नों का अभ्यास करने के अलावा पाठ पढ़ने और उत्तर लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

चूंकि पाठ्यक्रम नियमित अवधि में पूरा किया जाता है, इसलिए शिक्षकों से कहा जाता है कि वे एक दिन पाठ/विषय को समझाने के लिए आवंटित करें और उसके अगले दिन परीक्षा लें। इसके अलावा, शिक्षकों से प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करने के अलावा छात्रों को उन प्रश्नों के उत्तर लिखने के तरीके के बारे में निर्देश देने के लिए कहा जाता है, जिसमें सुपाठ्य लिखावट पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

छात्रों के सीखने के स्तर की पहचान करने के लिए शिक्षकों से कहा गया है कि वे सार्थक परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक हस्तक्षेप करें। जिन छात्रों को परीक्षा पास करने में कठिनाई हो रही है, उनके लिए विभाग ने शिक्षकों से कहा है कि वे उन पर व्यक्तिगत ध्यान दें और सुनिश्चित करें कि वे उन विषयों की प्रमुख अवधारणाओं का अभ्यास करें। फरवरी/मार्च 2025 में होने वाली प्री-फाइनल परीक्षाओं की समय सारिणी फरवरी माह में जारी की जाएगी।

शीत लहर के एक और दौर के लिए रहें तैयार

आज और 11 जनवरी के दौरान पड़ेगी कड़ाके की ठंड

फाइल फोटो

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के बाद, आने वाले दिनों में हैदराबाद और जिलों में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी-हैदराबाद) और तेलंगाना में मौसम के पैटर्न पर नज़र रखने वाले शौकिया मौसम विशेषज्ञों द्वारा किए गए पूर्वानुमानों के आधार पर, 8 से 10 जनवरी के बीच तेलंगाना राज्य में एक शक्तिशाली शीतलहर चलने की उम्मीद है। मौसम में इसी तरह के बदलाव का संकेत देते हुए आईएमडी-हैदराबाद ने मंगलवार दोपहर के अपने पूर्वानुमान में कहा कि अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। इसके बाद, तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है। अगले 5 दिनों तक तेलंगाना में सुबह के समय धुंध या कोहरा छाए रहने की संभावना है।

हैदराबाद के जाने-माने मौसम विशेषज्ञ टी बालाजी ने कहा कि तेलंगाना के उत्तरी हिस्सों में 8 और 11 जनवरी के दौरान कड़ाके की ठंड पड़ेगी और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा।

हैदराबाद सहित तेलंगाना के अन्य हिस्सों में 9 और 10 जनवरी के दौरान कड़ाके की ठंड पड़ेगी और तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और 9 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा। इस बीच, सोमवार रात से मंगलवार शाम तक हैदराबाद और तेलंगाना के जिलों में ठंड का प्रकोप जारी रहा। हैदराबाद के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस और 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जबकि जिलों में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और 14 डिग्री सेल्सियस रहा।

फूड प्वाइजनिंग के कारण 23 छात्र बीमार

करीमनगर, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शर्मानगर स्थित ज्योतिबा फुले बीसी गुरुकुल के करीब 23 छात्र भोजन विषाक्तता के कारण बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आधी रात के बाद छात्रों को उल्टी होने लगी। स्कूल प्रशासन ने रात में ही करीब 19 छात्रों को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया और सुबह 4 अन्य छात्रों को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया। छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है। छात्रों की खराब सेहत का कारण रात्रिभोज में परोसी गई गोभी की सब्जी बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी से बात की और छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिया कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जाएं।

एसीबी मामले के खिलाफ केटीआर की याचिका खारिज

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को फॉर्मूला ई रेस विवाद के संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दर्ज मामले के खिलाफ बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति के लक्ष्मण की एकल पीठ ने एक पंक्ति का फैसला जारी करते हुए कहा कि निरस्तीकरण याचिका खारिज की जाती है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनीं और 31 दिसंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया।

इस मामले में हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला ई इवेंट से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं में रामा राव की संलिप्तता का आरोप लगाया गया है। फैसला सुरक्षित रखते हुए, न्यायमूर्ति लक्ष्मण ने अंतिम आदेश की घोषणा की तिथि तक रामा राव को पहले दी गई गिरफ्तारी से सुरक्षा को बढ़ा दिया था। हालांकि, एसीबी को मामले की जांच जारी रखने की अनुमति दे दी गई। रामा राव, जो चुनाव के समय नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री थे, ने मामले को रद्द करने की मांग करते हुए दावा किया था कि उनके खिलाफ आरोप राजनीति से प्रेरित और कानूनी रूप से निराधार हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जांच में हैदराबाद में फार्मूला ई इवेंट के लिए किए गए भुगतान के संबंध में गबन और वित्तीय कदाचार के दावे शामिल हैं। एसीबी ने रामा राव को सोमवार को पेश होने के लिए समन जारी किया था। लेकिन उनके वकील को उनके साथ जाने की अनुमति नहीं मिलने के कारण रामा राव ने लिखित बयान दिया और चले गए। इसके बाद एसीबी ने उन्हें एक और समन जारी कर गुरुवार को पेश होने को कहा।

एंटी-फंगल दवा 'इट्रोजेन-100 कैप्सूल' का स्टॉक जब्त

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने मंचेरियल में एक मेडिकल दुकान से एंटी-फंगल दवा 'इट्रोजेन-100 कैप्सूल' के स्टॉक को जब्त कर लिया, क्योंकि इसे निर्धारित अधिकतम मूल्य से अधिक पर बेचा जा रहा था। दवा पर दर्शाई गई एमआरपी दरें, मूल्य नियंत्रण नियामक प्राधिकरण, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (सी) द्वारा औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के तहत उत्पाद के लिए निर्धारित अधिकतम मूल्य से काफी अधिक थीं।

हरियाणा के यमुना नगर स्थित ऑलक्योर रेमेडीज एलएलपी द्वारा निर्मित एंटीफंगल कैप्सूल के लेबल पर 10 कैप्सूल के लिए 245 रुपये का एमआरपी अंकित है, जो औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है। एनपीपीए द्वारा उत्पाद के लिए निर्धारित अधिकतम मूल्य एक कैप्सूल के लिए 16.67 रुपये है, यानी 10 कैप्सूल के लिए 166.7 रुपये। जीएसटी सहित, एंटी-फंगल दवा की एमआरपी 10 कैप्सूल के लिए 187 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि, फर्म ने 10 कैप्सूल के लिए, 58 रुपये अधिक वसूले जो कि औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है।

टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि आवश्यक दवाओं की कीमतें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम कीमतों के अनुसार होनी चाहिए। आवश्यक दवाओं की अधिक कीमत तय करना औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के तहत उल्लंघन है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ औषधि कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भोईगुडा में युवती लापता

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गांधीनगर के भोईगुडा स्थित अपने घर से सोमवार को लापता हुई एक युवती का मंगलवार को भी पता नहीं चल सका। एक निजी कॉलेज में डिग्री की पढ़ाई कर रही 20 वर्षीय युवती के बारे में ऐसा माना जा रहा है कि वह अपने माता-पिता द्वारा मोबाइल फोन पर लंबे समय तक बात करने और कॉल पर बात करने के कारण डांटने से परेशान थी। वह घर से यह कहकर निकली थी कि वह किसी दोस्त से मिलने जा रही है, लेकिन वापस नहीं लौटी। चिंतित माता-पिता ने उसे इधर-उधर ढूंढा और पुलिस से संपर्क किया। उसके पिता की शिकायत के आधार पर गांधीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

रैतु भरोसा को धोखा दिए जाने के खिलाफ प्रदर्शन नई दिल्ली पहुंचा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रैतु भरोसा योजना के तहत सहायता देने में कांग्रेस सरकार द्वारा किसानों के साथ किया गया विश्वासघात अब नई दिल्ली तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय में रैतु भरोसा योजना के तहत प्रति एकड़ 15,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने के वादे को पूरा करने में कांग्रेस सरकार की विफलता को उजागर करते हुए पोस्टर सामने आए हैं।

एआईसीसी कार्यालय के प्रवेश द्वार सहित विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में लिखा है कि कांग्रेस रैतु भरोसा यू-टर्न। वारंगल घोषणापत्र राहुल गांधी 15,000 रुपये प्रति एकड़। 2024 तक किसानों को कोई राशि नहीं। सीएम रेवंत- यू टर्न 12000 रुपये प्रति एकड़...।

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने रैतु भरोसा योजना के तहत वित्तीय सहायता को 10,000 रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रति एकड़ करने का वादा किया था। पार्टी के वारंगल घोषणापत्र कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा भी की गई थी।

राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के एक साल बाद भी, उसने रैतु भरोसा योजना को लागू नहीं किया।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि इस योजना के तहत 26 जनवरी से वित्तीय सहायता केवल 12,000 रुपये प्रति एकड़ होगी।

सरकार से प्रति एकड़ 15,000 रुपये देने की मांग करते हुए भारत राष्ट्र समिति के नेताओं और किसानों ने सोमवार को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया था और मंगलवार को नलगोंडा में भी यह जारी है।

होमगार्ड अधिकारियों को पदक प्रदान किए गए

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2024 के लिए गृह मंत्रालय के उत्कृष्ट और अति उत्कृष्ट सेवा पदक प्राप्त करने वाले होमगार्ड अधिकारियों को स्वाति लकड़ा एडिशनल डीजीपी संगठन और होमगार्ड, टीजी द्वारा डीजीपी कार्यालय में पदक प्रदान किए गए। होमगार्ड के एडीजीपी ने पुरस्कार विजेताओं को संबोधित किया और प्रत्येक व्यक्ति द्वारा पुलिस विभाग के लिए की गई कड़ी मेहनत के लिए अपनी गहरी सराहना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि, इस पुरस्कार से उनका उत्साह बढ़ेगा और उन्हें अपना उत्कृष्ट कार्य जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

निखमा हेल्थ केयर पर टीएसडीसीए के ड्रग इंस्पेक्टरों ने मारा छापा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद स्थित निखमा हेल्थ केयर अस्पताल पर तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने दवाओं के अनाधिकृत भंडारण और एमआरपी से अधिक कीमत पर दवाएं बेचने के आरोप में छापा मारा। डीसीए अधिकारियों ने औषधि नियम, 1945 की अनुसूची-के के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए IV द्रवों सहित औषधियों के अनाधिकृत भंडारण का पता लगाया तथा यह भी पाया कि अस्पताल द्वारा कुछ दवाएं एमआरपी से अधिक कीमत पर बेची जा रही थीं।

डीसीए अधिकारियों ने बताया कि औषधि नियम, 1945 की अनुसूची-के की शर्तों का पालन किए बिना किसी अस्पताल द्वारा बिक्री के लिए दवाओं का भंडारण करना औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत दंडनीय है, जिसके लिए दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। आम जनता ऐसे मामलों के बारे में टीएसडीसीए को टोल फ्री नंबर 1800-599-6969 पर सभी कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे के बीच सूचित कर सकती है।

महाकुंभ मेले के लिए टीटीडी कल्याण रथम 8 को शुरू होगा

तिरुमला, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि हिंदू सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के तहत टीटीडी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में प्रतिष्ठित महाकुंभ मेले के दौरान श्री वेंकटेश्वर स्वामी का एक प्रतिकृति मंदिर बना रहा है और 8 जनवरी को सुबह 7 बजे तिरुमला से श्रीवारु के दिव्य आशीर्वाद के साथ कल्याण रथम शुरू होगा। मंगलवार दोपहर तिरुमला में अन्नामैया भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए ईओ ने कहा कि यह मेगा धार्मिक आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा और मॉडल मंदिर प्रसिद्ध नाग वासुकी मंदिर के बगल में प्रयागराज के बजरंग दास रोड के सेक्टर 6 में 2.89 एकड़ में बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्सव का आयोजन तिरुमला की शैली में किया जाएगा ताकि उत्तरी क्षेत्र के श्रद्धालु श्री वेंकटेश्वर स्वामी की भव्यता का आनंद ले सकें और हर दिन सुप्रभातम से लेकर एकांत सेवा तक सभी सेवाएं आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि टीटीडी 18, 26 जनवरी, 3 और 12 फरवरी को श्रीवारी कल्याणम का आयोजन भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ मेले के लिए टीटीडी ने मंदिर की गतिविधियों का प्रबंधन करने और आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए टीटीडी के विभिन्न विभागों के पुजारियों, वैदिक विद्वानों और कर्मचारियों की एक टीम भी तैनात की है।

जगन्नाधपुरम गांव में किसान की मौत

खम्मम, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चिंताकणी मंडल के जगन्नाधपुरम गांव में मिर्च के खेत में खरपतवारनाशक का छिड़काव करते समय बेहोश हुए एक किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक चिर्रा वेंकटेश्वरलू (40) को उसके परिवार के सदस्यों ने बेहोश होने की सूचना मिलने के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि वह आर्थिक तंगी के कारण तनाव में था। परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर स्थानीय पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

बिजली काटे जाने पर लोगों ने किया प्रदर्शन

मंचेरियल, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों और आवासीय क्वार्टरों के सेवानिवृत्त कोयला खनिकों ने सरकारी स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के प्रबंधन पर बिजली आपूर्ति बंद करने का आरोप लगाया। उन्होंने मंगलवार को बेलमपल्ली में मार्केट रोड पर कोयला प्रमुख के कदम का विरोध करते हुए रास्ता रोको का आयोजन किया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ।

निवासियों और सेवानिवृत्त कोयला खनिकों ने एससीसीएल द्वारा सरकार को सौंपे गए क्वार्टरों की बिजली काटे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कोयला क्षेत्र की प्रमुख कंपनी द्वारा क्वार्टरों की बिजली आपूर्ति बंद करना अमानवीय कृत्य है। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द बिजली बहाल करने के लिए कदम उठाने की मांग की।

सरकारी कार्यक्रमों का जनता के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, सूचना, नागरिक संबंध और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित विभिन्न विकास और लोक कल्याण कार्यक्रमों का जनता के बीच व्यापक प्रचार फैलाने का निर्देश दिया है। मंगलवार को राज्य सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने सूचना विभाग के फील्ड स्तर के कर्मचारियों को नई तकनीक वाले फोटो कैमरे भेंट किये। कमिश्नर डॉ. हरीश ने कहा कि प्रदेश में जिला एवं मंडल स्तर के अमले को नए कैमरे उपलब्ध कराकर वे समय-समय पर मीडिया को कार्यक्रम की फोटोयुक्त खबरें आसानी से उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जिला कार्यालयों और संभाग स्तर के कर्मचारियों को फोटो कैमरे उपलब्ध कराये जा रहे हैं। कमिश्नर ने कहा कि ये नई तकनीक वाले फोटो कैमरे स्टाफ के लिए फायदेमंद होंगे।

आयुक्त ने कहा कि सूचना विभाग के कर्मचारी प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं, जिसमें प्रदेश के मंत्री, सांसद, विधायक एवं जन प्रतिनिधि मैदानी स्तर पर भाग लेते हैं तथा सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हैं। कार्यक्रम में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. हरीश, अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.